नई दिल्ली
शनिवार
07 नवम्बर 2026
वर्षः 13, अंकः 64
पृष्ठः 08, मूल्य 2 रु0

E-mail
story@sadbhawna.today
sadbhavnatoday@gmail.com
web: www.sadbhawna.today

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सद्भावना टुडे

आवाज़ अधिकार की



दीपावली, काली पूजा और छठ पर सुरक्षा व स्वच्छता....पेज-05

DELHIN/2014/58158

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बिहार के कप्तान...पेज-06

एक नजर

दिवाली पर सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक ही चलेगी मेट्रो

नई दिल्ली। दिवाली उत्सव के दौरान दिल्ली मेट्रो के संचालन समय में बदलाव किया गया है। आगामी रविवार को पिंक, मैजेंटा और ग्रे लाइन पर मेट्रो सेवाएं सामान्य समय से एक घंटे पहले सुबह 6 बजे शुरू होंगी। वहीं, शाम को दिवाली के जश्न को देखते हुए सभी लाइनों पर आखिरी मेट्रो रात 11 बजे के बजाय 10 बजे ही टर्मिनल स्टेशनों से रवाना होगी। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) के मुख्य कार्यकारी निदेशक अनुज दयाल ने शुक्रवार को बताया कि रविवार को पिंक लाइन (मजलिस पार्क-मजलिस पार्क/शिव विहार), मैजेंटा लाइन (बॉटनिकल गार्डन-कृष्णा पार्क एक्सटेंशन और मजलिस पार्क-दीपाली चौक) और ग्रे लाइन (द्वारका-ढांसा बस स्टैंड) पर सामान्य तौर पर सुबह 7 बजे मेट्रो सेवा शुरू होती है। दिवाली के दिन इन लाइनों पर सेवा सुबह 6 बजे से शुरू होगी। वहीं, एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन समेत सभी मेट्रो लाइनों पर आखिरी ट्रेन रात 10 बजे टर्मिनल स्टेशनों से रवाना होगी। सामान्य दिनों में आखिरी ट्रेन रात 11 बजे चलती है। डीएमआरसी ने यात्रियों को सलाह दी है कि वे मेट्रो के बदले हुए समय के अनुसार अपनी यात्रा की योजना बनाएं। समय से जुड़ी अन्य जानकारी के लिए डीएमआरसी की वेबसाइट और आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल देख सकते हैं।

ड्यूटी के दौरान घायल पुलिसकर्मियों को मिलेगी आर्थिक मदद

नई दिल्ली। दिल्ली में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के दौरान घायल हुए पुलिसकर्मियों को दिल्ली पुलिस आर्थिक मदद देगी। पुलिस आयुक्त अनुराग कुमार ने इस साल अलग-अलग मौकों पर ड्यूटी के दौरान घायल हुए पुलिसकर्मियों के लिए आर्थिक सहायता को मंजूरी दी है। इसके तहत गंभीर रूप से घायल पुलिसकर्मियों को 25 हजार रुपये और अन्य गंभीर चोटों का सामना करने वाले जवानों को 15 हजार रुपये दिए जाएंगे। यह रकम 'दिल्ली पुलिस वेलफेयर सोसायटी फंड' से दी जाएगी। उनका कहना है कि जवानों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए 'वेलफेयर यूनिट' लगातार काम कर रही है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, इस साल कानून-व्यवस्था से जुड़ी अलग-अलग ड्यूटी निभाने के दौरान 250 से अधिक पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। प्रदर्शन, धरना और अन्य कानून-व्यवस्था संबंधी इंतजामों के दौरान इन पुलिसकर्मियों को चोटें आईं। उनकी सेवाओं और समर्पण को देखते हुए पुलिस आयुक्त ने आर्थिक सहायता देने का फैसला किया है।

योजना के तहत गंभीर रूप से घायल पुलिसकर्मियों को 25 हजार और अन्य गंभीर चोटों से प्रभावित जवानों को 15 हजार रुपये मिलेंगे। इसके अलावा किसी विशेष मामले में ज्यादा आर्थिक सहायता की जरूरत होने पर संबंधित जिले के डीसीपी अतिरिक्त मदद का प्रस्ताव भेज सकेंगे। ऐसे मामलों पर अलग से विचार किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि दिल्ली पुलिस ने 2023 में ड्यूटी के दौरान घायल होने वाले पुलिसकर्मियों को सम्मानित करने के लिए 'आहत वीर सम्मान पत्र' की शुरुआत की थी। इसके तहत दंगों, प्रदर्शनों को नियंत्रित करने या अपराधियों को पकड़ने के दौरान घायल होने वाले पुलिसकर्मियों के योगदान को सम्मान दिया जाता है।

तरुण तेजपाल की सजा पर रोक लगाने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार



नई दिल्ली,एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने तहलका के पूर्व पत्रकार तरुण तेजपाल को अपने सहयोगी से बलात्कार मामले में दी गई दस साल की सजा को निलंबित करने से इनकार कर दिया है। जस्टिस एमएम सुंदरेश की अध्यक्षता वाली बेंच ने सजा निलंबित करने का आदेश देने से इनकार कर दिया।

उच्चतम न्यायालय ने 25 सितंबर को तेजपाल की याचिका पर सुनवाई करते हुए गोवा सरकार को नोटिस जारी किया था। सुनवाई के दौरान तरुण तेजपाल की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि उन्होंने सरेंडर कर दिया है। उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय ने भी सजा पर चार हफ्ते की रोक लगाई थी। तरुण तेजपाल ने बांबे उच्च न्यायालय की गोवा बेंच के आदेश को चुनौती दी है। गोवा सरकार ने भी उच्चतम न्यायालय में अर्जी दाखिल कर तेजपाल की सजा बढ़ाने की मांग की है। गोवा सरकार ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तरुण तेजपाल को उम्रकैद की सजा देने की मांग की है। गोवा सरकार ने बांबे उच्च न्यायालय की गोवा बेंच के उस फैसले को चुनौती दी है जिसमें तरुण तेजपाल को दो दोष के लिए 10-10 साल की कड़ी सजा साथ ही काटने का फैसला सुनाया है। गोवा सरकार ने कहा है कि समय बीत जाने का लाभ अपराधी को नहीं दिया जा सकता है। गोवा सरकार की याचिका पर सुनवाई करते हुए 25 अगस्त को उच्चतम न्यायालय ने तेजपाल को सरेंडर करने का आदेश दिया था। 6 अगस्त को बांबे उच्च न्यायालय की गोवा बेंच ने तरुण तेजपाल को बरी करने के ट्रायल कोर्ट के फैसले को निरस्त कर दिया था। लेकिन उच्च न्यायालय ने तरुण तेजपाल को दस साल की सश्रम कैद की सजा सुनाई। उच्च न्यायालय ने कहा था कि घटना 13 साल पहले की है और इस दौरान तरुण तेजपाल की ओर से कोई आपराधिक कृत्य की जानकारी नहीं है।

गंभीर आपराधिक आरोपों वाले नेताओं को मंत्री बनाने पर रोक लगाने की मांग वाली याचिका सुप्रीम कोर्ट से खारिज

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने गंभीर आपराधिक आरोपों का सामना कर रहे व्यक्तियों को मंत्री बनने या कैबिनेट में महत्वपूर्ण विभाग पाने से रोकने का दिशा-निर्देश जारी करने की मांग करने वाली याचिका आज खारिज कर दी। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने याचिका खारिज करने का आदेश दिया।

याचिका दिल्ली निवासी दिलीप कुमार ने दायर की थी। याचिका में मांग की गई थी कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्रियों को सांसदों और विधायकों को मंत्री बनाते समय या उन्हें कैबिनेट विभाग सौंपते समय उनके आपराधिक रिकॉर्ड पर भी विचार करना चाहिए। याचिका में स्पष्ट किया गया था कि वे संविधान के अनुच्छेद 75 और 164 के तहत कोई नई अयोग्यता जोड़ने की मांग नहीं कर रहे हैं, बल्कि मंत्रियों के चयन और विभागों के आवंटन में विवेक के विवेकपूर्ण इस्तेमाल के लिए केवल कुछ मानक या मानदंड तय करने का आग्रह कर रहे थे। याचिकाकर्ता ने 'एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' (एडीआर) के 2025 के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि देश के लगभग 45 प्रतिशत मौजूदा विधायकों पर आपराधिक मामले और 29 प्रतिशत पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इसके बावजूद संसद ने इस समस्या से निपटने के लिए एक दशक से कोई पर्याप्त कदम नहीं उठाए हैं। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने दिशा-निर्देश तय करने की व्यावहारिकता पर सवाल उठाते हुए कहा कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया में आपराधिक कानूनों का राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। ऐसे में यह मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री के विवेक पर ही छोड़ा जाना चाहिए कि कोई आपराधिक मामला सरकार के लिए कितना असुविधाजनक या शर्मनाक है कि उस व्यक्ति को कैबिनेट से बाहर रखा जाए। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि कार्यपालिका के इस विशेषाधिकार पर कोई भी बदलाव कोर्ट की बजाय राजनीतिक कार्यपालिका और संसद के अधिकार क्षेत्र में आता है।

झारखंड में भीषण सड़क हादसा, सात लोगों की मौत



खूंटी,एजेंसी। कर्रा थाना क्षेत्र के कर्रा-तोरपा मुख्य मार्ग पर जोने-लुदरू मोड़ के समीप गुरुवार देर रात भीषण सड़क हादसा हुआ। हादसे में सात लोगों की मौत होने की सूचना है, जबकि कई अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और पूरे क्षेत्र में मातम छा गया।

जानकारी के अनुसार, कर्रा रेलवे स्टेशन से तोरपा जाने वाली सड़क पर कॉलोनी के समीप तोरपा की ओर से आ रहा तेज रफ्तार अनियंत्रित 18 चक्का ट्रक (जेएच 02 एजे 1377) सड़क पर मौजूद लोगों को अपनी चपेट में लेते हुए पुलिया तोड़कर गड्ढे में जा गिरा। हादसे के बाद ट्रक चालक और खलासी मौके से फरार हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गुरुवार रात करीब 9:30 बजे घटनास्थल के पास एक स्कूटी दुर्घटनाग्रस्त हुई थी। उसकी आवाज सुनकर जोने-लुदरू मोड़ के समीप कॉलोनी के कुछ लोग दुर्घटना देखने के लिए सड़क पर पहुंचे थे। इसी दौरान तोरपा की ओर से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क पर मौजूद लोगों को रौंद दिया। घटना की सूचना मिलते ही कर्रा थाना प्रभारी राजू कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। सीएचसी कर्रा के स्वास्थ्यकर्मी भी घटनास्थल पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। वहीं, हादसे की जानकारी मिलने पर तोरपा थाना प्रभारी मनीष कुमार भी घटनास्थल पहुंचे और घायलों को अस्पताल पहुंचाने में सहयोग किया। उन्होंने सात लोगों की मौत की पुष्टि पुष्टि की है। जबकि एक घायल है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में कर रही है।

उपराष्ट्रपति व प्रधानमंत्री ने हादसे पर जताया दुख

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने झारखंड के खूंटी जिले में हुई सड़क दुर्घटना पर गहरा दुख जताया है। इस घटना में सात लोगों की मौत हो गई। उपराष्ट्रपति ने एक्स पर लिखा, 'झारखंड के खूंटी में हुए दुखद सड़क हादसे में लोगों की जान जाने से गहरा दुख हुआ है। पीड़ित परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। मैं घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस हादसे में जिन लोगों ने अपने अपनों को खोया है, उनके प्रति वह संवेदना व्यक्त करते हैं और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हैं। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि दुख की इस घड़ी में पीड़ित परिवारों के प्रति उनकी गहरी संवेदनाएं हैं और ईश्वर से घायलों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करते हैं। उल्लेखनीय है कि खूंटी जिले में कर्रा थाना क्षेत्र के कर्रा-तोरपा मुख्य मार्ग पर जोने-लुदरू मोड़ के समीप गुरुवार देर रात भीषण सड़क हादसा हुआ। इसमें सात लोगों की मौत हो गई जबकि कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

केन्द्रीय मंत्री ने सेमीकॉन इंडिया 2.0 वेब एप्लिकेशन पोर्टल लॉन्च किया

नई दिल्ली,एजेंसी। सेमीकॉन इंडिया 2.0 वेब एप्लिकेशन पोर्टल शुक्रवार को लॉन्च किया गया और इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट्स मैन्युफैक्चरिंग योजना के तहत स्वीकृत 12 आवेदकों की सूची जारी की गई। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग के विस्तार को आत्मनिर्भर भारत की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि देश तैयार उत्पादों से मॉड्यूल, कंपोनेंट्स और फिर कच्चे माल के निर्माण तक चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ रहा है। सेमीकॉन इंडिया 2.0 वेब एप्लिकेशन पोर्टल के संबंध में वैष्णव ने कहा कि सरकार सेमीकंडक्टर कार्यक्रम के दूसरे, तीसरे और चौथे स्तंभ के तहत आवेदन स्वीकार करना शुरू करेगी। यह भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमी कंडक्टर विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने की दिशा में एक और कदम है। उन्होंने बताया कि आज की मंजूरियों के बाद देशभर में इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट निर्माण से जुड़ी कुल 118 इकाइयां स्थापित की जा रही हैं। इनमें से कई इकाइयां घरेलू मांग पूरी करने के साथ निर्यात को भी बढ़ावा देने में सक्षम होंगी।

उन्होंने कहा कि भारत में मोबाइल फोन निर्माण की शुरुआत को कभी विपक्ष ने 'पेंच-ड्राइवर तकनीक' कहकर खारिज किया था। लेकिन अब देश में इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों के लिए जरूरी घटकों के साथ उनके निर्माण में इस्तेमाल होने वाली सामग्री और मशीनों का भी उत्पादन हो रहा है। वैष्णव ने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग वर्तमान में करीब 25 लाख लोगों को रोजगार दे रहा है। बैटरी सेल, एनोड और कैथोड सामग्री जैसे महत्वपूर्ण घटकों के लिए पहले भारत काफी हद तक एक विदेशी देश पर निर्भर था। अब इनके घरेलू उत्पादन से आयात पर निर्भरता कम हो रही है। एनोड-कैथोड सामग्री, कॉपर फॉइल, लचीले और 20-परत वाले पीसीबी, ऑप्टिकल ट्रांससीवर, रिले और कैपेसिटर जैसे उत्पादों का निर्माण भी भारत में हो रहा है।

कांग्रेस ने अग्निपथ योजना रद्द करने की मांग की, 'जय जवान-पार्ट 2' शुरू करने का ऐलान

नई दिल्ली। कांग्रेस ने अग्निपथ योजना रद्द कर नियमित सैनिकों की भर्ती शुरू करने की मांग की है। साथ ही पार्टी ने 'जय जवान-पार्ट 2' अभियान शुरू करने का ऐलान किया है। इसके तहत पूरे देश में अग्निवीर सैनिकों की मांगों को उठाया जाएगा। कांग्रेस के पूर्व सैनिक विभाग के अध्यक्ष कर्नल (रि.) रोहित चौधरी ने शुक्रवार को कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा कि सरकार ने सेना पर अग्निपथ योजना थोपी थी और अब पहले बैच के चार साल पूरे होने पर 75 प्रतिशत अग्निवीरों को दो साल का सेवा विस्तार देने का फैसला किया है।

उन्होंने सवाल किया कि अग्निवीरों को स्थायी क्यों नहीं किया जा रहा है। कर्नल चौधरी ने दावा किया कि योजना के कारण सेना में करीब सवा दो लाख जवानों की कमी हुई और सेना-वायुसेना में भर्ती होकर नियुक्ति का इंतजार कर रहे डेढ़ लाख युवाओं का सपना टूट गया।

दिल्ली-एनसीआर में ग्रैप-3 की पाबंदियां लागू, कई इलाकों में एक्यूआई 400 के पार



नई दिल्ली,एजेंसी। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता में गिरावट के मद्देनजर सख्त कदम उठाते हुए ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) के तीसरे चरण की पाबंदियां लागू कर दी हैं। इसके तहत प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए निर्माण कार्यों, वाहनों और अन्य प्रदूषणकारी गतिविधियों पर अतिरिक्त प्रतिबंध लगाए जाएंगे।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में प्रदूषण की स्थिति बिगड़ने की आशंका के मद्देनजर आयोग ने यह फैसला लिया है। ग्रैप-3 लागू होने के साथ ही संबंधित एजेंसियों को प्रदूषण नियंत्रण के उपाय सख्ती से लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। राष्ट्रीय राजधानी के कई इलाकों में औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 382 तक पहुंच गया। कई क्षेत्रों में एक्यूआई का स्तर 400 के पार चला गया। प्रदूषण के बढ़ते स्तर को देखते हुए शुक्रवार शाम वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग की उपसमिति ने आपात बैठक बुलाकर स्तिथि की समीक्षा की और ग्रैप 3 की पांबदियों को तुरंत प्रभाव से लागू करने का फैसला लिया। ग्रैप-3 के तहत प्रतिबंध में निर्माण एवं तोड़फोड़ (सीएंडडी) से जुड़ी गतिविधियों पर प्रतिबंध, गैर-आवश्यक निर्माण कार्यों पर रोक, निर्धारित क्षेत्रों में बीएस-3 पेट्रोल और बीएस-4 डीजल वाहनों के संचालन पर पाबंदी, कक्षा पांचवीं तक के विद्यार्थियों के लिए हाइब्रिड मोड में पढ़ाई का विकल्प, प्रदूषण फैलाने वाली औद्योगिक और अन्य गतिविधियों पर सख्त निगरानी शामिल है। इसके साथ धूल नियंत्रण और प्रदूषण कम करने के उपायों का संबंधित एजेंसियों द्वारा कड़ाई से पालन के साथ पहले और दूसरे चरण के तहत लगाए गए प्रतिबंध भी प्रभावी रहेंगे। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार वायु गुणवत्ता सूचकांक की श्रेणियों में एक्यूआई 0-50 अच्छा माना जाता है। एक्यूआई 51-100 संतोषजनक, 101-200 मध्यम, 201-300 खराब, 301-400 बहुत खराब और 401-500 एक्यूआई गंभीर श्रेणी में आता है।

चार लेन व उससे अधिक के राष्ट्रीय राजमार्गों पर बिना बैरियर टोल वसूली के लिए दिशानिर्देश जारी

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने देशभर में चार लेन और उससे अधिक के राष्ट्रीय राजमार्गों पर मल्टी-लेन फ्री फ्लो (एमएलएफएफ) आधारित बिना बैरियर टोल वसूली व्यवस्था लागू करने के लिए टोल प्लाजा के डिजाइन और बुनियादी ढांचे को मानकीकृत करने संबंधी दिशानिर्देश जारी किए हैं। इसके तहत नए और निर्माणाधीन राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं में ऐसी व्यवस्था के अनुकूल बुनियादी ढांचा तैयार किया जाएगा, जिससे वाहनों को टोल बूथ पर रुके बिना टोल चुकाने की सुविधा मिलेगी।



केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के अनुसार इस व्यवस्था का उद्देश्य टोल प्लाजा पर वाहनों की कतार और प्रतीक्षा समय खत्म करना, ईंधन की खपत कम करना तथा राष्ट्रीय राजमार्गों पर यात्रा को सुरक्षित एवं सुगम बनाना है। दिशानिर्देशों में टोल प्लाजा का लेआउट, लेन की संख्या और व्यवस्था, गैन्ट्री, सड़क संबंधी बुनियादी ढांचे, प्रकाश व्यवस्था, संकेतक और अन्य सुविधाओं के लिए एक समान मानक तय किए गए हैं। एनएचएआई ने राष्ट्रीय राजमार्गों की अलग-अलग संरचनाओं के अनुरूप बिना बैरियर वाले टोल प्लाजा के डिजाइन और बुनियादी ढांचे के मानक निर्धारित किए हैं। इनमें टोल प्लाजा का विन्यास, टोल वसूली वाली लेन की संख्या, गैन्ट्री की स्थिति और सड़क सुरक्षा से जुड़े उपाय शामिल हैं। वाहनों को बिना भौतिक बैरियर पर रोके टोल वसूली होने के कारण पारंपरिक टोल प्लाजा की तुलना में आवश्यक लेन की संख्या को भी तर्कसंगत बनाया गया है। इससे उपलब्ध जगह का बेहतर उपयोग और यातायात का सुचारु संचालन संभव होगा। ये दिशानिर्देश सभी नई और निर्माणाधीन राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं पर लागू होंगे। विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने के चरण में मौजूद परियोजनाओं में नए डिजाइन को शामिल किया जाएगा।

उत्तराखंड पुलिस को मिला राष्ट्रपति पुलिस निशान, शाह ने किया सम्मानित

देहरादून,एजेंसी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को देहरादून स्थित रिजर्व पुलिस लाइन में आयोजित समारोह में उत्तराखंड पुलिस को प्रतिष्ठित राष्ट्रपति पुलिस निशान से अलंकृत किया। इसके साथ ही उत्तराखंड यह सम्मान प्राप्त करने वाला देश का 16 वां राज्य बन गया है। राज्य गठन के बाद पुलिस बल की 25 वर्षों की सेवा, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा के सम्मान में यह निशान प्रदान किया गया। समारोह में अमित शाह ने पुलिस परेड का निरीक्षण किया।



इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी मौजूद रहे। गृह मंत्री ने विशिष्ट सेवा के लिए सेवानिवृत्त पुलिस महानिरीक्षक नारायण सिंह नपलच्याल और मुख्य अग्निशमन अधिकारी वंश बहादुर यादव को राष्ट्रपति पदक से सम्मानित किया। सराहनीय सेवा के लिए पुलिस अधीक्षक जगदीश चन्द्र, सहायक सेनानायक प्रतिमा भट्ट और सेवानिवृत्त उप निरीक्षक सौहकार पुण्डीर को भी पदक प्रदान किए गए। गृह मंत्री और मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड पुलिस के विशेष डाक आवरण तथा पुलिस पत्रिका का विमोचन भी किया। अमित शाह ने कहा कि राष्ट्रपति पुलिस निशान मिलना उत्तराखंड पुलिस के प्रत्येक अधिकारी और जवान के लिए गौरव का क्षण है। पुलिस ने सेवा भाव, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा से अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि चारधाम यात्रा और कुंभ जैसे बड़े आयोजनों के दौरान श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुरक्षा तथा व्यवस्थाओं का संचालन उत्तराखंड पुलिस की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। गृह मंत्री ने नए आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन का उल्लेख करते हुए कहा कि आधुनिक तकनीक, फॉरेंसिक विज्ञान और डिजिटल प्रणालियों के इस्तेमाल से जांच तथा न्यायिक प्रक्रिया में तेजी आएगी। उन्होंने कहा कि मई 2027 के बाद दर्ज होने वाले मामलों में तीन वर्ष के भीतर दोषियों को सजा दिलाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए पुलिस, न्यायालय और अभियोजन व्यवस्था को डिजिटल माध्यम से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि आम लोगों को समयबद्ध न्याय मिल सके। उन्होंने कर्तव्य निर्वहन के दौरान बलिदान देने वाले उत्तराखंड पुलिस के 206 जवानों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि राज्य गठन के समय करीब 13 हजार जवानों से शुरू हुआ पुलिस बल अब 26 हजार से अधिक कर्मियों तक पहुंच गया है। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और प्राकृतिक आपदाओं के बीच पुलिस ने साहस तथा संवेदनशीलता से काम किया है। उन्होंने विश्व पुलिस एवं अग्निशमन खेलों में उत्तराखंड पुलिस के खिलाड़ियों के 37 पदक जीतने पर भी बधाई दी।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर रंग-कोडित व्यवस्था लागू, जनरल और रिजर्व यात्रियों के लिए अलग-अलग गेट

सैफुल्लाह सिद्दीकी, वरिष्ठ पत्रकार

नई दिल्ली। उत्तर रेलवे ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर त्योहारी भीड़ और यात्रियों के सुगम आवागमन को नियंत्रित करने के लिए रंग-कोडित प्रवेश और निकास व्यवस्था लागू किया। अब स्टेशन पर आने और बाहर जाने वाले यात्रियों के लिए अलग-अलग गेट तय कर दिए गए हैं। जनरल टिकट और रिजर्वेशन वाले यात्रियों को भी अलग-अलग गेट से स्टेशन में एंट्री मिलेगी। रेलवे के अनुसार, इस नई व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य स्टेशनों के सर्कुलेटिंग एरिया और प्लेटफॉर्मों पर होने वाली अनावश्यक भीड़ को नियंत्रित करना है।

उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय ने बताया कि स्टेशन पर यात्रियों के आने-जाने के लिए अलग-अलग रास्ते तय किए गए हैं। जिस द्वार से यात्री स्टेशन के भीतर प्रवेश करेंगे, वहां से बाहर निकलने की अनुमति नहीं होगी। इसी तरह, निकास द्वारों का उपयोग केवल स्टेशन से बाहर जाने के लिए किया जा सकेगा। सामान्य श्रेणियों (अनारक्षित) ट्रेनों में यात्रा करने वाले यात्रियों और आरक्षित (स्लीपर/एसी) श्रेणियों की ट्रेनों में यात्रियों के लिए स्टेशन परिसर में प्रवेश और निकास के रास्ते पूरी तरह अलग कर दिए गए हैं। इससे मुख्य द्वारों पर लगने वाली लंबी कतारों से मुक्ति



मिलेगी और यात्रियों का समय बचेगा।

उत्तर रेलवे ने रंगो के माध्यम से यात्रियों को समझाने का प्रयास किया है ताकि किसी को दिक्कत का सामना न करना पड़े। नीले रंग के माध्यम से बताया गया है कि आरक्षित श्रेणियों से यात्रा करने वाले यात्रियों को प्लेटफॉर्म नंबर 1 से 15 के लिए गेट नंबर 8 और 11 का उपयोग करना होगा। वही, पीला रंग में सभी अनारक्षित/सामान्य श्रेणी के यात्री होंगे जो प्लेटफॉर्म नंबर 1 से 16 के लिए गेट नंबर 12 का इस्तेमाल करेंगे। टिकट काउंटरों पर भीड़ कम करने के लिए रेलवे द्वारा विशेष मोबाइल टिकटिंग व्यवस्था शुरू की गई है। इसके अंतर्गत रेलवे कर्मचारी खुद 'हैंड हेल्ड डिवाइस' लेकर यात्रियों के पास जा रहे हैं और मौके पर ही अनारक्षित टिकट जारी कर रहे हैं। रेलवे ने जानकारी दी कि स्टेशन के भीतर केवल यात्रा करने वाले यात्रियों के प्रवेश को ही प्राथमिकता दी जा रही है। प्लेटफॉर्मों पर अनावश्यक भीड़ को रोकने के लिए प्लेटफॉर्म टिकटों की बिक्री अस्थायी रूप से बंद कर दी गई है। यात्रियों की सुविधा के लिए पूरे स्टेशन परिसर, फुट ओवर ब्रिज और प्रवेश और निकास पर बड़े और स्पष्ट दिशा-सूचक बोर्ड लगाए गए हैं, ताकि यात्रियों को अपने गंतव्य द्वार तक पहुंचने में कोई असुविधा न हो। रेलवे ने बताया कि व्हीलचेयर या विशेष सहायता की आवश्यकता वाले यात्रियों, दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए निकटतम द्वारों पर सुगम रैंप और विशेष सुलभ मार्ग की व्यवस्था यथावत रहेगी। उत्तर रेलवे ने उम्मीद जताई है कि नई व्यवस्था से नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की भीड़ को संभालना आसान होगा।

सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े जबरन वसूली के मामले में दिल्ली की अदालत में पेश हुई नोरा फतेही

शाहनवाज सैफ, सद्भावना टुडे

नई दिल्ली। रैनबैक्सी के पूर्व प्रमोटर शिवेंद्र सिंह की पत्नी अदिति सिंह से कथित तौर पर 200 करोड़ की ठगी के मामले में सुकेश चंद्रशेखर के खिलाफ दर्ज मामले में शुक्रवार को अभिनेत्री नोरा फतेही बतौर गवाह राऊज एवेन्यू कोर्ट में पेश हुईं। नोरा फतेही अपना बयान दर्ज कराने के स्पेशल जज गगनदीप सिंह की कोर्ट में पेश हुईं। इसके पहले भी कोर्ट ने उन्हें 2 नवंबर को कोर्ट में पेश होने के लिए समन जारी किया था लेकिन वो 2 नवंबर को पेश नहीं हुई थीं। उसके बाद कोर्ट ने दोबारा समन जारी कर 6 नवंबर को पेश होने का आदेश दिया था, जिसके बाद आज वो कोर्ट में पेश हुईं। इस मामले में कोर्ट ने 15 सितंबर को आरोपित नवास की के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने नवास की के खिलाफ मकोका कानून की धारा 3(2), 3(3), 3(4) और भारतीय दंड संहिता की धारा 384,386,388,419,420 और 506 के तहत आरोप तय करने का आदेश दिया। आर्थिक अपराध शाखा ने छठे पूरक चार्जशीट में नवास की को आरोपित बनाया था।

इस मामले से जुड़े मनीलाउंड्रिंग मामले में ईडी ने कोर्ट को बताया था कि सुकेश ने स्वीकार किया था कि 57 करोड़ अदिति सिंह से लिया लेकिन जांच में पाया गया कि उसने 80 करोड़ लिया था। ईडी ने कहा था कि सुकेश ही इस मामले का मास्टरमाइंड है। इस मामले में उसने अदिति सिंह को पहला फोन लैंडलाइन से किया था। ईडी के मुताबिक सुकेश ने बताया कि इस इस पैसे से गाड़ी, लग्जरी आइटम और गिफ्ट खरीदे गए। बीते 15 नवंबर, 2022 को कोर्ट ने जैकलीन फर्नांडीज को जमानत दी थी। 31 अगस्त 2022 को कोर्ट ने जैकलीन फर्नांडीज के खिलाफ दायर पूरक चार्जशीट पर संज्ञान लिया था। 17 अगस्त 2022 को ईडी ने पूरक चार्जशीट दाखिल किया था। ईडी ने पूरक चार्जशीट में जैकलीन को आरोपित बनाया है। ईडी अप्रैल में इस मामले में जैकलीन की सात करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त कर चुका है। ईडी की चार्जशीट के मुताबिक इस मामले के मुख्य आरोपित सुकेश चंद्रशेखर ने पांच करोड़ 71 लाख रुपए से ज्यादा के गिफ्ट दिए थे। सुकेश अपनी सहयोगी पिंकी ईरानी के जरिए जैकलीन को गिफ्ट पहुंचाने का काम करता था। इन गिफ्टों में 52 लाख रुपए का घोड़ा और 9 लाख रुपए की एक पारसी बिल्ली भी शामिल है। ईडी के मुताबिक सुकेश चंद्रशेखर ने जैकलीन के लिए उपहार खरीदने के लिए उस अवैध धन का इस्तेमाल किया जो उसने शिवेंद्र सिंह की पत्नी अदिति सिंह समेत दूसरे हाई-प्रोफाइल लोगों से धोखाधड़ी कर वसूला था। ईडी के मुताबिक इस पूरे अपराध के लिए सुकेश ने ढांचा तैयार किया और अपराध को अंजाम दिया। दिल्ली पुलिस ने सुकेश चंद्रशेखर पर मकोका लगाया है।

अल फलाह यूनिवर्सिटी संस्थापक जावेद अहमद सिद्दीकी को 7 दिनों की कस्टडी पैरोल

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने लाल किला ब्लास्ट से जुड़े मामले में अल फलाह यूनिवर्सिटी के संस्थापक जावेद अहमद सिद्दीकी को कैंसर पीड़ित पत्नी के इलाज के लिए सात दिनों की कस्टडी पेरोल पर रिहा करने का आदेश दिया है। जस्टिस मिनी पुष्करणा की पीठ ने सिद्दीकी की याचिका पर सुनवाई करते हुए ये आदेश पारित किया। सिद्दीकी ने बताया कि उनकी पत्नी को स्टेज-4 ओवेरियन कैंसर है और उन्हें 10 नवंबर को कीमोथेरेपी लेना है। सुनवाई के दौरान प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से पेश वकील ने सिद्दीकी की अंतरिम जमानत या कस्टडी पेरोल का विरोध करते हुए कहा कि उन पर लगे आरोप गंभीर हैं। ईडी ने अंतरिम जमानत की याचिका का विरोध करते हुए कहा था कि उनके भाग जाने का जोखिम है।

कोर्ट ने 5 नवंबर को ईडी को नोटिस जारी किया था। जावेद अहमद सिद्दीकी ने कैंसर पीड़ित पत्नी के इलाज के लिए अंतरिम जमानत या कस्टडी पैरोल की मांग की थी। उनकी पत्नी का इलाज चल रहा है। जावेद अहमद सिद्दीकी को ईडी ने 18 नवंबर 2025 को गिरफ्तार किया था। फरीदाबाद स्थित अल फलाह यूनिवर्सिटी लाल किला ब्लास्ट के बाद से ही जांच एजेंसियों के रडार पर था। लाल किला ब्लास्ट मामले में गिरफ्तार तीन डॉक्टरों का संबंध अल फलाह यूनिवर्सिटी से पाया गया जिसके बाद इस यूनिवर्सिटी के खिलाफ जांच शुरु की गई। ईडी ने जावेद को टेरर फंडिंग और मनी लाउंड्रिंग के मामले में गिरफ्तार किया था।

दिल्ली में प्रदूषण, जाम और पानी की समस्या पर आआपा का सरकार पर हमला, सही एक्यूआई आंकड़े जारी करने की मांग

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) ने दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण, यातायात जाम और पानी की समस्या को लेकर दिल्ली सरकार पर निशाना साधा। आआपा के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली की हवा जहरीली हो चुकी है और लोगों को सांस लेने में परेशानी हो रही है। ऐसे में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) के सही आंकड़े सामने आना जरूरी है।

सौरभ भारद्वाज ने कहा कि प्रदूषण की वास्तविक स्थिति से अलग आंकड़े सामने आने पर लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ सकता है। उन्होंने हृदय रोग से पीड़ित बुजुर्गों का उदाहरण देते हुए कहा कि यदि कोई व्यक्ति एक्यूआई का स्तर कम देखकर सुबह की सैर के लिए निकलता है और वास्तविक प्रदूषण का स्तर अधिक होता है, तो उसकी सेहत को खतरा हो सकता है। उन्होंने सरकार से प्रदूषण के सही आंकड़े



सार्वजनिक करने की मांग की। भारद्वाज ने कहा कि प्रदूषित हवा में मौजूद सूक्ष्म कण सांस के जरिए शरीर में पहुंचकर स्वास्थ्य संबंधी गंभीर समस्याएं पैदा कर सकते हैं। ऐसे में लोगों को प्रदूषण की वास्तविक स्थिति की जानकारी मिलनी चाहिए, ताकि वे अपनी सुरक्षा के लिए जरूरी सावधानी बरत सकें। वहीं, कोंडली के विधायक कुलदीप कुमार ने दिल्ली में यातायात जाम और प्रदूषण के साथ पूर्वी दिल्ली में पानी की समस्या का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता इन समस्याओं से परेशान है, सरकार व्यस्त हैं। उन्होंने त्योहारों के दौरान गंग नहर का पानी बंद होने से पूर्वी दिल्ली के लोगों को हुई परेशानी का भी जिक्र किया।

नितिन नवीन ने भाजपा मुख्यालय परिवार के सदस्यों के साथ मनाई दीपावली



नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने शुक्रवार को केंद्रीय कार्यालय में कार्यरत सदस्यों के साथ दीपावली मनाई। उन्होंने मुख्यालय में काम करने वाले सभी सदस्यों से आत्मीय मुलाकात की और उन्हें दीपावली की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नितिन नवीन ने कहा कि भाजपा कार्यालय में काम करने वाला प्रत्येक साथी केवल कर्मचारी नहीं, बल्कि भाजपा परिवार का अभिन्न हिस्सा है। सभी सदस्यों के अथक परिश्रम और समर्पण से पार्टी निरंतर आगे बढ़ रही है। पार्टी के लिए संगठन ही परिवार है और सभी इसके सदस्य हैं। उन्होंने मुख्यालय के सदस्यों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि संगठन के कार्यों में सभी ने निष्ठा और समर्पण के साथ महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भाजपा अपने मुख्यालय परिवार के प्रत्येक सदस्य के साथ मजबूती से खड़ी है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि पूरे देश में दीपावली का उत्साह है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सुझाव के अनुरूप उन्हें लगा कि इस अवसर पर सभी का एकसाथ मिलना अच्छा रहेगा। उनकी इच्छा है कि पार्टी का केंद्रीय कार्यालय हमेशा जीवंत और ऊर्जावान बना रहे। यह तभी संभव है जब यहां काम करने वाले सभी सदस्यों के चेहरों पर मुस्कान हो। नवीन ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के विजन के अनुरूप पार्टी का लक्ष्य प्रत्येक कार्यकर्ता के साथ संबंधों को और मजबूत करना है। संगठन को अधिक सुलभ और गतिशील बनाने के लिए पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के बीच नियमित संवाद की नई व्यवस्थाएं शुरू की गई हैं। इससे कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ा है। उन्होंने इन व्यवस्थाओं को सुचारू बनाए रखने में कार्यालय के सदस्यों के अतिरिक्त परिश्रम और योगदान की भी सराहना की।

रोहिणी के विभिन्न पार्कों में सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रसंस्करण से निर्मित 25 पर्यावरण अनुकूल बेंच स्थापित

शबाना बेगम, सद्भावना टुडे

नई दिल्ली। दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही ने शुक्रवार को रोहिणी के विभिन्न पार्कों में सिंगल यूज प्लास्टिक से निर्मित 25 पर्यावरण अनुकूल बेंच स्थापित किए जाने पर खुशी जाहिर किया। उन्होंने ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण एवं प्लास्टिक अपशिष्ट के प्रभावी प्रबंधन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

महापौर प्रवेश वाही ने कहा कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य सिंगल यूज प्लास्टिक से उत्पन्न अपशिष्ट को उपयोगी उत्पादों में परिवर्तित करना तथा प्लास्टिक कचरे के वैज्ञानिक एवं प्रभावी प्रबंधन को प्रोत्साहित करना है। इन बेंचों को सार्वजनिक पार्कों में नागरिकों की सुविधा के लिए स्थापित किया गया है। ये बेंच लकड़ी से निर्मित बेंचों के एक बेहतर विकल्प के रूप में भी उपयोगी हैं, जिससे लकड़ी की खपत कम करने और पेड़ों के संरक्षण को बढ़ावा देने में सहायता मिलेगी। इस परियोजना का क्रियान्वयन इंडियन पॉल्यूशन कंट्रोल एसोसिएशन (आईपीसीए) तथा केआईए सोशल कंट्रीब्यूशन के सहयोग से किया जा रहा है। यह पहल कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के अंतर्गत संचालित की जा रही है। सहयोगी संस्थाएं प्लास्टिक अपशिष्ट के प्रसंस्करण, पर्यावरण अनुकूल



विकल्पों को बढ़ावा देने तथा सामुदायिक स्तर पर पर्यावरण संरक्षण के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं। महापौर ने कहा कि अपशिष्ट को उपयोगी संसाधन में परिवर्तित करना समय की आवश्यकता है।

प्लास्टिक कचरे से उपयोगी वस्तुओं का निर्माण पर्यावरण संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों के संवर्धन तथा सतत शहरी विकास की दिशा में एक सार्थक कदम है। दिल्ली नगर निगम ऐसी अभिनव पहलों के माध्यम से स्वच्छता, कचरा प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है। महापौर ने कहा कि इसी दिशा में निगम द्वारा पर्यावरण संरक्षण, कचरे के वैज्ञानिक प्रबंधन तथा नागरिक सुविधाओं के विस्तार हेतु निरंतर नई-नई पहल की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि निगम का संकल्प है कि अपशिष्ट को बोझ नहीं, बल्कि उपयोगी संसाधन के रूप में परिवर्तित कर दिल्ली को स्वच्छ, हरित एवं पर्यावरण के अनुकूल शहर बनाया जाए।

रेसकोर्स मस्जिद की बिजली-पानी बंद करने पर एनडीएमसी को फटकार

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को बेहद महत्वपूर्ण टिप्पणी में नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) को कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जब कोई संपत्ति संबंधित कानूनों के तहत एक वैध और अधिसूचित संपत्ति है तो बिना उचित कानूनी प्रक्रिया अपनाए और पूर्व नोटिस दिए उसकी बिजली व पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं को नहीं काटा जा सकता।

न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद की अध्यक्षता वाली पीठ ने यह टिप्पणी रेसकोर्स मस्जिद के इमाम मोहम्मद हारून द्वारा दायर एक नई अपील पर सुनवाई के दौरान की। इससे पहले सिंगल बेंच ने मस्जिद की बिजली-पानी बहाली की याचिका को खारिज कर दिया था, जिसे अब इस अपील के जरिए चुनौती दी गई है। कोर्ट ने नोटिस जारी कर एनडीएमसी और दिल्ली वक्फ बोर्ड से दो सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने को कहा है। कोर्ट अब इस मामले की अगली सुनवाई 14 दिसंबर को करेगा। यह विवाद प्रधानमंत्री आवास (7, लोक कल्याण मार्ग) के निकट करीब 53 एकड़ में फैले रेसकोर्स क्लब परिसर के भीतर स्थित ऐतिहासिक मस्जिद से जुड़ा है, जो दिल्ली वक्फ बोर्ड के तहत अधिसूचित संपत्ति है। याचिकाकर्ता के अनुसार 7 अक्टूबर को बिना किसी पूर्व सूचना के इस परिसर की बिजली और पानी की आपूर्ति अचानक बंद कर दी गई थी। इसके अलावा, सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए मस्जिद में नमाज पढ़ने की अनुमति पर भी रोक लगी हुई है। मुस्लिम पक्ष को यह आशंका थी कि प्रशासन इस ऐतिहासिक मस्जिद को हटाने या ध्वस्त करने की कार्रवाई कर सकता है। हालांकि, इस मामले में केंद्र सरकार के भूमि एवं विकास कार्यालय (एलएंडडीओ) ने 29 अक्टूबर को सुनवाई के दौरान उच्च न्यायालय को जानकारी दी थी कि दिल्ली वक्फ बोर्ड के प्रतिवेदन पर फैसला करने में करीब चार सप्ताह का समय लगेगा और तब तक मस्जिद को हटाने या ध्वस्त करने की कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

दिल्ली-एनसीआर में रहने वाले वकील और कोर्ट स्टॉफ को हाई कोर्ट राहत, कर सकेंगे बीएस-6 मानक पूरा न करने वाले वाहनों का इस्तेमाल

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली-एनसीआर में रहने वाले वकीलों और कोर्ट स्टॉफ को दिल्ली सरकार के विंटर एक्शन प्लान मामले में बड़ी राहत दी है। जस्टिस सुमित महाजन ने दिल्ली उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन की याचिका पर वकीलों और कोर्ट स्टॉफ को बीएस-6 मानक पूरा न करने वाले वाहनों का भी दिल्ली में उपयोग करने की अनुमति दी है। कोर्ट ने कहा कि ये छूट केवल कोर्ट के कार्यदिवस के दौरान ही मिलेगी। सुनवाई के दौरान दिल्ली उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ वकील एन. हरिहरन ने कहा कि कोर्ट स्टॉफ और वकील जरूरी काम करते हैं। उन्होंने कहा कि वकीलों को कोरोना की लहर के दौरान भी इस किस्म की छूट मिली हुई थी। उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन ने याचिका दायर कर वकीलों और कोर्ट स्टॉफ को दिल्ली सरकार के विंटर एक्शन प्लान से छूट देने की मांग की थी। दिल्ली सरकार ने विंटर एक्शन प्लान के तहत 1 नवंबर, 2026 से 31 जनवरी, 2027 तक राजधानी में उन वाहनों की एंट्री पर रोक लगा रखी है, जो दिल्ली में पंजीकृत नहीं हैं और प्री-बीएस-6 एमिशन स्टैंडर्ड को पूरा नहीं करते हैं। याचिका में कहा गया था कि दिल्ली में प्रैक्टिस करने वाले वकील गुरुग्राम, नोएडा, गाजियाबाद और फरीदाबाद में रहते हैं। कई वकीलों के वाहन बीएस-6 मानक पूरा नहीं करते हैं। ऐसे में उन्हें कोर्ट की सुनवाई में शामिल होने में अत्यंत कठिनाई होगी, क्योंकि अधिकांश वकीलों के पास एक ही वाहन है।

त्योहारों पर सख्त हुई दिल्ली सरकार, खान-पान के 40 नमूने एकत्र

नई दिल्ली,एजेंसी। दीपावली और अन्य त्योहारों के मद्देनजर दिल्ली सरकार ने खाद्य पदार्थों की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए जांच अभियान तेज कर दिया है। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीमों ने उत्तर-पूर्वी, पूर्वी, शाहदरा, दक्षिणी और दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के विभिन्न इलाकों में मिठाई की दुकानों, डेयरियों और खाद्य निर्माण इकाइयों का निरीक्षण किया। इस दौरान खाद्य पदार्थों के 40 नमूने जांच के लिए एकत्र किए गए, जबकि स्वच्छता मानकों में कमियां पाए जाने पर आठ प्रतिष्ठानों को सुधार नोटिस जारी किए गए। वहीं, मंडोली एक्सटेंशन स्थित एक डेयरी में करीब 100 किलोग्राम दूषित खाद्य सामग्री नष्ट कराई गई। विभागीय टीमों ने उत्तर-पूर्वी, पूर्वी और शाहदरा क्षेत्रों में निरीक्षण के दौरान खोया, पनीर, घी, कलाकंद, लड्डू, गुलाब जामुन और ड्राई फ्रूट गिफ्ट पैक सहित विभिन्न खाद्य पदार्थों के 22 नमूने लिए।

इस दौरान मंडोली एक्सटेंशन की एक डेयरी में दुर्गंधयुक्त खोया, रसगुल्ले तथा मच्छरों और मक्खियों से दूषित दूध पाया गया। टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए करीब 100 किलोग्राम मानव उपभोग के अयोग्य खाद्य सामग्री नष्ट कराई। इसी तरह दक्षिणी और दक्षिण-पूर्वी दिल्ली में चलाए गए अभियान के तहत मिठाई की दुकानों और निर्माण इकाइयों सहित 12 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण



किया गया। यहां से लड्डू, बर्फी, कलाकंद, रसगुल्ला, खोया, छेना, पनीर, घी और स्किम्ड मिल्क पाउडर के 18 नमूने जांच के लिए लिए गए। इसके अलावा, निहाल विहार स्थित एक मिठाई निर्माण इकाई के खिलाफ मिली शिकायत पर भी कार्रवाई की गई। निरीक्षण के दौरान इकाई बिना भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के पंजीकरण के संचालित होती पाई गई। यहां से भी तीन नमूने जांच के लिए एकत्र किए गए। खाद्य सुरक्षा विभाग ने निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठानों में साफ-सफाई और स्वच्छता से जुड़े निर्धारित मानकों के अनुपालन की भी जांच की। कमियां पाए जाने पर आठ प्रतिष्ठानों को सुधार नोटिस जारी किए गए हैं। विभाग के अनुसार, खाद्य नमूनों की प्रयोगशाला जांच रिपोर्ट और निरीक्षण में सामने आए तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि त्योहारों की खुशियां तभी सार्थक हैं, जब हर परिवार तक पहुंचने वाली खाद्य सामग्री शुद्ध, सुरक्षित और स्वास्थ्य के अनुकूल हो। खाद्य पदार्थों में मिलावट, दूषित सामग्री की बिक्री और स्वच्छता मानकों की अनदेखी लोगों के स्वास्थ्य से जुड़ा गंभीर विषय है। सरकार इस मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं करेगी। मुख्यमंत्री ने खाद्य सुरक्षा विभाग को मिठाई की दुकानों, डेयरियों और खाद्य निर्माण इकाइयों की नियमित जांच करने तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल अनियमितताओं पर कार्रवाई करना नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था विकसित करना है, जिससे दिल्लीवासियों को पूरे वर्ष और विशेष रूप से त्योहारों के दौरान भरोसेमंद एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध हो सके। जनस्वास्थ्य की रक्षा और उपभोक्ताओं का विश्वास बनाए रखना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के खिलाफ याचिका खारिज

नई दिल्ली। राऊज एवेन्यू कोर्ट ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम में सरकारी अधिकारियों को कथित रूप से हनुमान की संज्ञा वाली टिप्पणी को लेकर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के खिलाफ शिकायत दर्ज करने की मांग करने वाली याचिका खारिज कर दी है। एडिशनल चीफ जुडिशियल मजिस्ट्रेट अश्विनी पंवार ने याचिका खारिज करने का आदेश दिया। कोर्ट ने 29 अक्टूबर को फैसला सुरक्षित रख लिया था। याचिका रामनिवास शर्मा ने दायर की थी। सुनवाई को दौरान याचिकाकर्ता के वकील संजीत कुमार ने कहा था कि 23 सितंबर को कश्मीरी गेट बस अड्डे पर दिल्ली से उत्तर प्रदेश के बड़ौत तक जाने के लिए डीटीसी के अंतरराज्यीय बस सेवा के लांच होने के मौके पर रेखा गुप्ता ने दिल्ली सरकार के अधिकारियों और कर्मचारियों को हनुमान की संज्ञा दी। संजीत कुमार ने कहा था कि रेखा गुप्ता ने सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों के बारे में कहा कि ये हनुमान तभी कड़ी मेहनत करते हैं जब उनके पूंछ में आग लगती है। इस मौके पर बड़ी संख्या में दिल्ली सरकार के अधिकारी और कर्मचारियों के अलावा आम जनता भी उपस्थित थी।

एक नजर

पटाखा मुक्त दिवाली मनाने के लिए विद्यार्थियों को किया जागरूक, निकाली रैली

नूंह। दीपावली के पर्व को स्वच्छ, सुरक्षित और प्रदूषण मुक्त बनाने के उद्देश्य से हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय कार्यालय नूंह की ओर से राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खेड़ला में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को पटाखों से होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के लिए जागरूकता रैली भी निकाली गई। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को बताया गया कि पटाखों से निकलने वाला जहरीला धुआं वायु प्रदूषण को बढ़ाता है, जिससे लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। विशेषकर बच्चों, बुजुर्गों और सांस संबंधी बीमारियों से पीड़ित लोगों को इससे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा पटाखों से होने वाला तेज शोर ध्वनि प्रदूषण बढ़ाने के साथ ही पशु-पक्षियों के लिए भी नुकसानदायक होता है। विद्यार्थियों से आह्वान किया गया कि वे इस दीपावली पटाखों से दूरी बनाते हुए मिट्टी के दीये जलाकर त्योहार मनाएं और पर्यावरण संरक्षण में अपनी भागीदारी निभाएं। उन्हें प्रेरित किया गया कि वे पटाखा मुक्त दिवाली का संदेश अपने परिवार, माता-पिता और आसपास के लोगों तक भी पहुंचाएं। जागरूकता रैली के माध्यम से विद्यार्थियों ने लोगों को स्वच्छ, सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल दीपावली मनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना और उन्हें समाज में जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित करना रहा।

नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में चार आरोपियों को सुनाई सजा

गुरुग्राम। नाबालिग बच्ची के साथ दुष्कर्म के मामले में अदालत ने चार आरोपियों को दोषी करार देते हुए सजा सुनाई है। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने शुक्रवार को बताया कि एडिशनल सेशन जज डॉ. सुनीता ग्रोवर की अदालत ने तीन आरोपियों को 20-20 वर्ष के कठोर कारावास और एक आरोपी को पांच वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। पुलिस के अनुसार, 18 नवंबर 2021 को एक महिला ने थाना महिला मानेसर में शिकायत दी थी कि 17 नवंबर 2021 को उसकी नाबालिग बच्ची के साथ चार लडक़ों ने नाहरपुर, गुरुग्राम स्थित एक कमरे में दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। शिकायत के आधार पर थाना महिला मानेसर में मामला दर्ज किया गया था। जांच के दौरान इसमें आईपीसी की धारा 376(डी) व 365/34 भी जोड़ी गई। पुलिस ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए वारदात में शामिल चारों आरोपियों को गिरफ्तार किया था। आरोपियों की पहचान पवन, आदेश, अतुल निवासी कुंजपुरा, जिला फिरोजाबाद (उत्तर प्रदेश) तथा अनमोल निवासी नंगला लेखराज, जिला फिरोजाबाद (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई थी। पुलिस टीम ने मामले का गहनता से अनुसंधान करते हुए आरोपियों के विरुद्ध सभी आवश्यक साक्ष्य एवं गवाह एकत्रित किए और नियमानुसार चालान अदालत में पेश किया। अदालत ने पुलिस की प्रभावी पैरवी तथा प्रस्तुत ठोस साक्ष्यों एवं गवाहों के आधार पर चारों आरोपियों को दोषी करार दिया। अदालत ने आरोपी पवन व अतुल को पोक्सो एक्ट की धारा छह के तहत 20-20 वर्ष के कठोर कारावास एवं 30-30 हजार रुपये जुर्माने तथा आईपीसी की धारा 365/34 के तहत 5-5 वर्ष के कठोर कारावास एवं 10-10 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। आरोपी आदेश को पोक्सो एक्ट की धारा छह के तहत 20 वर्ष के कठोर कारावास एवं 30 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। आरोपी अनमोल को आईपीसी की धारा 365/34 के तहत पांच वर्ष के कठोर कारावास एवं 10 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई गई।

गुरुग्राम में अवैध पटाखों की बिक्री पर 41 से अधिक एफआईआर दर्ज

गुरुग्राम। अवैध पटाखों की बिक्री पर रोक लगाने और वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए जिला प्रशासन की ओर से बीते दो दिनों में सख्त कार्रवाई की गई। शुक्रवार को भी जिले के सभी एसडीएम ने बीते दो दिनों में अपने-अपने क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाते हुए ग्रीन पटाखों की निर्धारित श्रेणी से बाहर के पटाखों की बिक्री करने वालों तथा निर्धारित स्थानों के अलावा अन्य जगहों पर पटाखे बेचने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। इस अभियान के तहत अब तक 41 से अधिक एफआईआर दर्ज की जा चुकी हैं तथा कई क्विंटल पटाखे जब्त किए गए हैं। बादशाहपुर, पटौदी रोड क्षेत्र, मानेसर, फर्रुखनगर और सोहना सहित विभिन्न क्षेत्रों में प्रशासनिक टीमों ने निरीक्षण कर नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की है। उपायुक्त उत्तम सिंह ने बताया कि जिले में पटाखों की अवैध बिक्री और प्रतिबंधित श्रेणी के पटाखों के भंडारण एवं उपयोग को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिला के सभी एसडीएम को निर्देश दिए गए थे कि अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखें और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने बताया कि वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के दिशा-निर्देशों की अनुपालना सुनिश्चित करने के लिए भी जिला प्रशासन द्वारा निगरानी की जा रही है। आदेशों के तहत वर्क फ्रॉम होम के निर्धारित नियमों का उल्लंघन करने वाले संस्थानों एवं संबंधित इकाइयों को नोटिस जारी किए गए हैं। प्रशासन द्वारा संबंधित निर्देशों की पालना सुनिश्चित करने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है।

गुरुग्रामः तिघरा में चौपाल कार्यक्रम में कांग्रेस ने वोट बचाओ देश बचाओ अभियान को दी धार

गुरुग्राम,एजेंसी। वोट बचाओ देश बचाओ अभियान के तहत कांग्रेस की ओर से शुक्रवार को चौपाल अभियान कार्यक्रम गांव तिघरा में किया गया। कांग्रेस के जिला अध्यक्ष (शहरी) पंकज डावर व पूर्व मंत्री सुखबीर कटारिया ने ग्रामीणों को भाजपा की निम्न स्तर की राजनीति और देश में वोट प्रक्रिया पर सवाल खड़े करते हुए चुनाव आयोग को भी कटघरे में खड़ा किया। साथ ही भाजपा सरकार द्वारा लोकतंत्र को खतरा बताकर खुद ही सडक़ पर उतरने की निंदा की और उसे नाटक करार दिया। तिघरा के मौजिज व्यक्ति एवं समाजसेवी अंतराम तंवर की अध्यक्षता में बैठक (चौपाल) यह कार्यक्रम आयोजित किया गया।



इस चौपाल कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे। नेताओं ने ग्रामीणों के बीच बैठकर उनसे सीधा संवाद किया और वोटर लिस्ट में गड़बड़ी, वोट चोरी और लोकतंत्र को कमजोर करने के मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर कांग्रेस के जिला अध्यक्ष (शहरी) पंकज डावर ने चौपाल में कहा कि आज देश में वोट की ताकत को कमजोर करने की सबसे बड़ी साजिश चल रही है। वोट ही आम आदमी की सबसे बड़ी ताकत है। जब उसी वोट पर डाका डाला जाएगा तो लोकतंत्र कैसे बचेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने पिछले 11 साल में देश को सिर्फ जुमलों, झूठ और प्रचार के सहारे चलाया है। नौकरी नहीं, महंगाई पर लगाम नहीं, किसानों को एमएसपी नहीं, युवाओं को रोजगार नहीं, लेकिन वोट चोरी के नए-नए तरीके जरूर खोज लिए गए हैं। डावर ने कहा कि हरियाणा में भी हमने देखा कि कैसे वोटर लिस्ट से नाम काटे गए, कैसे फर्जी वोटर जोड़े गए और कैसे चुनाव के समय प्रशासन का दुरुपयोग किया गया। गांव-गांव में लोग बता रहे हैं कि उनके परिवार के मृतकों के नाम पर भी वोट डल गए, लेकिन जिंदा लोगों के नाम लिस्ट से गायब हो गए। यह कोई संयोग नहीं है, यह सोची-समझी साजिश है। वोटर लिस्ट से विपक्ष के नेताओं के नाम भी काटे गए हैं। पूर्व मंत्री सुखबीर कटारिया ने चौपाल में कहा कि देश में आज एक अजीब तमाशा चल रहा है। जिस पार्टी की सरकार हो और वह लोकतंत्र बचाने के लिए सडक़ों पर उतरने का नाटक करे तो यह समझ जाना चाहिए कि उसी पार्टी की सरकार ने लोकतंत्र को ना केवल कमजोर किया है, बल्कि खतरे में डाला है।

ट्रांसपोर्ट की गाड़ी से आईफोन चोरी करने के मामले में चालक सहित दो काबू

गुरुग्राम। ट्रांसपोर्ट की सील बंद गाड़ी से 32 आईफोन चोरी करने के मामले में अपराध शाखा फर्रुखनगर की पुलिस टीम ने गाड़ी के चालक सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने शुक्रवार को बताया कि आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए सभी 32 आईफोन, वारदात में प्रयोग किया गया कैंटर और एक प्लास बरामद किया गया है। आरोपियों की पहचान अमित पांडे (उम्र-30 वर्ष) निवासी डबुआ कॉलोनी, फरीदाबाद व कार्तिकेय श्रीवास्तव उर्फ कार्तिक (उम्र-32 वर्ष) निवासी सत्य नगर, रायबरेली, उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है। आरोपी अमित पांडे को दो नवंबर को गांव पाली, फरीदाबाद से गिरफ्तार किया गया, जबकि कार्तिकेय को पांच नवंबर को लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से गिरफ्तार किया गया। अमित को अदालत में पेश कर चार दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

पुलिस के अनुसार, 29 अक्टूबर 2026 को एक व्यक्ति ने थाना फर्रुखनगर में शिकायत दी थी कि श्रीजी फ्रेट कैरियर द्वारा रिलायंस रिटेल लिमिटेड, फर्रुखनगर से कुल 206 कार्टून सामान एक सील बंद गाड़ी के माध्यम से चौड़वार, कटक (उड़ीसा) भेजे गए थे। गाड़ी को चालक अमित पांडे चला रहा था। गंतव्य स्थान पर पहुंचने पर गाड़ी की सील सही सलामत मिली, लेकिन सामान की जांच करने पर 32 कार्टून में से वास्तविक मोबाइल फोन गायब मिले, जबकि उनके खाली बॉक्स व कवर कार्टून में मौजूद थे। इस प्रकार आरोपियों ने करीब 45 लाख रुपये कीमत के मोबाइल फोन चोरी किए थे।

नूंह जिले में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए बनाए 16 क्लस्टर समूह

नूंह,एजेंसी। किसानों की आमदनी बढ़ाने, खेती की लागत कम करने और कृषि को पर्यावरण अनुकूल बनाने के उद्देश्य से कृषि विभाग की ओर से जिले में जैविक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके तहत परम्परागत कृषि विकास योजना के अंतर्गत जिले में 16 क्लस्टर समूहों का गठन किया गया है। इन समूहों के माध्यम से किसानों को सामूहिक रूप से जैविक खेती अपनाने और अपने उत्पादों का प्रमाणीकरण करवाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। जिला कृषि उपनिदेशक अनिल कुमार ने शुक्रवार को बताया कि योजना के तहत प्रत्येक क्लस्टर समूह में 20 हेक्टेयर यानी करीब 50 एकड़ क्षेत्र शामिल किया गया है। इस प्रकार जिले में कुल 16 क्लस्टर समूह बनाए गए हैं। इनका मुख्य उद्देश्य जैविक खेती को बढ़ावा देने के साथ-साथ किसानों के उत्पादों की गुणवत्ता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करना है।

उन्होंने बताया कि क्लस्टर समूहों से जुड़े किसान पीजीएस-इंडिया (सहभागितापूर्ण गारंटी प्रणाली) पोर्टल पर अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। निर्धारित प्रक्रिया पूरी करने के बाद संबंधित समूह को जैविक प्रमाणीकरण प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा। इससे किसान अपने उत्पादों को प्रमाणित जैविक उत्पाद के रूप में बाजार में बेच सकेंगे।

प्रमाण पत्र मिलने से उत्पादों की पहचान और विश्वसनीयता बढ़ेगी तथा किसानों को बेहतर बाजार मूल्य मिलने की संभावनाएं भी मजबूत होंगी। अनिल कुमार ने बताया कि जैविक खेती के साथ-साथ सरकार दलहन उत्पादन में देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी विशेष प्रयास कर रही है। इसी उद्देश्य से 'आत्मनिर्भरता इन पल्सेज' योजना शुरू की गई है। योजना के तहत जिले के किसानों को चने के बीज मिनीकिट वितरित किए गए हैं, ताकि वे दलहन की खेती को अपनाएं और इसके उत्पादन में वृद्धि कर सकें। उन्होंने कहा कि चना एक महत्वपूर्ण दलहनी फसल है, जो किसानों की आमदनी बढ़ाने के साथ मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने में भी सहायक है। चने की जड़ों में मौजूद राइजोबियम जीवाणु वायुमंडलीय नाइट्रोजन को मिट्टी में उपलब्ध कराने में मदद करते हैं। इससे भूमि की उर्वरता में सुधार होता है और खेती की टिकाऊ पद्धतियों को बढ़ावा मिलता है।

गाजियाबाद में एसआईआर को लेकर जिला प्रशासन सख्त

अशोक कुमार, सद्भावना टुडे

गाजियाबाद। विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों के तहत मतदाता सूची पुनरीक्षण और वल्नरेबिलिटी मैपिंग को लेकर जिला प्रशासन ने सख्ती शुरू कर दी है। जिला निर्वाचन अधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ की अध्यक्षता में सेक्टर अधिकारियों की प्रशिक्षण-सह-ब्रीफिंग बैठक हुई। इसमें प्रशिक्षण से अनुपस्थित रहने और देरी से पहुंचने वाले अधिकारियों के खिलाफ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि निर्वाचन संबंधी कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक सेक्टर अधिकारी अपने क्षेत्र के मतदान केंद्रों और मतदेय स्थलों की भौतिक स्थिति का सत्यापन करें।

मतदान केंद्रों तक पहुंचने वाले मुख्य और वैकल्पिक मार्गों की जांच कर रूट चार्ट तैयार करें। मतदान केंद्रों पर पेयजल, शौचालय सहित अन्य न्यूनतम आवश्यक सुविधाओं (एएमएफ) की उपलब्धता भी सुनिश्चित कराएं। कमियां मिलने पर संबंधित निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) के माध्यम से जिला निर्वाचन कार्यालय को रिपोर्ट दें। सेक्टर अधिकारियों को अपने अधीन लगभग 11 से 12 बीएलओ के काम की नियमित निगरानी करने के निर्देश दिए गए। बीएलओ के माध्यम से घर-घर



सर्वे कराकर पात्र मतदाताओं के नाम जुड़वाने के लिए फॉर्म-6 भरवाया जाएगा। छूटे हुए मतदाताओं को चिह्नित करने के साथ मतदाता सूची में दर्ज नामों का सत्यापन भी कराया जाएगा। लापरवाही करने वाले बीएलओ के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

सेक्टर अधिकारियों को पुलिस अधिकारियों के साथ संयुक्त भ्रमण कर संवेदनशील गांवों, मोहल्लों और मतदाता समूहों की पहचान करने को कहा। ऐसे व्यक्तियों और कारकों को चिह्नित किया जाएगा, जिनसे मतदाताओं पर भय, दबाव या अनुचित प्रभाव डालने की आशंका हो। इसकी रिपोर्ट निर्धारित प्रारूप में तैयार कर प्रशासन को उपलब्ध करानी होगी। सेक्टर अधिकारियों और सुपरवाइजर को दैनिक डायरी तैयार करने के निर्देश दिए गए। इसमें बीएलओ के घर-घर भ्रमण, मतदाताओं से संपर्क, क्रॉस वेरिफिकेशन और क्षेत्रीय निरीक्षण का ब्योरा दर्ज होगा। ईआरओ इन डायरियों की नियमित जांच करेंगे। बैठक में अधिकारियों को इलेक्टोरल सर्च पोर्टल और संबंधित एप के माध्यम से मतदाता सूची में नाम खोजने का प्रशिक्षण भी दिया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि पुनरीक्षण के दौरान कोई भी पात्र मतदाता सूची में नाम जुड़वाने से वंचित नहीं रहना चाहिए।

फरीदाबादः 33 एंबुलेंसों के पेट्रोल-डीजल पर प्रतिवर्ष खर्च होते है 55 लाख : डा. जयंत आहूजा

फरीदाबाद,एजेंसी। फरीदाबाद में बीके अस्पताल के 50 लाख रूपए के कथित डीजल घोटाले की जांच रिपोर्ट अभी सार्वजनिक नही हुई है, लेकिन इससे पहले ही सीएमओ डॉ. जयंत आहूजा का पक्ष सामने आया है। उन्होंने घोटाले के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि 50 लाख रुपए के गबन की बात पूरी तरह गलत है। मीडिया में काल्पनिक आंकड़े पेश किए जा रहे हैं, जबकि वास्तविकता में मामला इतनी बड़ी रकम का नहीं है। सीएमओ ने आरोप लगाया कि विपक्षी पार्टियों ने इस मामले को बेवजह राजनीतिक रंग दिया है।



विपक्ष का मकसद स्वास्थ्य विभाग और भाजपा सरकार की छवि खराब करना है। उन्होंने कहा कि बिना तथ्यों की पूरी जानकारी के 50 लाख रुपए के गबन का दावा करना गलत है और मामले को राजनीतिक मुद्दा बनाया जा रहा है। डॉ. आहूजा ने अपने दावे के समर्थन में एंबुलेंस के खर्च का आंकड़ा भी सामने रखा। उन्होंने बताया कि बीके अस्पताल के पास कुल 33 एंबुलेंस हैं, जिनके पेट्रोल-डीजल पर सालाना करीब 55 लाख रुपए खर्च होते हैं। ऐसे में 50 लाख रुपए के गबन का दावा करना पूरी तरह गलत है। उन्होंने कहा कि वास्तविक राशि इससे काफी कम है। सीएमओ ने बताया कि स्टेट फाइनेंशियल डिपार्टमेंट की ओर से मामले का ऑडिट कराया जा रहा है। स्टेट हेडक्वार्टर की टीम अस्पताल से एंबुलेंस की लॉगबुक, रिपेयर का डाटा और अन्य जरूरी रिकॉर्ड अपने साथ ले जा चुकी है। जांच में जो भी अधिकारी या कर्मचारी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल इस मामले की जांच रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं हुई है। सीएमओ ने भले ही 50 लाख रुपए के घोटाले के आरोपों को खारिज कर दिया हो, लेकिन वास्तविक वित्तीय गड़बड़ी कितनी है, इसका खुलासा ऑडिट रिपोर्ट आने के बाद ही होगा। ऐसे में अब सवाल है कि 50 लाख के कथित घोटाले का आंकड़ा कहां से आया और जांच में कितनी रकम की गड़बड़ी सामने आती है।

नोएडा बिजली चोरी मामले में बड़ी कार्रवाई दो सेवानिवृत्त जेई और लाइनमैन गिरफ्तार

नोएडा। डूब क्षेत्र में बिजली चोरी के मामले में पुलिस अधिकारियों पर गिरी गाज के बाद अब कार्रवाई तेज हो गई है। पुलिस ने मामले में जांच करते हुए दो सेवानिवृत्त जेई (अवर अभियंता) समेत लाइनमेन के रूप में पहली गिरफ्तारी की है, जांच जारी है। ऐसे के निगम की ओर से जांच में सहयोग नहीं मिलने और मामले की जांच एसआइटी (विशेष जांच दल) से कराने की चर्चाएं हों रहीं। पुलिस और बिजली निगम से जांच सहयोग और एसआइटी जांच से संबंधित चर्चाओं पर चुप्पी साधे रखी। हरनंदी के डूब क्षेत्र की छिजारसी कालोनी में 13 हजार अवैध कनेक्शन का मामला सीएम योगी आदित्यनाथ के सामने आया। उसके बाद ताबड़तोड़ कार्रवाई हुई। बता दें डूब क्षेत्र में बिजली चोरी का मामला सामने आने के बाद सेक्टर-63 थाना में तीन जेई समेत 23 लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा हुआ। मुकदमे में आगे कार्रवाई नहीं होने पर एसीपी को हटाते हुए थाना प्रभारी को निलंबित किया गया।

धनतेरस पर नूंह के बाजारों में उमड़ी खरीदारों की भीड़, दीपावली की रौनक से गुलजार हुए बाजार



नूंह,एजेंसी। दीपावली पर्व को लेकर नूंह शहर के बाजारों में रौनक छाने लगी है। पांच दिवसीय दीपोत्सव की शुरुआत के साथ ही बाजार रंग-बिरंगी रोशनी और आकर्षक सजावट से जगमगा उठे हैं। धनतेरस के अवसर पर शुक्रवार को शहर के बाजारों में खरीदारों की अच्छी-खासी भीड़ देखने को मिली। सुबह से ही लोग खरीदारी के लिए बाजारों में पहुंचने लगे और देर तक खरीदारी का सिलसिला जारी रहा।

दीपावली के त्योहार को लेकर दुकानदारों ने भी अपनी दुकानों को आकर्षक ढंग से सजाया हुआ है। बाजारों में रंग-बिरंगी लाइटें, सजावटी सामान और त्योहार से जुड़ी वस्तुएं लोगों को आकर्षित कर रही हैं। धनतेरस के शुभ अवसर पर लोगों ने अपनी पसंद और जरूरत के अनुसार खरीदारी की।

त्योहारी सीजन के चलते बाजारों में बढ़ी चहल-पहल से दुकानदारों के चेहरे भी खिले नजर आए। दीपावली को लेकर बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में उत्साह दिखाई दे रहा है। शहर के मुख्य बाजारों में दिनभर लोगों की आवाजाही बनी रही। कुल मिलाकर धनतेरस के साथ ही नूंह में दीपावली का उत्साह और बाजारों की रौनक अपने चरम पर पहुंचने लगी है।

रंजिश में गांव कारौला में युवक की हत्या के मामले में 11वां आरोपी गिरफ्तार

गुरुग्राम। गांव कारौला में रंजिश के कारण हुई सागर की हत्या के मामले में अपराध शाखा फर्रूखनगर की पुलिस टीम ने 11वें आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान राहुल सेहरावत (उम्र-20 वर्ष) निवासी गांव भैंसरु जिला रोहतक, हाल निवासी प्रगति नगर, सोनीपत के रूप में हुई है। आरोपी को गुरुग्राम रोड बाईपास, झज्जर से 4 नवंबर को गिरफ्तार किया गया।

अदालत में पेश कर उसे एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। आरोपी के कब्जे से वारदात में प्रयोग की गई एक थार गाड़ी बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार, छह अगस्त 2026 को थाना फर्रूखनगर में गांव कारौला में मारपीट व गोली चलने की सूचना मिली थी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो पता चला कि घायलों को अस्पताल ले जाया गया है। अस्पताल में सागर की गोली लगने से मौत हो गई थी, वहीं एक अन्य व्यक्ति घायल हुआ था। घायल शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि तीन अगस्त 2026 को वह अपने भाई होशियार के साथ अपनी रेंटल की दुकान पर बैठा था। इसी दौरान गांव का सचेत नामक व्यक्ति वहां आया और कहासुनी हो गई। इसके बाद सचेत ने अपने साथियों के साथ मिलकर उसके परिजनों के साथ मारपीट की। छह अगस्त को उसका दूसरा भाई सागर, जो बेंगलुरु में काम करता था, पटौदी बस स्टैंड पर आया था। शिकायतकर्ता उसे लेकर घर जा रहा था। रास्ते में कुछ कार सवार व्यक्तियों ने उनका पीछा किया। घर के अंदर पहुंचते ही हथियारों से लैस व्यक्ति घर में घुस आए और मारपीट करने लगे। इसी दौरान जान से मारने की नीयत से गोली चला दी, जो सागर को लगी। अस्पताल में डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शिकायत पर थाना फर्रूखनगर में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। इस मामले में पुलिस ने आठ अगस्त 2026 को आजादगढ़, रोहतक से नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया था।

पुराने नोट व सिक्कों के नाम पर ठगी करने वाले दो गिरफ्तार

नूंह,एजेंसी। जिले में साइबर अपराध पर अंकुश लगाने के लिए नूंह साइबर क्राइम पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों पर फर्जी सिम कार्ड, फर्जी व्हाट्सएप अकाउंट और बैंक खातों का इस्तेमाल कर साइबर ठगी करने में संलिप्त होने का आरोप है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से मोबाइल फोन, फर्जी एक्टिवेटेड सिम कार्ड और अन्य तकनीकी साक्ष्य बरामद किए हैं।

पुलिस प्रवक्ता ने शुक्रवार को बताया कि जिले में साइबर अपराधियों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत पुलिस टीमों ने अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को काबू किया। पहली कार्रवाई में सीएस स्टाफ फिरोजपुर झिरका की टीम ने बड़कली चौक के पास से सोयब निवासी दोरखी, थाना फिरोजपुर झिरका को गिरफ्तार किया। पुलिस को सूचना मिली थी कि आरोपी अपनी असली पहचान छिपाकर फर्जी एक्टिवेटेड सिम और मोबाइल फोन के माध्यम से पुराने करेंसी नोट एवं सिक्कों की खरीद-बिक्री के नाम पर लोगों के साथ ऑनलाइन ठगी करता है। सूचना के आधार पर



पुलिस टीम ने बड़कली चौक से नूंह की तरफ यूरिया पंप के सामने सड़क पर छापेमारी की। तलाशी के दौरान आरोपी के पास से एक नीले रंग का मोबाइल फोन मिला, जिसमें राज ग्यानी और विक्रम राठौड़ के नाम से चार अलग-अलग व्हाट्सएप एवं व्हाट्सएप बिजनेस अकाउंट लॉगिन पाए गए। इसके अलावा एक आईफोन भी बरामद हुआ, जिसमें सोयब हरियाणवी के नाम से व्हाट्सएप, गूगल पे और एफएम ऐप वॉलेट लॉगिन मिला। पुलिस के अनुसार, मोबाइल की गैलरी और व्हाट्सएप चैट में पुराने नोटों एवं सिक्कों की खरीद-बिक्री के नाम पर संदिग्ध बातचीत और तस्वीरों के स्क्रीनशॉट भी मिले। पूछताछ में आरोपी दोनों सिम कार्डों के संबंध में संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया। जांच में एक सिम राजस्थान के जालौर निवासी प्रवीन और दूसरी दोरखी निवासी सकूनत के नाम पर पंजीकृत मिली। वहीं, दूसरी कार्रवाई में सीएस पीओ स्टाफ पुन्हाना की टीम ने सलमान निवासी बीसरू, थाना बिछौर को होडल-पुन्हाना रोड से दल्लाबास जाने वाले कच्चे रास्ते से गिरफ्तार किया। पुलिस को सूचना मिली थी कि आरोपी साइबर ठगों को फर्जी सिम कार्ड उपलब्ध कराने के साथ अपने बैंक खाते में साइबर ठगी की रकम मंगवाकर कमीशन के बदले नकदी निकालता है। पुलिस ने आरोपी की तलाशी ली तो उसके पास से दो सिम लगे एक मोबाइल फोन के अलावा मोबाइल कवर में छिपाकर रखा गया एक फर्जी एक्टिवेटेड सिम कार्ड बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपी ने कथित तौर पर स्वीकार किया कि वह अपने कोटक महिंद्रा बैंक खाते में साइबर ठगी की रकम मंगवाकर कमीशन पर निकालता था। साइबर पुलिस पोर्टल पर खाते की जांच करने पर हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और उत्तराखंड से संबंधित आठ साइबर ठगी की शिकायतें दर्ज मिलीं।

बच्चों की सुरक्षा हमारी सामूहिक जिम्मेदारी

डॉ. अर्चना शर्मा



आज बच्चों की सुरक्षा का प्रश्न घर की चारदीवारी से लेकर स्कूल, सड़क, सार्वजनिक स्थान और डिजिटल दुनिया तक फैला हुआ है। आज बाल सुरक्षा का अर्थ केवल बच्चों को शारीरिक शोषण से बचाना नहीं, बल्कि उन्हें भावनात्मक, सामाजिक और डिजिटल दुनिया में भी सुरक्षित वातावरण देना है। भारत में बच्चों की सुरक्षा के सामने कई तरह की चुनौतियां हैं। शारीरिक और यौन शोषण, बाल श्रम, बाल विवाह, मानव तस्करी, ऑनलाइन उत्पीड़न, साइबर बुलिंग, असुरक्षित परिवहन तथा मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं बच्चों के अधिकारों और विकास को प्रभावित करती हैं। भारत में बच्चों की सुरक्षा के लिए कई कानूनी और संस्थागत व्यवस्थाएं मौजूद हैं। बाल यौन अपराधों से संरक्षण अधिनियम यानी पॉक्सो, 2012 बच्चों के विरुद्ध यौन अपराधों को रोकने और उनसे जुड़े मामलों में कार्रवाई का कानूनी आधार प्रदान करता है। किशोर न्याय, बालकों की देखरेख और संरक्षण, अधिनियम, 2015 कानून से संघर्षरत बच्चों और देखरेख की जरूरत वाले बच्चों के संरक्षण, पुनर्वास तथा पुन:समाजीकरण की व्यवस्था करता है। वहीं, मिशन वात्सल्य बच्चों की देखभाल और संरक्षण से जुड़ी सेवाओं को मजबूत करने का प्रयास है। इसके अंतर्गत चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, 24 घंटे संकट में फंसे बच्चों तक सहायता पहुंचाने के लिए संचालित है और आपातकालीन सेवा 112 से एकीकृत है। सरकार ने 2025 में मिशन वात्सल्य पोर्टल को भी उन्नत किया, ताकि बाल संरक्षण से जुड़े विभिन्न विभागों के बीच समन्वय बेहतर हो सके।

लेकिन कानून और योजनाएं तभी प्रभावी होती हैं, जब वे जमीन पर बच्चों तक पहुंचें। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के 2022 के आंकड़ों के अनुसार, देश में बच्चों के विरुद्ध अपराध के 1,62,449 मामले दर्ज हुए। यह संख्या केवल कानूनी चुनौती नहीं, बल्कि सुरक्षा, जागरूकता और समय पर सहायता की आवश्यकता को भी रेखांकित करती है। बच्चों के साथ होने वाले अपराधों की रोकथाम के साथ-साथ उन परिस्थितियों को समझना भी जरूरी है, जिनमें बच्चे स्वयं हिंसक व्यवहार की ओर बढ़ते दिखाई देते हैं। हाल के वर्षों में स्कूलों और सार्वजनिक स्थानों पर कम उम्र के बच्चों के बीच मारपीट, धमकी, समूह में किसी बच्चे को निशाना बनाना और आक्रामक व्यवहार की खबरें चिंता पैदा करती हैं। हालांकि, ऐसी घटनाओं के आधार पर यह निष्कर्ष निकालना उचित नहीं कि 13 वर्ष से कम उम्र के सभी बच्चों में हिंसा बढ़ रही है। इसके लिए आयु-विशिष्ट और तुलनात्मक राष्ट्रीय आंकड़ों की जरूरत है। फिर भी, किसी बच्चे का बार-बार हिंसक होना एक चेतावनी है, जिसे केवल अनुशासनहीनता कहकर अनदेखा नहीं किया जा सकता। उसके पीछे उपेक्षा, घरेलू तनाव, बुलिंग, भावनात्मक कठिनाई, एकल परिवार, हिंसक सामग्री का संपर्क या साथियों का दबाव जैसे अनेक कारण हो सकते हैं। मीडिया और ऑनलाइन गेमिंग की भूमिका पर भी संतुलित दृष्टि आवश्यक है। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार, एकल परिवारों में माता-पिता बच्चों को ज्यादा समय नहीं दे पाते हैं। अक्सर बच्चे टीवी और मोबाइल पर अपना समय व्यतीत करते हैं। परंतु ये दोनों ही गतिविधियां कई बार माता-पिता की निगरानी के बिना होती हैं। टीवी और डिजिटल मीडिया बच्चों को कुछ नया सीखने, रचनात्मकता और मनोरंजन के अवसर देते हैं, लेकिन बिना निगरानी के हिंसक सामग्री, अपमानजनक भाषा और आक्रामक व्यवहार के लगातार संपर्क में रहना चिंता का विषय हो सकता है। यदि कोई बच्चा गेम में बार-बार हिंसा को समस्या सुलझाने का तरीका देखता है और फिर वास्तविक जीवन में किसी विवाद के दौरान उसी तरह प्रतिक्रिया करता है, तो अभिभावकों और शिक्षकों को उसके व्यवहार पर ध्यान देना चाहिए। लेकिन केवल गेम पर प्रतिबंध लगा देना पर्याप्त नहीं है। बच्चे को यह समझाना भी जरूरी है कि डिजिटल दुनिया में दिखाई देने वाली हिंसा वास्तविक जीवन में स्वीकार्य नहीं है। उम्र के अनुरूप सामग्री, स्क्रीन टाइम की सीमाएं, ऑनलाइन मित्रों और चैट की निगरानी तथा खुले संवाद से जोखिम कम किया जा सकता है। इस जिम्मेदारी का पहला केंद्र परिवार है। माता-पिता बच्चों के लिए केवल नियम बनाने वाले नहीं, बल्कि उनके व्यवहार के सबसे महत्वपूर्ण उदाहरण भी हैं। घर में गाली-गलौज, अपमान, मारपीट या हर समस्या का समाधान गुस्से से करने का तरीका बच्चों पर असर डाल सकता है। बच्चे को सुनना, उसकी भावनाओं को पहचानना, गलती पर शांतिपूर्वक समझाना और हिंसा के बजाय संवाद का रास्ता दिखाना जरूरी है। यदि बच्चा लगातार चिड़चिड़ा, भयभीत, अलग-थलग या आक्रामक हो रहा है, तो उसे दंडित करने से पहले कारण समझने और आवश्यकता पड़ने पर परामर्श लेने की जरूरत है। स्कूलों और समाज की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। विद्यालयों में बुलिंग-विरोधी स्पष्ट नीति, संवेदनशील शिक्षक, भरोसेमंद शिकायत व्यवस्था और काउंसलिंग की सुविधा होनी चाहिए। पड़ोस, खेल समूह, मीडिया संस्थान और डिजिटल प्लेटफॉर्म बच्चों के प्रति जिम्मेदार व्यवहार को बढ़ावा दें। किसी बच्चे के साथ दुर्व्यवहार या हिंसा की घटना को 'बच्चों की आपसी बात' कहकर टालना गलत है। बच्चे को सुरक्षित तरीके से बोलने का अवसर देना और उसकी शिकायत को गंभीरता से लेना समाज का दायित्व है। यह समझना आवश्यक है कि बाल सुरक्षा का अर्थ केवल किसी घटना के बाद कार्रवाई करना नहीं, बल्कि ऐसे वातावरण का निर्माण करना है, जहां जोखिमों को पहले पहचाना जाए, बच्चों की बात सुनी जाए और उन्हें सहायता मांगने का भरोसा मिले।

दीपावली जैन तीर्थंकर भगवान महावीर के निर्वाण की स्मृति से भी जुड़ी है। कहते हैं इसी दिन गौतम बुद्ध ज्ञान प्राप्त कर कपिलवस्तु लौटे थे और उनके अनुयायियों ने दीपोत्सव मनाया था। तभी महात्मा बुद्ध ने 'अप्प दीपो भव' अर्थात् अपना प्रकाश स्वयं बनो का उपदेश भी दिया था। यह मान्यता भी है कि सम्राट अशोक ने युद्ध छोड़कर बौद्ध धर्म अपनाया था। सिख धर्मावलंबी इसी दिन बंदी छोड़ दिवस या मुक्ति दिवस मनाते हैं। छठे गुरु हरगोविंद सिंह जी इसी दिन जहांगीर की क़ैद से मुक्त हुए और बावन राजाओं को भी मुक्त कराया था। फिर वे स्वर्ण मंदिर हरमिंदर साहब, अमृतसर पहुंचे थे। तब वहाँ दीपावली मनाई गई थी। काल-प्रवाह में दीपावली मनाने का रंग-रूप बदलता गया है। अब मिट्टी के दिए की जगह बिजली के नाना प्रकार के बल्बों और प्रस्तुतियों ने ले ली है। दुर्गा पूजा की ही तरह लक्ष्मी-पूजा के पंडाल भी सजने लगे हैं। अब दिए काफ़ी नहीं हैं, उनमें तेज शोर करने वाले पटाखे जुड़ गए हैं। वैभव का प्रदर्शन या कहें धन का विज्ञापन, ख़ास हो रहा है। अपनी ख़ुशी का यह इजहार वायु-प्रदूषण और ध्वनि-प्रदूषण का बड़ा कारण हो रहा है। इससे स्वास्थ्य के लिए जोखिम बढ़ रहा है और इन पर नियंत्रण करने की कोशिश की जा रही है। दिए के साथ अमावस की काली रात को नकारने के विनम्र संकल्प के साथ यह जन-जन का त्योहार मनुष्य की जिजीविषा को व्यक्त करता है। यह प्रकाश को गरिमा देने के साथ-साथ ख़ुद को सबके बीच स्थापित करने का भी अवसर उपलब्ध कराता है।

ज्योतित हो जन-मन जग सारा

दीपावली के अवसर पर विशेष

गिरीश्वर मिश्र



कार्तिक का महीना पारंपरिक भारत में उत्सवों का महीना है और कृषि कार्यों की दृष्टि से भी ख़ास है। लोक प्रसिद्धि है कि कार्तिक अमावस्या को रघुकुलनायक श्रीराम चौदह वर्ष के वनवास की अवधि पूरी कर लंका विजय कर अयोध्या वापस लौटे थे। उनके शुभागमन के अवसर पर आयोजित दीपोत्सव की मधुर स्मृति को संजोता यह त्योहार उल्लास के साथ मनाया जाता है। दीप-मालिका की शोभा के साथ दिवाली भारत और विदेशों में जहाँ भारतवंशी हैं एक सांस्कृतिक जीवंतता का पर्व बन चुका है। इस अवसर पर घर की सफाई होती है, कूड़ा-कचरा हटाकर सजावट की जाती है। दीपावली के दिन विष्णु पत्नी देवी लक्ष्मी की पूजा-अर्चना की जाती है। माता लक्ष्मी श्री, शोभा, समृद्धि और सौंदर्य- सभी की अधिष्ठात्री हैं। दीपावली के आगे-पीछे कई त्योहार लग गए हैं और अब यह पूरा पाँच दिनों का आयोजन बन चुका है। इस क्रम में धनतेरस, नरक-चतुर्दशी (छोटी दिवाली), दीपावली (लक्ष्मी-पूजा), गोवर्धन पूजा और भैया-दूज शामिल हैं। इन अवसरों पर लोगों में बड़ा उत्साह रहता है। धनतेरस को लोग नए बर्तन से लेकर सोने-चांदी के आभूषण तक की यथाशक्ति खरीदारी करते हैं। नए वस्त्र भी पहनते हैं और घर में विशिष्ट पकवान और मिष्ठान्न भी बनते हैं। इस दिन धन-कुबेर की पूजा होती है। दीपावली के दिन घर में लक्ष्मी जी और गणेश जी का पूजन होता है और खील बताशे का प्रसाद दिया जाता है। भैयादूज में लोग परिजनों के साथ स्नेहपूर्वक मिलते-जुलते हैं। समुद्र-मंथन से देवी लक्ष्मी और धन्वंतरि का उद्भव हुआ माना जाता है। वैद्यराज धन्वंतरि का जन्मोत्सव भी दीपावली को ही मनाया जाता है। पंद्रह दिन बाद कार्तिक पूर्णिमा के दिन देव-दीपावली भी मनाई जाती है। काशी में इसका ख़ास महत्व है।

दीपावली जैन तीर्थंकर भगवान महावीर के निर्वाण की स्मृति से भी जुड़ी है। कहते हैं इसी दिन गौतम बुद्ध ज्ञान प्राप्त कर कपिलवस्तु लौटे थे और उनके अनुयायियों ने दीपोत्सव मनाया था। तभी महात्मा बुद्ध ने 'अप्प दीपो भव' अर्थात् अपना प्रकाश स्वयं बनो का उपदेश भी दिया था। यह मान्यता भी है कि सम्राट अशोक ने युद्ध छोड़कर बौद्ध धर्म अपनाया था। सिख धर्मावलंबी इसी दिन बंदी छोड़ दिवस या मुक्ति दिवस मनाते हैं। छठे गुरु हरगोविंद सिंह जी इसी दिन जहांगीर की क़ैद से मुक्त हुए और बावन राजाओं को भी मुक्त कराया था। फिर वे स्वर्ण मंदिर हरमिंदर साहब, अमृतसर पहुंचे थे। तब वहाँ दीपावली मनाई गई थी। काल-प्रवाह में दीपावली मनाने का रंग-रूप बदलता गया है। अब मिट्टी के दिए की जगह बिजली के नाना प्रकार के बल्बों और प्रस्तुतियों ने ले ली है। दुर्गा पूजा की ही तरह लक्ष्मी-पूजा के पंडाल भी सजने लगे हैं। अब दिए काफ़ी नहीं हैं, उनमें तेज शोर करने वाले पटाखे जुड़ गए हैं। वैभव का प्रदर्शन या कहें धन का विज्ञापन, ख़ास हो रहा है। अपनी ख़ुशी का यह इजहार वायु-प्रदूषण और ध्वनि-प्रदूषण का बड़ा कारण हो रहा है। इससे स्वास्थ्य के लिए जोखिम बढ़ रहा है और इन पर नियंत्रण करने की कोशिश की जा रही है। दिए के साथ अमावस की काली रात को नकारने के विनम्र संकल्प के साथ यह जन-जन का त्योहार मनुष्य की जिजीविषा को व्यक्त करता है। यह प्रकाश को गरिमा देने के साथ-साथ ख़ुद को सबके बीच स्थापित करने का भी अवसर उपलब्ध कराता है। दीन और दुनिया दोनों से जुड़ा यह पर्व एक ओर मिट्टी, किसान और कृषि कर्म से जुड़ा है तो दूसरी ओर अपने अस्तित्व के बारे में सोचने के लिए प्रश्न भी खड़ा करता है। अंधकार में कुछ सूझता नहीं है हम दूसरों पर निर्भर हो जाते हैं। दूसरी ओर प्रकाश नैसर्गिक रूप से सहज ही प्राप्त है। अनंत ऊर्जा के स्रोत सूर्य देव जीवन और जगत को मुक्तहस्त से सतत प्रकाश देते रहते हैं। उनका प्रकाश हमारे पथ को आलोकित करता है, मार्ग का निर्देश करता है और मनुष्य समेत सभी जीवों के लिए पोषण भी प्रदान करता है। प्रकृति की दुनिया पर विचार करते हुए सांख्य दर्शन तीन गुणों की बात करता है- सत्व, रजस तथा तमस। इसकी रोचक व्याख्या भगवद्गीता में मिलती है जिसमें इस भौतिक जगत में जो कुछ भी उपस्थित है उसे इन्हीं तीनों गुणों से निर्मित बताया है। हमारे विचार, चिंतन और व्यवहार सबको तीन गुणों के संदर्भ में श्रीकृष्ण ने समझाया है। वस्तुत: तीन गुण प्रकृति की दुनिया में होने वाले क्रियाकलापों के लिए व्याकरण के तीन सूत्र सरीखे हैं। गीता के सत्रहवें और अट्ठारहवें अध्यायों में बड़े विस्तार से कर्ता, कर्म, दान, यज्ञ, ज्ञान, तप, श्रद्धा, बुद्धि, सुख, आहार आदि जीवन के सभी प्रमुख पक्षों के सात्विक, राजसिक और तामसिक प्रकारों को बड़े विस्तार से समझाया गया है। इसे पढ़ने पर स्पष्ट होता है कि यह एक पूरी जीवनशैली है। तामसिक दृष्टि अहितकर है। जो ज्ञान केवल भौतिक शरीर को ही सम्पूर्ण मान कर चलता है, बिना युक्ति के तत्व को समझे बिना होता है वह तामसिक होता है। ऐसा कर्ता अज्ञान (मोह) से कार्य करता है। वह युक्त, मूर्ख, अहंकारी, आलसी, और दीर्घसूत्री होता है। उसकी बुद्धि अधर्म को धर्म मानती है। उसे आलस और प्रमाद से सुख मिलता है।

तम यानी अंधकार डराता है और मानव सभ्यता के विकास में प्रकाश और अंधकार के बारे विचार होता आया है। ऋग्वेद के नासदीय सूक्त में कहा गया है कि सृष्टि के आरम्भ में तम यानी अंधकार था। वह अंधकार भी अंधकार से ढँका हुआ था। यह समस्त संसार अज्ञात और जल के रूप में एक जैसा था। उस तुच्छ (शून्य या अव्यक्त) रूप से ढँका हुआ जो कुछ भी था, वह 'एक' परमात्मा (या मूल तत्व) तप की महिमा से प्रकट हुआ-तम आसीत्तमसा गूढ़मग्रे प्रकेतम् सलिलम् सर्वमा इदम्। तुच्छ्येनाभ्यपिहितं यदासीत्तपसस्तन्महिम्ना जायतैकं। वैसे छायातप यानी धूपछाँह के साथ अँधेरे और उजाले की आँखमिचौनी भी हमेशा चलती रहती है। दोनों दो होते हुए भी इस अर्थ में परस्पर जुड़े हैं कि एक के बिना दूसरे का कोई अर्थ नहीं समझ में आता है। रात और दिन दोनों एक-दूसरे के बाद आते रहते हैं। एक का आना दूसरे के आगमन का संकेत होता है। रोशनी और पटाखे बाहर के प्रकाश को दर्शाते हैं, जो भौतिक स्तर पर अंधकार का निवारण करते हैं। पर अंदर के अंधकार यानी अंतस्तम जैसे- अज्ञान, क्रोध, अहंकार, मोह आदि का नाश भी जरूरी है। उनकी जगह, करुणा, प्रेम और सत्य की प्रतिष्ठा होनी चाहिए। इन्हीं के प्रकाश से यह अंधकार दूर होगा। जो भी अंधकार या अज्ञान को दूर करता है वह प्रकाश है। शब्द में यह प्रकाश उसकी सत्यता से आता है। आचरण में प्रकाश का गुण दूसरों के हित-साधन से आता है। प्रकाश ऊर्जा है और जड़-चेतन सारे जगत के लिए जीवन का मूल स्रोत है। जीवन व्यापार उसी के प्रताप से चलता है अब उसके साथ भी हम खेल खेल रहे हैं। तम को भी प्रच्छन्न रूप से हम प्रकाश मान लेते हैं। प्रख्यात लेखक भीष्म साहनी ने देश के विभाजन के साथ हुए सांप्रदायिक दंगों की पृष्ठभूमि में तमस नाम का उपन्यास लिखा था। इसमें राजनीति में मौजूद विद्वेष, हिंसा और संहार करने वाली तामसिक वृत्तियों का रेखांकन किया गया है। यह उपन्यास 1973 में प्रकाशित हुआ और फिल्मकार गोविंद निहलानी ने 1988 में इस पर एक टीवी सीरियल भी बनाया था। औद्योगीकरण, तकनीक और शहरों की बढ़त के साथ अंधकार बाहर से हमारे अंतर्मन में समा रहा है। अब अनियंत्रित उपभोग विकास का माप हो गया है। प्रकाश से भय भी लगता है यदि मन में कोई खोट हो। आज अपरिमित विकास के मनोरथ के साथ आर्थिक समृद्धि के रथ पर सवार हमारी प्रगति की यात्रा बड़ी आकर्षक लगती है। पर वित्त से पूरी तृप्ति नहीं हो सकती। मात्र लक्ष्मी की आराधना अपर्याप्त है और लाभ शुभ होना चाहिए। अर्थ का समाधान सबके लिए नहीं हो सकता। सस्टेनेबल विकास यानी धारणयोग्य विकास की अवधारणा के साथ अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विकास की राह तय करने का निश्चय हुआ है। अनियंत्रित विकास नहीं बल्कि ऐसा विकास जो भविष्य की संभावना को जीवित रखता हो।

प्रकाश के विस्तार और प्रसार के साथ ही उसका संचालन भी होता है। प्रकाश को संजोना चाहिए। हमारे अपने ग़ैर ज़िम्मेदार आचरण से ओज़ोन की पर्त में छिद्र होने के कारण सूर्य से आने वाली अल्ट्रा वायलेट घातक किरणों को रोकने वाला सुरक्षा कवच कमजोर हो रहा है जिससे जीवन पर संकट छा रहा है। स्वास्थ्य, पर्यावरण, कृषि और समुद्री जीवन को ख़तरे का अंदेशा है। मनुष्य की तामसिक वृत्ति पर लगाम न लगी तो जीवन पर संकट और गहरा होगा। उद्यम और उद्योग योग होना चाहिए न कि दुर्योग। अब सोचने का भार भी मशीन को सौंपा जा रहा है। नव उदारवादी नीति के साथ यंत्र बुद्धि (ए आई) छाती जा रही है। हमें गंभीरता से यह विचार स्वीकार करना होगा कि सम्पूर्ण जीवन एक है। सम्पूर्ण जीवन चक्र को ध्यान में रखना होगा। न पीछे जाने की जरूरत है न आगे बढ़ने के नाम पर निरुद्देश्य भागने की। प्रकाश को अपने में तलाशना होगा। दीप केवल बाहरी प्रकाश के लिए ही नहीं होता, वह भीतर के प्रकाश के लिए भी है। भीतर का प्रकाश सात्विक ज्ञान है। मनुष्य का प्रकाश के प्रति उत्साह उसमें देवत्व का भाव लाता है। चित्त और मन की शुचिता आवश्यक है। वित्तैषणा की जगह लोकैषणा स्थापित होनी चाहिए। मनुष्यता पर छाए नफ़रत और कट्टरता, अज्ञानता के अँधेरे दूर करने ही होंगे।

विचार

जलते हैं वहां गंगा-जमुनी तहजीब के दीप

कृष्ण प्रताप सिंह

दीपावली की भरपूर छटा देखनी हो तो गंगा-जमुनी तहज़ीब के दयार में आना चाहिए। अवध में, जहां यह सूफी संतों की दरगाहों में सबसे अधिक नजर आती है। खासकर विश्वप्रसिद्ध देवा शरीफ और किछौछा शरीफ में। देवा शरीफ उत्तर प्रदेश की वर्तमान और अवध की पुरानी राजधानी लखनऊ से बयालीस किलोमीटर तथा 'अवध का हृदय' कहलाने वाले बाराबंकी जिले के मुख्यालय से महज बारह किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, जबकि किछौछा शरीफ फैजाबाद (अब अयोध्या) जिले को विभाजित करके बनाए गए अंबेडकरनगर जिले में स्थित है। देवा शरीफ की सीख है कि दीन को मानकर जो झगड़े होते हैं, वे दीन को जानकर नहीं होते। इस दरगाह में दीपावली पर 'जो रब है वही राम है' के नारों के बीच दीये जलाकर जश्न-ए-चरागां मनाया जाने लगता है तो किसी को भी अपना हिंदू, सिख या मुसलमान वगैरह होना याद नहीं रह जाता! इस अवसर पर देश के विभिन्न हिस्सों से यहां आए विभिन्न धर्मों, बोलियों और भाषाओं के अनुयायी लौटते समय अपने साथ और कुछ ले जाएं या नहीं, अनेकता में एकता, शांति और सौहार्द के संदेश जरूर ले जाते हैं। यह दरगाह अवध के अपने समय के जाने-माने सूफी संत हाजी वारिस अली शाह की कर्मस्थली है, जिन्हें वारिस सरकार के नाम से भी जाना जाता है। दरगाह के दरवाजे को 'कौमी एकता का दर' कहा जाता है। यहां कौमी एकता को बढ़ावा देने वाले नारे लगाए जाते हैं। कई लोग इसकी परंपराओं को अवध के नवाबों, खासकर नवाब वाजिद अली शाह और उनकी बेगम हजरत महल द्वारा पाली-पोसी जाती रही उस तहज़ीब से भी जोड़ते हैं, जिसमें भेदभाव के लिए कोई जगह नहीं रही।

कहा जाता है कि गंगा-यमुना के इलाकों में इस तहज़ीब को जिन लोगों ने पाला-पोसा, उसे आगे बढ़ाने का काम मुख्यत: सूफी संतों ने ही किया। अवध में ऐसे कई सूफी संतों की जन्मस्थलियां और साधनास्थलियां स्थित हैं। इनमें मलिक मुहम्मद जायसी का नाम भी उल्लेखनीय है। जैसा कि उनके नाम से ही जाहिर है, उनका जन्म जायस में हुआ था। दीपावली के दिन से शुरू होने वाला किछौछा शरीफ मेला चालीस दिनों तक चलता है और 'अगहन मेला' कहलाता है। इसमें देश के प्राय: हर कोने से लोग आते हैं—चाहे शहरी हों या ग्रामीण। इस मेले में दीपावली और एकादशी के अलावा बृहस्पतिवार के दिन को भी विशेष महत्व दिया जाता है। दीपावली की रात दरगाह स्थित 'नीर शरीफ' (सरोवर) के तट पर मोमबत्तियां और घी के दीये रोशन किए जाते हैं तथा दरगाह परिसर को खुशबूदार अगरबत्तियों से सुवासित किया जाता है। इस 'दीपोत्सव' को अगहन मेले का असली तेवर कहा जाता है। इस अवसर पर छोटे बच्चों का मुंडन भी करवाया जाता है। गुस्ल मुबारक का दो दिवसीय मेला इस मेले से अलग होता है। इसमें जलसे के बाद दरगाह के संत मखदूम अशरफ जहांगीर सिमनानी की मजार को चालीस घड़े गुलाब और केवड़े के जल से नहलाया जाता है। फिर यह जल श्रद्धालुओं में वितरित किया जाता है। इस दरगाह की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसका हर रंग सूफियाना और लासानी है। यहां प्राय: साल भर अकीदतमंदों और फकीरों का जमावड़ा लगा रहता है और कोई न कोई मेला होता रहता है। संत मखदूम अशरफ जहांगीर सिमनानी के बारे में कहा जाता है कि उनका जन्म ईरान के सिमनान प्रांत में हुआ था और वे मात्र तेरह वर्ष की उम्र में ही वहां के शासक बन गए थे। लेकिन राजकाज में उनका मन नहीं लगा तो उन्होंने गद्दी छोटे भाई को सौंप दी और फकीरी की राह पर चल पड़े।

दुनियाभर में सूफी मत का प्रचार करते हुए वे भारत आए और किछौछा पहुंचे तो वहीं के होकर रह गए। दरगाह का सालाना उर्स मेला मोहर्रम महीने की पच्चीसवीं से अट्ठाईसवीं तारीख तक चलता है। अट्ठाईसवीं तारीख ही संत सिमनानी के दुनिया को अलविदा कहने की तारीख भी है। उर्स के अलावा मोहर्रम का मेला भी लगता है, जो मोहर्रम की तीसरी से दसवीं तारीख तक चलता है। इस दौरान दरगाह के आस्ताने से चौकी, अलम, निशान और ताजियों के जुलूस निकलते हैं, जिनका समापन दसवीं की रात होता है। तब 'नीर शरीफ' के तट पर 'बड़े ताजिये' के साथ कई छोटे-बड़े ताजिये भी दफनाए जाते हैं। इनमें बड़ा ताजिया अकीदतमंदों द्वारा दरगाह पर चढ़ाई जाने वाली चादरों से ही बनाया जाता है। रजब के महीने में लगने वाले दो सप्ताह के अजमेरी मेले का भी अलग ही आकर्षण होता है। इसमें अजमेर शरीफ जाने वाले जायरीन अपनी रवानगी से पहले यहां हाजिरी देकर संत की दुआ लेते हैं। इतना ही नहीं, हर महीने के पहले बृहस्पतिवार को नौचंदी मेला लगता है, जिसे मासिक मेला भी कहते हैं।

एक नजर

धनतेरस पर सहरसा के बाजारों में उमड़ी भीड़, 100 करोड़ के कारोबार का अनुमान



सहरसा,एजेंसी। धनतेरस पर शुक्रवार को सहरसा के बाजारों में जमकर खरीदारी हुई। सुबह से शुरू हुई ग्राहकों की भीड़ शाम तक इतनी बढ़ गई कि प्रमुख बाजारों में पैर रखने तक की जगह नहीं रही।सोना-चांदी, बर्तन, ऑटोमोबाइल, मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक सामान और झाड़ू की खूब बिक्री हुई। व्यापारियों के अनुसार, जिले में करीब 100 करोड़ रुपये के कारोबार का अनुमान है। डीबी रोड, शंकर चौक, महावीर चौक, गांधी पथ, दालान चौक, कपड़ा पट्टी और पूरब बाजार सहित सिमरी बख्तियारपुर, सोनवर्षा राज, सलखुआ और नवहट्टा के बाजारों में भी खरीदारों की भीड़ उमड़ी। सोना-चांदी की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव के कारण सर्राफा बाजार की चमक कुछ फीकी रही। हालांकि, लोगों ने परंपरा के अनुसार सोने की चेन, अंगूठी, चांदी के सिक्के और अन्य आभूषणों की खरीदारी की। कारोबारियों रितिक स्वर्णकार और सिद्धांत कश्यप ने बताया कि कीमतों में उतार-चढ़ाव का बिक्री पर असर पड़ा है। धनतेरस पर बर्तन दुकानों में स्टील, पीतल और तांबे के बर्तनों की अच्छी बिक्री हुई। वहीं बाइक, अन्य वाहनों, मोबाइल, टीवी, फ्रिज और वाशिंग मशीन के शोरूम में भी ग्राहकों की भीड़ रही। परंपरा के अनुसार लोगों ने झाड़ू की भी खरीदारी की। धनतेरस को धनत्रयोदशी भी कहा जाता है। समुद्र मंथन के दौरान भगवान धन्वंतरि के अमृत कलश के साथ प्रकट होने की मान्यता के कारण इस दिन सोना-चांदी और नए बर्तन खरीदना शुभ माना जाता है। इस दिन भगवान धन्वंतरि, मां लक्ष्मी और कुबेर की पूजा के साथ यमदीपदान की भी परंपरा है।

मरौना सीएचसी में एक्स-रे सेवा शुरू, डीएम ने किया उद्घाटन



सुपौल। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं को सुलभ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। शुक्रवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मरौना में जिलाधिकारी सावन कुमार ने एक्स-रे सेवा का विधिवत उद्घाटन किया। यह सेवा 'सुलभ स्वास्थ्य, सुरक्षित जीवन' एवं सेवा संकल्प-कायाकल्प अभियान के अंतर्गत शुरू की गई है। एक्स-रे सेवा शुरू होने से अब मरौना एवं आसपास के क्षेत्र के मरीजों को सामान्य एक्स-रे जांच के लिए दूसरे अस्पतालों या निजी जांच केंद्रों का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ही यह सुविधा उपलब्ध होने से मरीजों को समय और अनावश्यक खर्च की बचत होगी। खासकर गरीब एवं ग्रामीण परिवारों को इससे राहत मिलने की उम्मीद है। इस अवसर पर जिलाधिकारी सावन कुमार ने स्वास्थ्य सेवाओं को आम लोगों तक सुलभ बनाने की दिशा में इस पहल को महत्वपूर्ण बताया। नई सुविधा शुरू होने से क्षेत्र के लोगों को सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में ही बेहतर जांच सुविधा मिल सकेगी तथा मरीजों के उपचार में भी सहूलियत होगी। कार्यक्रम में सिविल सर्जन, सुपौल, मरौना प्रखंड प्रमुख, जिला कार्यक्रम प्रबंधक-सह-जिला योजना समन्वयक, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, स्वास्थ्य केंद्र के सभी स्वास्थ्यकर्मी एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

91 दिव्यांगजनों को मिली ट्राईसाइकिल और इलेक्ट्रिक व्हीलचेयर

दरभंगा। दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने और समाज की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में शुक्रवार को 91 लाभार्थियों के बीच 75 बैट्री चालित ट्राईसाइकिल एवं 16 इलेक्ट्रिक व्हीलचेयर का वितरण किया गया। समाज कल्याण मंत्री डॉ. श्वेता गुप्ता ने हरी झंडी दिखाकर वाहनों को रवाना किया। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि सरकार दिव्यांगजनों को सम्मान, समान अवसर और स्वावलंबन उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इन वाहनों से उनका आवागमन आसान होगा तथा दैनिक जीवन में स्वतंत्रता और आत्मविश्वास बढ़ेगा। उन्होंने दिव्यांगजनों से अपनी प्रतिभा पर भरोसा रखते हुए रोजगार एवं स्वरोजगार से जुड़ने की अपील की। मंत्री ने दिव्यांग बच्चों को नियमित पढ़ाई करने और शिक्षा के माध्यम से बेहतर भविष्य बनाने के लिए भी प्रेरित किया। कार्यक्रम में सांसद डॉ. गोपाल जी ठाकुर, केवटी विधायक डॉ. मुरारी मोहन झा, विधान परिषद सदस्य अनिल कुमार झा, जिला परिषद अध्यक्ष रेणु देवी, जिलाधिकारी कौशल कुमार, उप विकास आयुक्त स्वप्निल सहित कई जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे।

तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार शिक्षक को कुचला, मौके पर ही मौत

दरभंगा। विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र के पासपोर्ट कार्यालय के समीप शुक्रवार की सुबह तेज रफ्तार ट्रक की ठोकर से बाइक सवार शिक्षक अहमद अली (35) की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने दिल्ली मोड़-बाघमोड़ मुख्य पथ पर आगजनी कर सड़क जाम कर दिया और पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। मृतक केवटी थाना क्षेत्र के बाढ़ समेला निवासी मरहूम जाकिर हुसैन के पुत्र थे। वह शहर के रामगंज मोहल्ले में किराये के मकान में रहते थे। शुक्रवार सुबह बाइक से जाले प्रखंड के दौराबंदौली उच्च माध्यमिक विद्यालय जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से आ रहे सीमेंट लदे ट्रक ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद चालक ट्रक छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को मब्बी थाना परिसर में खड़ा कराया। इसके बाद लोगों ने आरोप लगाया कि पुलिस की मिलीभगत से ट्रक पर लदा सीमेंट खाली कराया जा रहा है। इसी आशंका को लेकर लोगों ने ट्रक को घेर लिया और मब्बी थानाध्यक्ष रौशन कुमार को भी घेरकर विरोध जताया। हालांकि, संबंधित लोगों ने दावा किया कि ट्रक पर जितना सीमेंट लदा था, उतना ही मौजूद है। स्थिति बिगड़ती देख विश्वविद्यालय थानाध्यक्ष सुधार कुमार मृतक के परिजनों के साथ मब्बी थाना पहुंचे और मामले की जानकारी ली। पुलिस की समझाइश के बाद दोपहर में प्रदर्शनकारी शांत हुए।

दीपावली, काली पूजा और छठ पर सुरक्षा व स्वच्छता के पुख्ता इंतजाम करें अधिकारी : सम्राट चौधरी



पटना,एजेंसी। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने दीपावली, काली पूजा और छठ महापर्व के मद्देनजर शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य में विधि-व्यवस्था, सुरक्षा, स्वच्छता और अन्य आवश्यक तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि त्योहारों के अवसर पर बड़ी संख्या में बिहार के लोग दूसरे राज्यों और विदेशों से अपने घर लौटते हैं। यह सुनिश्चित किया जाए कि उन्हें अपने गृह राज्य में खुशी, सुरक्षा और सकारात्मक बदलाव का अनुभव हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि दीपावली, काली पूजा और छठ महापर्व को लेकर सभी अधिकारियों को सतर्क और तत्पर रहना होगा। विधि-व्यवस्था बनाए रखने के साथ सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूरी की जाएं। उन्होंने कहा कि छठ महापर्व बिहार का गौरव और सांस्कृतिक पहचान का प्रमुख पर्व है। इस अवसर पर श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाए।

मुख्यमंत्री ने त्योहारों के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात करने का निर्देश दिया। सभी जिलों में क्विक रिस्पांस टीम (क्यूआरटी) गठित कर उन्हें पूरी तरह सक्रिय और अलर्ट रखा जाए। रेलवे स्टेशनों और बस स्टैंडों के आसपास चौबीसों घंटे गश्त की व्यवस्था हो। पुलिस पेट्रोलिंग प्रभावी रखी जाए और किसी भी अप्रिय घटना की स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने रेलवे स्टेशनों, बस स्टैंडों, सार्वजनिक स्थलों और छठ घाटों पर साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने निर्देश दिया कि जिलाधिकारी स्वयं इन व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी करें। छठ घाटों पर निर्धारित मानकों के अनुरूप सुरक्षा और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। व्यवस्थाओं में स्थानीय स्वयंसेवकों को भी शामिल किया जाए। गांवों के छठ घाटों पर स्थानीय तैराकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा विद्युत सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का निर्देश भी दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कहीं भी नंगे तारों का इस्तेमाल नहीं होना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने भ्रामक और फर्जी खबरों पर त्वरित कार्रवाई के लिए प्रत्येक स्तर पर क्विक रिस्पांस टीम गठित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि किसी खबर के सही पाए जाने पर तत्काल आवश्यक कार्रवाई करते हुए जवाब दिया जाए और गलत खबर होने पर उसका शीघ्र खंडन किया जाए। इसके लिए अधिकतम चार घंटे के भीतर प्रतिक्रिया सुनिश्चित की जाए, जिससे कि भ्रामक सूचनाओं से नकारात्मक माहौल न बने और जनता तक सही जानकारी पहुंचे। मुख्यमंत्री ने बताया कि 25 नवंबर के बाद वे विभिन्न जिलों का भ्रमण करेंगे। उन्होंने कहा कि 16 नवंबर के बाद विकास कार्यों पर विशेष ध्यान देते हुए योजनाओं के क्रियान्वयन की नियमित समीक्षा की जाएगी। राज्य में औद्योगिक विकास को गति देने के लिए जिलाधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों को प्रत्येक माह उद्योगपतियों के साथ बैठक करने का निर्देश दिया। इसका उद्देश्य उनकी समस्याओं का समाधान करना तथा निवेश और रोजगार के नए अवसर सृजित करना है।

पटना में पैक्स अध्यक्ष हत्याकांड के तीन आरोपित मुठभेड़ में मारे गए, मनेर थानाध्यक्ष घायल

पटना। बिहार के पटना जिले के मनेर थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह पुलिस मुठभेड़ में पैक्स अध्यक्ष हत्याकांड के तीन कथित आरोपित मारे गए। मुठभेड़ के दौरान मनेर थानाध्यक्ष रजनीश कुमार भी गोली लगने से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, दोनों ओर से करीब 20 मिनट तक गोलीबारी हुई, जिसमें कुल 42 राउंड गोलियां चलीं।

पटना के वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) कार्तिकेय कुमार शर्मा ने शुक्रवार को मीडिया को बताया कि सुबह करीब 4:30 बजे पटना एसटीएफ और जिला पुलिस को सूचना मिली थी कि मनेर के शेरपुर इलाके में कुछ अपराधी किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं। सूचना के आधार पर एसटीएफ और मनेर थानाध्यक्ष रजनीश कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। एसएसपी के मुताबिक, पुलिस टीम को देखते ही अपराधियों ने अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। इसके जवाब में पुलिस ने भी गोलीबारी की। करीब 20 मिनट तक चली मुठभेड़ में पुलिस की ओर से 18 और अपराधियों की ओर से 24 राउंड गोलियां चलाई गईं। इस दौरान मनेर थानाध्यक्ष रजनीश कुमार की बांह में गोली लग गई। गोली उनके बाजू को छूते हुए निकल गई, जिससे वह घायल हो गए। एसएसपी ने बताया कि गोलीबारी थमने के बाद पुलिस टीम सतर्कता के साथ आगे बढ़ी और तीनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मारे गए लोगों की पहचान जेपी यादव, बबलू यादव और सूरज कुमार के रूप में हुई है। मुठभेड़ में मारे गए जेपी यादव के भाई राम आशीष यादव ने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए इसे फर्जी एनकाउंटर करार दिया है। उन्होंने दावा किया कि पैक्स अध्यक्ष हत्याकांड में उनके भाई सहित तीनों मृतक नामजद आरोपित नहीं थे। राम आशीष ने आरोप लगाया कि पुलिस ने गलत तरीके से कार्रवाई करते हुए उनके भाई की जान ले ली। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। साथ ही पुलिस-प्रशासन के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की भी मांग की है। मुठभेड़ के बाद तीनों शवों को दानापुर अनुमंडलीय अस्पताल ले जाया गया, जहां उनके परिजनों और अन्य लोगों ने हंगामा किया। इस दौरान अस्पताल परिसर में मौजूद लोगों ने कथित तौर पर रिंकू माली की पिटाई कर दी।

अमहा पंचायत में जल्द चालू होगा गोबर गैस प्लांट, डीडीसी ने किया निरीक्षण



सुपौल। लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के तहत सुपौल प्रखंड की अमहा ग्राम पंचायत में गोबरधन परियोजना के अंतर्गत निर्मित गोबर गैस प्लांट को जल्द चालू कराने की कवायद तेज कर दी गई है। इसी क्रम में गुरुवार को उप विकास आयुक्त इन्द्रवीर कुमार ने प्लांट का निरीक्षण कर इसकी वर्तमान स्थिति एवं संचालन से जुड़ी तैयारियों का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों एवं एजेंसी के प्रतिनिधियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए परियोजना को शीघ्र क्रियाशील करने का सख्त निर्देश दिया। इस मौके पर निदेशक, लेखा प्रशासन एवं स्वनियोजन, डीआरडीए आशुतोष कुमार, जिला समन्वयक सोनम कुमारी, बीपीएम जीविका, सुपौल, प्रखंड समन्वयक, निदान एजेंसी के प्रतिनिधि विशाल कुमार तथा सीएलएफ के सदस्य उपस्थित थे। निरीक्षण के दौरान निदान एजेंसी के प्रतिनिधि विशाल कुमार ने परियोजना को जल्द चालू करने के लिए आवश्यक कार्य शुरू करने पर सहमति जताई। साथ ही कार्य के सफल संचालन में अपेक्षित सहयोग उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। डीडीसी ने एजेंसी को निर्देश दिया कि गोबर गैस प्लांट के संचालन के लिए स्थानीय कर्मियों को समुचित प्रशिक्षण देना सुनिश्चित करें, ताकि प्लांट का नियमित एवं सुचारू संचालन हो सके। वहीं, सीएलएफ को परियोजना के संचालन के लिए प्रतिदिन आवश्यकतानुसार गोबर की उपलब्धता सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी दी गई। इसके अलावा बीपीएम जीविका, सुपौल को निर्देशित किया गया कि वे निदान एजेंसी द्वारा किए जा रहे कार्यों का नियमित अनुश्रवण करें तथा कार्य की प्रगति से संबंधित जानकारी जिला स्वच्छता कार्यालय को उपलब्ध कराएं। उप विकास आयुक्त ने स्पष्ट किया कि गोबरधन परियोजना को निर्धारित समय में क्रियाशील करना प्राथमिकता है। इसके लिए सभी संबंधित विभागों, एजेंसी एवं स्थानीय समूहों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश दिया गया। परियोजना के शुरू होने से गोबर के बेहतर प्रबंधन के साथ जैविक ऊर्जा के उपयोग को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

प्रसिद्ध कारोबारी स्व.गौरीशंकर भगत के मृत्योपरांत नेत्रदान को लेकर परिजन को किया गया सम्मानित

अररिया। फारबिसगंज के प्रसिद्ध कारोबारी रहे 85 वर्षीय स्व. गौरीशंकर भगत के निधन उपरांत परिजनों द्वारा सफलतापूर्वक नेत्रदान कराये जाने के फैसले को लेकर दधीचि देहदान समिति और तेरापंथ युवक परिषद चक्षुदान समिति की ओर से उनके आवास पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें सम्मानित किया गया। दधीचि देहदान समिति और तेरापंथ युवक परिषद चक्षुदान समिति की ओर से परिजनों द्वारा सहमति उपरांत सफलतापूर्वक कॉर्निया संकलन के बाद तीन लोगों की जिंदगी को रोशनी के लिए आभार प्रकट किया गया।दधीचि देहदान समिति के अध्यक्ष अजातशत्रु अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शहर के जनप्रतिनिधि के साथ विभिन्न संगठन से जुड़े प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में सबसे पहले स्व.गौरीशंकर भगत के तस्वीर पर पुष्प अर्पण कर श्रद्धांजलि दी गई और उसके बाद दधीचि देहदान समिति की ओर से आए आभार पत्र का वाचन किया गया।जिसके पश्चात स्व.भगत के पुत्र विकास भगत,नितिन भगत पुत्रवधू निधि भगत,रीता भगत,सुपुत्री सीमा गुप्ता,स्वाति जायसवाल,किशोर भगत के साथ अन्य परिजनों को शॉल और दुपट्टा पहनाकर सम्मानित किया गया।साथ ही स्मृति और आभार पत्र प्रदान किया गया। मौके पर दधीचि देहदान समिति के जिलाध्यक्ष अजातशत्रु अग्रवाल ने बताया कि पटना के बाद फारबिसगंज शहर ही राज्य में दूसरा शहर है,जहां सबसे ज़्यादा नेत्रदान हुआ है।उन्होंने बताया कि अब तक 28 लोगों का



सफलतापूर्वक नेत्रदान के बाद पांच दर्जन से अधिक नेत्रहीनों की जिंदगी फारबिसगंज के नेत्रदान से रोशन हुआ है। उन्होंने बताया कि मृत्यु उपरांत शरीर नश्वर है और मिट्टी में मिल जाता है,लेकिन मृत्योपरांत नेत्रदान से पुण्यात्मा का कहीं न कहीं वास रहता है और नेत्रहीन को मिली रोशनी से उनकी दुआएं सदा परिजनों के साथ रहती है।स्व.भगत के पुत्र नितिन भगत ने भी नेत्रदान को फैली भ्रांति को दूर करते हुए समूह को बताया कि नेत्रदान से कहीं भी आँख नहीं निकाला जाता है,बल्कि सिर्फ कॉर्निया कलेक्ट की जाती है। उन्होंने दधीचि देहदान समिति,तेरापंथ युवक परिषद चक्षुदान समिति और कलवार सेवा ट्रस्ट की ओर से किए गए पहल उपरान्त पिता के हुए नेत्रदान को लेकर संस्था के प्रति आभार प्रकट किया। मौके पर समिति के संरक्षक संरक्षक बछराज राखेचा और मांगीलाल गोलछा, अजातशत्रु अग्रवाल, राहुल ठाकुर,विनोद सेठिया,मदन मोहन कनौजिया,डॉ अनुज प्रभात सहित अन्य लोग मौजूद थे।

स्वस्थ और जागरूक महिला ही सशक्त समाज की नींव : डीएलएसए के शिविर में गूंजी महिला अधिकारों की आवाज



कटिहार,एजेंसी। जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डीएलएसए), कटिहार के तत्वावधान में शुक्रवार को सदर अस्पताल परिसर में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दहेज प्रथा उन्मूलन, लैंगिक समानता, संवैधानिक मूल्य एवं महिला अधिकारों पर केंद्रित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता अवर न्यायाधीश कमलेश सिंह देव ने की। शिविर में स्वास्थ्य विभाग की 70 एएनएम, आशा कार्यकर्ताओं और महिला स्वास्थ्य कर्मियों ने भाग लिया और अंत में सभी ने समाज से दहेज प्रथा को जड़ से समाप्त करने की सामूहिक शपथ ली।

जागरूकता सत्र को संबोधित करते हुए अवर न्यायाधीश कमलेश सिंह देव ने कहा कि दहेज प्रथा एक गंभीर सामाजिक कुरीति है, जिसके खात्मे के लिए केवल कानून ही काफी नहीं, बल्कि समाज के हर तबके को अपनी सोच बदलकर आगे आना होगा। उन्होंने महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति मुखर होने और अन्याय के खिलाफ विधिक सहायता लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में उपस्थित सिविल सर्जन डॉ. एस. सरकार ने महिला स्वास्थ्य एवं जागरूकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एक स्वस्थ महिला ही सशक्त परिवार और स्वस्थ समाज की नींव होती है। महिलाओं को अपने स्वास्थ्य और अधिकारों दोनों के प्रति सजग रहना चाहिए। वहीं, डॉ. आभा कुमारी ने संवैधानिक मूल्यों, शिक्षा, स्वास्थ्य और न्याय के अधिकारों पर चर्चा करते हुए कहा कि महिलाओं को कानूनी अधिकारों की जानकारी होना समय की सबसे बड़ी मांग है। उन्होंने सुझाव दिया कि महिलाओं को जागरूक रखने के लिए ऐसे विधिक शिविर हर महीने प्रखंड स्तर पर भी आयोजित किए जाने चाहिए, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएं भी अपने अधिकारों को जान सकें। उन्होंने कार्यक्रम के सफल संयोजन के लिए डीएलएसए के पदाधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। शिविर में उपस्थित सभी स्वास्थ्य कर्मियों को जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा मिलने वाली नि:शुल्क कानूनी सहायता, विधिक परामर्श तंत्र और महिला सुरक्षा कानूनों के बारे में विस्तार से प्रशिक्षित किया गया। इस मौके पर प्रभा वर्मा, एसपीओ प्रवीण कुमार, टीएसएन रोशन कुमार, अविनाश कुमार, आशीष कुमार झा, प्रधान सहित प्राधिकार और स्वास्थ्य विभाग के कई पदाधिकारी व कर्मी उपस्थित रहे।

विशेष एवं राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारी तेज, प्रधान जिला जज ने वीरपुर में की समीक्षा बैठक

सुपौल,एजेंसी। आगामी 21 नवंबर को एनआई एक्ट (परक्राम्य लिखत अधिनियम) से संबंधित विशेष लोक अदालत तथा 12 दिसंबर 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों को लेकर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, सुपौल राजेश कुमार बच्चन ने वीरपुर का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने न्यायिक पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर लोक अदालतों की तैयारियों का जायजा लिया और अधिकाधिक मामलों के निष्पादन के लिए आवश्यक निर्देश दिए।

बैठक में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने न्यायिक पदाधिकारियों को अपने-अपने न्यायालयों में लंबित उपयुक्त एवं सुलहनीय मामलों को चिह्नित करने तथा संबंधित पक्षकारों को नोटिस निर्गत करने की प्रक्रिया समय पर पूरी करने का निर्देश दिया। उन्होंने नोटिसों का प्रभावी एवं समयबद्ध तामिला सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। इसके लिए पैरा लीगल वॉलंटियर्स (पीएलवी) का सहयोग लेने की बात कही, ताकि पक्षकारों तक समय पर सूचना पहुंचे और वे लोक अदालत में उपस्थित होकर आपसी सहमति से विवादों का निपटारा करा सकें। उन्होंने लोक अदालतों के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं आम लोगों के बीच विधिक जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर भी बल दिया। बैठक में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव अमित गौरव, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश वीरपुर विनय शंकर, सिविल जज (कनीय कोटि)-सह-न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी विकास कुमार तथा न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी रमीजुर रहमान उपस्थित थे। इसके बाद प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने वीरपुर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं सचिव के साथ बैठक की। उन्होंने अधिवक्ताओं से विशेष लोक अदालत एवं राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने में सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की। उन्होंने कहा कि न्यायिक पदाधिकारियों और अधिवक्ताओं के सामूहिक प्रयास से अधिकाधिक मामलों का सौहार्दपूर्ण एवं त्वरित निष्पादन संभव है। उन्होंने सुलहनीय मामलों की पहचान कर पक्षकारों को आपसी समझौते के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव अमित गौरव ने भी वीरपुर में कार्यरत पैरा लीगल वॉलंटियर्स के साथ बैठक की। इसमें उन्हें लोक अदालतों के महत्व एवं उद्देश्यों की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाने, चिह्नित मामलों के पक्षकारों तक नोटिस एवं सूचना पहुंचाने तथा उन्हें लोक अदालत में भाग लेने के लिए प्रेरित करने का निर्देश दिया गया। सचिव ने कहा कि पीएलवी न्यायालय एवं आम जनता के बीच महत्वपूर्ण कड़ी हैं। लोक अदालतों की सफलता में उनकी भूमिका काफी अहम है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजेश कुमार बच्चन ने जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव अमित गौरव के साथ वीरपुर उपकारा का निरीक्षण किया।

एक नजर

बलिया : 70वीं राष्ट्रीय विद्यालयी फुटबॉल प्रतियोगिता का फाइनल यूपी ने जीता



बलिया,एजेंसी। बलिया में आयोजित स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में आयोजित 70वीं राष्ट्रीय विद्यालयी फुटबॉल प्रतियोगिता के खिताब पर मेजबान उत्तर प्रदेश की टीम ने कब्जा जमाया। अंडर 17 नेशनल का खिताबी मुकाबला वीर लोरिक स्पोर्ट्स स्टेडियम के खेल मैदान पर शुक्रवार को खेला गया। साथ ही खिलाड़ियों को खेल भावना व अनुशासन की सीख दी। फाइनल मुकाबले में निर्धारित समय तक दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर रहीं। इसके बाद मुकबला अतिरिक्त समय में खेला गया, अतिरिक्त समय में भी कोई फैसला नहीं हो सका। खिताबी मुकाबले में टाईब्रेकर भी 3-3 की बराबरी पर समाप्त हो गया। इसके बाद सडेन डेथ में भी मुकाबला एक एक की बराबरी पर रहा, जहां निर्णायक मंडल द्वारा झारखंड टीम द्वारा मिस्कंडक्ट के कारण उत्तर प्रदेश को विजेता एवं झारखंड को उपविजेता घोषित किया गया। रामदहीन सिंह इंटर कॉलेज, आमघाट पर आयोजित कांस्य पदक मुकाबले में पंजाब ने पश्चिम बंगाल को 4-3 से पराजित किया। इसके पूर्व पहले सेमीफाइनल में मेजबान उत्तर प्रदेश ने पश्चिम बंगाल को 1-0 व दूसरे सेमीफाइनल में झारखंड ने पंजाब को 3-2 से पराजित कर खिताबी मुकाबले का टिकट कटाया। जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह ने बतौर मुख्य अतिथि विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने विजेताओं को बधाई देते हुए राष्ट्रीय प्रतियोगिता के सफल आयोजन पर आयोजन समिति की प्रशंसा की। राष्ट्रीय प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका अमल कुंवर, मोहम्मद गयासुद्दीन, अजय यादव, मेहरुद्दीन, शनि कुमार, सौरभ कुमार, अजीत सिंह, चंद्रकांत राय, राजू कुमार, मोहम्मद अशफाक, संजय साहनी, धर्मवीर प्रजापति, रवि शर्मा, हाजी मुनव्वर, मनोज तिवारी, उपेंद्र शुक्ला, नवनीत व विशाल कुमार आदि ने निभाई।

युवा ओलंपिक में तन्वी पत्री ने जीता रजत पदक, फाइनल में चीन की झांग यी शिन से हारीं



डकार। भारत की तन्वी पत्री को युवा ओलंपिक खेल 2026 की बैडमिंटन महिला एकल स्पर्धा के फाइनल में गुरुवार को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। खिताबी मुकाबले में उन्हें चीन की मौजूदा विश्व जूनियर चैंपियन झांग यी शिन के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। तन्वी ने पहले गेम में शुरुआती लय हासिल करने में थोड़ा समय लिया, लेकिन इसके बाद लगातार सात अंक जीतकर 3-5 से 10-5 की बढ़त बना ली। उनके पंच टॉस और नेट पर शानदार नियंत्रण ने झांग को दबाव में रखा। भारतीय खिलाड़ी ने 25 मिनट में पहला गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में तन्वी ने 4-0 की बढ़त के साथ अच्छी शुरुआत की। हालांकि, कोर्ट के पीछे से आने वाले हवा के रुख के कारण उनके क्लियर शॉट्स पर नियंत्रण प्रभावित हुआ। मध्यांतर के बाद झांग ने मुकाबले पर पकड़ मजबूत की और दूसरा गेम जीतकर मुकाबले को निर्णायक गेम में पहुंचा दिया। निर्णायक गेम में झांग ने अपने क्रॉस-कोर्ट ड्रॉप शॉट्स के दम पर शुरुआत से ही बढ़त बना ली और स्कोर 19-10 तक पहुंचा दिया। तन्वी ने हार नहीं मानी और लगातार अंक जुटाते हुए अंतर 19-15 कर दिया। हालांकि, भारतीय खिलाड़ी के एक क्रॉस-कोर्ट स्मैश के बाहर जाने से झांग को पांच मैच प्वाइंट मिल गए। तन्वी ने शानदार संघर्ष करते हुए पांचों मैच प्वाइंट बचा लिए और स्वर्ण पदक जीतने के लिए तीन मौके भी बनाए। लेकिन झांग के अधिक अनुभव ने अंतत: निर्णायक भूमिका निभाई और उन्होंने खिताब अपने नाम कर लिया। इस रजत पदक के साथ तन्वी युवा ओलंपिक में बैडमिंटन पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बन गईं। उन्होंने सेमीफाइनल में जापान की युजुनो वातानाबे को 21-14, 11-21, 21-19 से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। वातानाबे ने कांस्य पदक जीता। तन्वी का रजत पदक युवा ओलंपिक में भारत के बैडमिंटन पदकों की सूची में शामिल हो गया है। इससे पहले एचएस प्रणय ने 2010 और लक्ष्य सेन ने 2018 में पुरुष एकल स्पर्धा में पदक जीते थे।

आईएसएल में खराब शुरुआत के बाद मैनोलो मार्केज ने छोड़ा मुंबई सिटी एफसी का साथ

मुंबई। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2026-27 सत्र में खराब शुरुआत के बाद मुंबई सिटी एफसी और पूर्व भारतीय कोच मैनोलो मार्केज ने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया है। क्लब ने शुक्रवार को इसकी आधिकारिक घोषणा की। मार्केज इससे पहले हैदराबाद एफसी और भारतीय राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच रह चुके हैं। मुंबई सिटी ने इस सत्र में अपने अभियान की शुरुआत चर्चिल ब्रदर्स के खिलाफ हार के साथ की थी। इसके बाद घरेलू मैदान पर स्पोर्टिंग क्लब दिल्ली ने उसे चौंका दिया। टीम अपने अन्य दो मुकाबलों में केरल ब्लास्टर्स और पंजाब एफसी के खिलाफ ड्रॉ खेलने में सफल रही। क्लब के फुटबॉल निदेशक सुजय शर्मा ने एक आधिकारिक बयान में कहा, 'इस सत्र में आईएसएल के प्रत्येक क्लब की तरह हम भी भारतीय फुटबॉल के एक नए दौर से गुजर रहे हैं। कई मायनों में यह भारतीय फुटबॉल के शीर्ष स्तर के लिए एक नई शुरुआत है। उन्होंने आगे कहा, 'हम मैनोलो को भारतीय फुटबॉल में उनके अनुभव और उपलब्धियों को देखते हुए क्लब में लेकर आए थे। अब हमारा पूरा ध्यान पहली टीम को समर्थन देने और मौजूदा सत्र के अपने लक्ष्यों को हासिल करने पर है। टीम और कोचिंग व्यवस्था से जुड़ी आगे की जानकारी उचित समय पर क्लब के आधिकारिक माध्यमों से साझा की जाएगी।'

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बिहार के कप्तान होंगे वैभव सूर्यवंशी, 17 सदस्यीय टीम घोषित

पटना,एजेंसी। युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को सैयद मुश्ताक अली टी-20 ट्रॉफी के शुरुआती दो मुकाबलों के लिए बिहार की सीनियर टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। बिहार क्रिकेट संघ ने शुक्रवार को प्रतियोगिता के लिए 17 सदस्यीय टीम की घोषणा की। सूरज कश्यप को उपकप्तान बनाया गया है। पहली बार वैभव बिहार की सीनियर टीम की अगुवाई करेंगे। बिहार क्रिकेट संघ के अध्यक्ष हर्षवर्धन ने कहा कि वैभव ने कम उम्र में ही अपनी प्रतिभा, आत्मविश्वास और परिपक्वता का परिचय दिया है। कप्तानी की जिम्मेदारी उन्हें एक क्रिकेटर और नेतृत्वकर्ता के रूप में आगे बढ़ने का नया अवसर देगी। उन्हें उम्मीद है कि वैभव की अगुवाई में टीम अनुशासित, प्रतिस्पर्धी और प्रभावी प्रदर्शन करेगी तथा आगामी सत्र में राज्य का प्रतिनिधित्व करेगी। बिहार क्रिकेट संघ की सीनियर चयन समिति की बैठक 6 नवंबर को हुई, जिसमें खिलाड़ियों के ट्रायल और पिछले प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के बाद टीम को अंतिम रूप दिया गया। चयन समिति के अध्यक्ष हरविंदर सिंह और सदस्य अमिताभ विजयवर्गीय बैठक में मौजूद रहे, जबकि चयनकर्ता एस. शरत ने टेलीफोन के माध्यम से हिस्सा लिया। चार से छह नवंबर तक हुए ट्रायल और खिलाड़ियों के प्रदर्शन की समीक्षा के बाद टीम चुनी गई।

बिहार की 17 सदस्यीय टीम

वैभव सूर्यवंशी (कप्तान), आलोक कुमार, आयुष लोहारुका (विकेटकीपर), अल्तमश अशरफ, परम कुमार सिंह, अनमोल कुमार (विकेटकीपर), रित्विक राज, सूरज कश्यप (उपकप्तान), मयंक कुमार, राघवेंद्र प्रताप, आशीष



कुमार, वासुदेव प्रताप सिंह, मोहम्मद इजहार, अमोद यादव, प्रशांत सिंह, नवाज खान और हिमांशु सिंह। मंगल महौर और शाकिब हुसैन का चयन उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगा। चयन समिति के फैसले के अनुसार, पहले दो मैचों के बाद उनकी फिटनेस का आकलन किया जाएगा। इसके बाद ही टीम में उनकी उपलब्धता को लेकर अंतिम निर्णय होगा।

16 खिलाड़ी स्टैंडबाय में

स्टैंडबाय खिलाड़ियों में बिपिन सौरभ, सुमन कुमार, आकाश राज, खालिद आलम, भास्कर दुबे, कुमार रजनीश, सुयश, अभिजीत साकेत, यशस्वी ऋषभ, लखन राजा, पवन कुमार, अमित चौधरी, पीयूष सिंह, भानु कुमार, लोकेश बाबूलाल कुमार और प्रशांत श्रीवास्तव शामिल हैं।

वैभव के लिए बिहार की सीनियर टीम की कप्तानी उनके क्रिकेट करियर का महत्वपूर्ण पड़ाव है। आईपीएल-2026 में राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते हुए उन्होंने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से काफी सुर्खियां बटोरी थीं। इसके बाद उन्हें भारतीय टीम में जगह मिली और अंतरराष्ट्रीय टी-20 क्रिकेट में भी उन्होंने अपनी प्रतिभा दिखाई। न्यूजीलैंड के खिलाफ हाल ही में खेले गए तीसरे टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में वैभव ने अभिषेक शर्मा के साथ पारी की शुरुआत की थी। दोनों बल्लेबाजों ने महज छह ओवर में बिना विकेट गंवाए 118 रन जोड़कर पुरुष टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पावरप्ले के दौरान सर्वाधिक रन बनाने का विश्व रिकॉर्ड बनाया। दोनों के बीच 43 गेंदों में 133 रन की साझेदारी हुई। वैभव ने 19 गेंदों पर 45 रन बनाए, जबकि अभिषेक शर्मा ने 38 गेंदों पर 113 रन की शानदार पारी खेली। बिहार क्रिकेट संघ के प्रशासक एवं पटना उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश अश्विनी कुमार सिंह, अध्यक्ष हर्षवर्धन और संघ के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों ने वैभव को कप्तान नियुक्त किए जाने पर बधाई दी। उन्होंने उनकी क्षमताओं पर भरोसा जताते हुए वैभव और पूरी टीम को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए शुभकामनाएं दीं। बिहार की टीम प्रतियोगिता में अपने अभियान की शुरुआत 14 नवंबर से इंदौर में करेगी, जहां उसके शुरुआती दो मुकाबले खेले जाएंगे। पूरे टूर्नामेंट के दौरान बिहार की रणजी ट्रॉफी टीम से जुड़ा सहयोगी स्टाफ ही खिलाड़ियों के साथ रहेगा। चयन समिति के अध्यक्ष हरविंदर सिंह और सदस्य अमिताभ विजयवर्गीय भी इंदौर में टीम के मुकाबले देखने के लिए मौजूद रहेंगे।

कोकीन सेवन के मामले में क्रिस लिन पर लगा था एक महीने का प्रतिबंध, पुनर्वास कार्यक्रम भी पूरा किया

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के टी20 बल्लेबाज क्रिस लिन को इंग्लैंड में जुलाई में खेले गए टी20 ब्लास्ट फाइनल्स डे के बाद कोकीन सेवन के मामले में एक महीने के निलंबन का सामना करना पड़ा था। इंग्लैंड के क्रिकेट नियामक ने पुष्टि की है कि 36 वर्षीय लिन ने इसके बाद नशामुक्ति और पुनर्वास कार्यक्रम भी पूरा कर लिया है। ईएसपीएनक्रिकइन्फो की रिपोर्ट के अनुसार, लिन ने प्रतिबंध की अवधि पूरी कर ली है।

लिन का 18 जुलाई को नियमित डोपिंग परीक्षण किया गया था। इसी दिन नॉर्थम्पटनशायर ने फाइनल्स डे के मुकाबले जीतकर तीसरी बार टी20 ब्लास्ट का खिताब अपने नाम किया था। लिन ने उस दिन खेले गए दो मुकाबलों में 39 और चार रन बनाए थे। इसके बाद उनका मूत्र नमूना जांच के लिए फ्रांस की एक प्रयोगशाला में भेजा गया, जहां उसमें बेंजोइलएक्गोनिन पाया गया। यह कोकीन के सेवन के बाद शरीर में बनने वाला एक मेटाबोलाइट है। टी20 ब्लास्ट के तुरंत बाद लिन लंका प्रीमियर लीग में खेलने के लिए श्रीलंका रवाना हो गए थे। हालांकि, गॉल ग्लैडिएटर्स के लिए केवल एक मैच खेलने के बाद 29 जुलाई को पैर में अज्ञात चोट के कारण उन्हें टूर्नामेंट से बाहर कर दिया गया।

इसके दो दिन बाद क्रिकेट नियामक ने उन्हें उनके नमूने में प्रतिकूल विश्लेषणात्मक परिणाम मिलने की जानकारी दी और अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया। करीब तीन सप्ताह बाद लिन ने कोकीन सेवन की बात स्वीकार कर ली। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह घटना किसी खेल प्रतियोगिता के दौरान नहीं हुई थी और इसका उनके क्रिकेट प्रदर्शन से कोई संबंध नहीं था। लिन ने बताया कि उन्होंने 15 जुलाई 2026 की शाम से 16 जुलाई की सुबह तक कई घंटों के दौरान इस पदार्थ का सेवन किया था। इससे पहले उसी शाम नॉर्थम्पटनशायर की ग्लॉस्टरशायर के खिलाफ क्वार्टर फाइनल जीत के दौरान डुआन जानसन की कम ऊंचाई वाली फुलटॉस गेंद पैर पर लगने के बाद वह रिटायर्ड हर्ट हो गए थे। क्रिकेट नियामक ने शुरुआत में इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड के डोपिंग रोधी नियमों के दो प्रावधानों के तहत लिन पर आरोप लगाए थे। हालांकि, बाद में एक आरोप हटा दिया गया, क्योंकि उनके मूत्र नमूने में कोकीन की मात्रा विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी के नियमों के तहत आरोप लगाने के लिए निर्धारित न्यूनतम सीमा से कम पाई गई।

ऑस्ट्रेलियाई पुरुष क्रिकेट टीम के सलाहकार कोच बने माइक हसी

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज माइक हसी इस महीने इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज से राष्ट्रीय टीम के साथ सलाहकार कोच के रूप में जुड़ेंगे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को इसकी घोषणा की। हसी अगले साल होने वाली एशेज सीरीज और दक्षिणी अफ्रीका में आयोजित होने वाले एकदिवसीय विश्व कप के लिए भी टीम के सलाहकार कोच की भूमिका निभाएंगे। 51 वर्षीय हसी को वर्ष 2028 में होने वाले दो बड़े आयोजनों- लॉस एंजिल्स ओलंपिक और ऑस्ट्रेलिया-न्यूजीलैंड में प्रस्तावित टी20 विश्व कप के लिए राष्ट्रीय टीम का टी20 सलाहकार भी नियुक्त किया गया है। इस भूमिका में वह अभियान की रणनीति तैयार करने, विरोधी टीमों की जानकारी जुटाने, खिलाड़ियों की प्रतिभा पहचानने और प्रदर्शन से जुड़े मामलों में विशेषज्ञ सलाह देंगे। हसी लगभग तुरंत अपनी जिम्मेदारी संभालेंगे। वह इंग्लैंड के खिलाफ इस महीने के अंत में शुरू होने वाली पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के साथ इस घरेलू सत्र में न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भी ऑस्ट्रेलियाई टीम को कोचिंग सहयोग देंगे। वह पिछले कुछ वर्षों में भी ऑस्ट्रेलियाई टीम के साथ इसी तरह की जिम्मेदारियां निभा चुके हैं। पिछले तीन वर्षों में इंग्लैंड, भारत और पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले पर्थ में टीम के अभ्यास सत्र में भी वह शामिल हुए थे।

वर्ष 2016 में क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद हसी ने कोचिंग के क्षेत्र में व्यापक अनुभव हासिल किया है। वह ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड की राष्ट्रीय टीमों के कोचिंग स्टाफ का हिस्सा रह चुके हैं। वर्ष 2022 में ऑस्ट्रेलिया में आयोजित टी20 विश्व कप जीतने वाली इंग्लैंड की टीम में वह मैथ्यू मॉट के कोचिंग पैनल के सदस्य थे। इसके अलावा वह स्टीफन फ्लेमिंग के मार्गदर्शन में चेन्नई सुपर किंग्स के लंबे समय तक बल्लेबाजी कोच रहे और इस वर्ष द हंड्रेड में वेल्श फायर के मुख्य कोच की भूमिका निभाई। हसी ने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई टीम के साथ अधिक औपचारिक और महत्वपूर्ण भूमिका में जुड़ना उनके लिए खुशी की बात है। उन्होंने कहा, 'इस टीम ने हाल के वर्षों में काफी उपलब्धियां हासिल की हैं। मुझे उम्मीद है कि आने वाले रोमांचक और चुनौतीपूर्ण दौर में मैं कोचिंग स्टाफ और खिलाड़ियों के लिए उपयोगी योगदान दे सकूंगा।'

प्रीमियर लीग में कोई मुकाबला आसान नहीं, एक चूक भी पड़ सकती है भारी : चेल्सी कोच शाबी अलोंसो

नई दिल्ली,एजेंसी। चेल्सी ने इंग्लिश प्रीमियर लीग के मौजूदा सत्र में अच्छी शुरुआत की है। टीम नौ मुकाबलों में 16 अंक लेकर अंक तालिका में चौथे स्थान पर है। चेल्सी के मुख्य कोच शाबी अलोंसो ने जियोस्टार को दिए एक साक्षात्कार में लीग की प्रतिस्पर्धा, टीम की रक्षात्मक कमजोरियों और कोल पामर की सर्वश्रेष्ठ पोजीशन को लेकर अपने विचार साझा किए। अलोंसो ने कहा कि प्रीमियर लीग बेहद चुनौतीपूर्ण प्रतियोगिता है और यहां कोई भी मुकाबला आसान नहीं होता। उन्होंने कहा, 'चेल्सी से जुड़ने से पहले मुझे इस लीग की चुनौती का अंदाजा था, लेकिन यहां आने के बाद सभी टीमों और खिलाड़ियों का स्तर देखने को मिला। हर मुकाबला एक नई परीक्षा होता है। आप हर सप्ताह ऐसी टीम के खिलाफ खेलते हैं, जो या तो खिताब की दौड़ में होती है या फिर लीग में बने रहने के लिए संघर्ष कर रही होती है। इस लीग में एक पल के लिए भी ध्यान नहीं हटा सकते, क्योंकि यहां की गुणवत्ता आपकी छोटी सी चूक की सजा देगी।

उन्होंने कहा कि इस चुनौती के कारण टीम को हर मुकाबले के लिए पूरी एकाग्रता के साथ तैयारी करनी पड़ती है। कोचिंग स्टाफ को प्रत्येक प्रतिद्वंद्वी का बारीकी से विश्लेषण करना होता है और खिलाड़ियों को मानसिक तथा शारीरिक रूप से तैयार रखना पड़ता है। कार्यक्रम व्यस्त जरूर है, लेकिन यही इस प्रतियोगिता की चुनौती भी है। चेल्सी के पास अच्छी गुणवत्ता और गहराई वाला दल है, जिसका पूरे सत्र में सही इस्तेमाल करना होगा। टीम की रक्षात्मक



कमजोरियों पर अलोंसो ने कहा कि अधिक गोल गंवाने के पीछे कोई एक कारण नहीं है, लेकिन यह ऐसा क्षेत्र है जिसमें टीम निश्चित रूप से सुधार करना चाहती है। उन्होंने कहा, 'हम इस दिशा में काम कर रहे हैं और टीम लगातार विकसित हो रही है। हमें मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन करना होगा और कम गोल गंवाना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। हमने मैदान पर अपनी संरचना और गेंद के बिना खिलाड़ियों की पोजीशनिंग पर काम किया है।

उन्होंने कहा कि टीम ने कई गोल छोटी-छोटी गलतियों के कारण गंवाए हैं, न कि इसलिए कि विरोधी टीम ने उसकी रक्षापंक्ति को पूरी तरह भेद दिया। यह सकारात्मक बात है, क्योंकि इन गलतियों को सुधारा जा सकता है। टीम को एक इकाई के रूप में अधिक संगठित होना होगा, व्यक्तिगत मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन करना होगा और अंतिम क्षेत्र में सही फैसले लेने होंगे। अलोंसो ने कहा कि रक्षात्मक जिम्मेदारी केवल चार डिफेंडरों की नहीं होती। इसकी शुरुआत अग्रिम पंक्ति से होती है, जहां खिलाड़ियों को दबाव बनाने और पीछे लौटकर मदद करने की जरूरत होती है। हर मैच में गोल गंवाने से बचना शायद संभव न हो, लेकिन कम गोल गंवाना निश्चित रूप से संभव है। पूरी टीम के बेहतर तालमेल से क्लीन शीट हासिल करने में मदद मिलेगी। अलोंसो ने कहा कि आक्रमण करने वाले खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने की आजादी मिलनी चाहिए, लेकिन इसके साथ अनुशासन भी जरूरी है। उन्होंने कहा, 'यह सिर्फ आक्रमण की आजादी देने का मामला नहीं है। खिलाड़ियों को यह समझना होगा कि टीम को किस समय क्या चाहिए। जब आक्रमण करने वाले खिलाड़ी अपने खेल का आनंद लेते हैं, तो टीम बेहतर प्रदर्शन करती है और जीत की संभावना भी बढ़ती है।

जयपाल मालवीय ने विश्व चैंपियनशिप में जीता रजत, भारत को मिला पहला ओलंपिक कोटा

दोहा,एजेंसी। भारतीय निशानेबाज जयपाल मालवीय ने गुरुवार को आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप में पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा का रजत पदक जीतकर देश को लॉस एंजिलिस ओलंपिक-2028 का पहला कोटा दिलाया। उन्होंने लुसैल शूटिंग कॉम्प्लेक्स में शानदार प्रदर्शन करते हुए 24 शॉट के फाइनल में 242.2 अंक हासिल किए और दूसरा स्थान प्राप्त किया। इस स्पर्धा में ओलंपिक के तीन कोटा दांव पर थे। चीन के हू काई ने 243.9 अंकों के साथ स्वर्ण पदक और पहला कोटा हासिल किया। चेक गणराज्य के जिंद्रिच डुबोवी 220.9 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे और उन्होंने तीसरा ओलंपिक कोटा अपने नाम किया। जयपाल के रजत पदक के साथ भारत को दूसरा कोटा मिला।

जयपाल ने फाइनल की शुरुआत से ही पदक की दौड़ में अपनी जगह बनाए रखी। उन्होंने पहली सीरीज में 50.5 और दूसरी सीरीज के बाद कुल 100 अंक हासिल किए। एलिमिनेशन दौर में भी उनका निशाना लगातार सटीक रहा। उन्होंने 10.8 और 10.7 जैसे शानदार शॉट लगाए। अंतिम चरण में दबाव के बावजूद संयम बनाए रखते हुए उन्होंने डुबोवी को पीछे छोड़ा और रजत पदक पक्का किया। इससे पहले दिन के सत्र में भारतीय महिला 10 मीटर एयर पिस्टल टीम ने भी रजत पदक जीतकर देश को दोहरी खुशी दी। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर,



सुरूचि इंदर सिंह और सायन्यम की तिकड़ी ने कुल 1738 अंक और 61 इनर-10 के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। चीन ने 1745-65 के स्कोर के साथ स्वर्ण और दक्षिण कोरिया ने 1729-49 के स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता।

मनु भाकर ने 583-21× अंक के साथ भारतीय टीम का नेतृत्व किया। उनकी चौथी सीरीज में 100 का परफेक्ट स्कोर शामिल रहा। सुरूचि ने 580-24× और जूनियर विश्व चैंपियन सायन्यम ने 575-16× अंक का योगदान दिया। पुरुष टीम स्पर्धा में भारत सातवें स्थान पर रहा। भारतीय टीम ने कुल 1730-58 अंक हासिल किए। जयपाल ने क्वालिफिकेशन में 585-23× अंक के साथ तीसरा स्थान हासिल कर फाइनल में जगह बनाई। कमलजीत 580-20× अंकों के साथ 27वें और रविन कुमार 565-15× अंकों के साथ पीछे रहे। चीन ने 1755-66 के स्कोर के साथ स्वर्ण, दक्षिण कोरिया ने 1738-62 के साथ रजत और उज्बेकिस्तान ने 1738-44 के साथ कांस्य पदक जीता।

मुंबई के क्रिकेट संग्रहालय में दिखेंगी गांगुली, द्रविड़ और धोनी की ऐतिहासिक जर्सी

मुंबई,एजेंसी। मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) और मैरीलेबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) के संयुक्त प्रयास से क्रिकेट प्रेमियों को खेल के इतिहास से जुड़ी कुछ अनमोल धरोहरों को करीब से देखने का अवसर मिलेगा। लॉर्ड्स स्थित एमसीसी संग्रहालय की चुनिंदा ऐतिहासिक वस्तुओं की विशेष प्रदर्शनी 14, 15 और 17 नवंबर को एमसीए शरद पवार क्रिकेट संग्रहालय में आयोजित की जाएगी। संग्रहालय पहुंचने वाले आम लोगों को इन ऐतिहासिक वस्तुओं के साथ संग्रहालय के बढ़ते क्रिकेट संग्रह को देखने का अवसर मिलेगा। इस प्रदर्शनी में भारतीय क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ियों और ऐतिहासिक मुकाबलों से जुड़ी यादगार वस्तुएं प्रदर्शित की जाएंगी। इनमें सौरव गांगुली की वह एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय जर्सी शामिल है, जिसे उन्होंने वर्ष 2002 में नेटवेस्ट सीरीज जीतने के बाद लॉर्ड्स की बालकनी से लहराया था। इसके अलावा अनिल कुंबले की एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय टोपी, 1982 में इंग्लैंड और भारत के बीच खेले गए जुबली टेस्ट का पदक, सचिन तेंदुलकर का एकदिवसीय स्वेटर, महेंद्र सिंह धोनी की एकदिवसीय जर्सी और राहुल द्रविड़ की टेस्ट जर्सी भी प्रदर्शनी का हिस्सा होंगी। लॉर्ड्स स्थित एमसीसी संग्रहालय में संरक्षित ये ऐतिहासिक वस्तुएं क्रिकेट के उन यादगार पलों और महान खिलाड़ियों की विरासत को दर्शाती हैं, जिन्होंने इस खेल के इतिहास को आकार दिया है। इन धरोहरों का भारतीय क्रिकेट प्रेमियों के लिए विशेष महत्व है। एमसीसी के प्रवक्ता ने इस साझेदारी पर खुशी जताते हुए कहा कि मुंबई क्रिकेट संघ के साथ एमसीए शरद पवार क्रिकेट संग्रहालय में इस विशेष प्रदर्शनी का आयोजन करना क्लब के लिए गर्व की बात है। एमसीसी संग्रहालय ने हाल के वर्षों में अपने संग्रह को दुनिया भर के करोड़ों क्रिकेट प्रशंसकों के उत्साह और खेल के प्रति उनके जुड़ाव को ध्यान में रखते हुए विकसित किया है। मुंबई जैसे क्रिकेट के प्रमुख केंद्र में इन ऐतिहासिक वस्तुओं को प्रदर्शित करने और नए संग्रहालय के प्रति लोगों की रुचि बढ़ाने का यह अवसर बेहद खास है।

मुंबई क्रिकेट संघ के अध्यक्ष अजिंक्य नाइक ने कहा कि इस विशेष प्रदर्शनी के लिए मैरीलेबोन क्रिकेट क्लब के साथ साझेदारी करना संघ के लिए सम्मान की बात है। मुंबई के क्रिकेट प्रशंसक इस खेल के समृद्ध इतिहास से गहराई से जुड़े हैं। यह प्रदर्शनी उन्हें भारत के कुछ महान क्रिकेट दिग्गजों से जुड़ी ऐतिहासिक वस्तुओं को देखने का अनूठा अवसर देगी। उन्होंने इन अनमोल धरोहरों को साझा करने और आने वाली पीढ़ियों के लिए क्रिकेट की विरासत को संरक्षित करने तथा उसका उत्सव मनाने के प्रयासों में सहयोग के लिए एमसीसी का आभार जताया। यह विशेष प्रदर्शनी एमसीए के उस प्रयास का हिस्सा है, जिसके तहत शरद पवार क्रिकेट संग्रहालय को क्रिकेट प्रेमियों के प्रमुख आकर्षण केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। संग्रहालय में मुंबई, भारतीय और विश्व क्रिकेट की समृद्ध विरासत से जुड़ी वस्तुओं को प्रदर्शित किया जा रहा है।

एक नजर

भारत के नए राजदूत सुधाकर दलेला ने राष्ट्रपति पौडेल को सौंपा ओहदे का प्रमाणपत्र



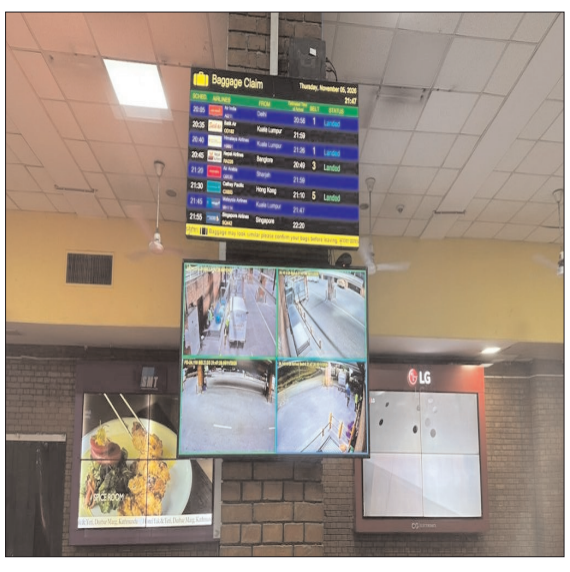
काठमांडू,एजेंसी। नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल के समक्ष नेपाल के लिए नियुक्त भारतीय राजदूत सुधाकर दलेला ने शुक्रवार को अपने पद का प्रमाणपत्र (क्रेडेंशियल) पेश किया। राष्ट्रपति भवन शीतल निवास में आयोजित विशेष समारोह में भारत के राजदूत ने राष्ट्रपति पौडेल को अपने ओहदे का प्रमाणपत्र सौंपा। इस अवसर पर उनकी पत्नीनौर दूतावास के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। इससे पहले नवनियुक्त राजदूत को लाजिम्पाट के रेडिसन होटल से राष्ट्रपति भवन शीतल निवास तक घुड़सवार सुरक्षा दस्ते के साथ पारंपरिक बग्घी में सवार कर लाया गया। राष्ट्रपति भवन में ही भारतीय राजदूत को नेपाली सेना ने सलामी भी दी।

कतर के अमीर ने ईरान के परमाणु प्रस्ताव पर ट्रंप से बात की



दोहा (कतर)। कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी ने शुक्रवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ फोन पर बातचीत की। इस बातचीत में क्षेत्र में तनाव कम करने के लिए किए जा रहे राजनयिक प्रयासों पर चर्चा हुई। समझा जा रहा है कि अमीर ने ईरान के परमाणु मामले से जुड़े एक प्रस्ताव पर चर्चा की। अरब न्यूज की रिपोर्ट में अमीर और ट्रंप के बीच फोन वार्ता की संक्षिप्त जानकारी दी गई है। इससे पहले ईरान के एक अधिकारी ने गुरुवार को जानकारी दी कि तेहरान ने कतर के जरिए अमेरिका को परमाणु मामले से जुड़ा एक प्रस्ताव भेजा है। इस प्रस्ताव पर तब तक कोई चर्चा नहीं होगी, जब तक वाशिंगटन ईरान की सात मांगों को पूरा नहीं कर देता। बताया गया है कि वाशिंगटन फिलहाल इस प्रस्ताव की समीक्षा कर रहा है। तेहरान ने अमेरिका लगाए गए प्रतिबंधों को हटाने, ईरान की फ्रीज की गई संपत्ति को जारी करने, युद्ध के लिए मुआवजा देने की मांगें की हैं। वाशिंगटन का जोर इस बात पर है कि किसी भी शुरुआती बातचीत में परमाणु मुद्दों को शामिल किया जाना चाहिए।

नेपाल हवाई अड्डे पर यात्रियों को मिलेगी सुविधा, अब लाइव देख सकेंगे सामान की हैंडलिंग



काठमांडू। नेपाल के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर यात्रियों को अब अपने सामान की हैंडलिंग की प्रक्रिया लाइव देखने की सुविधा मिलेगी। सामान प्रबंधन को अधिक पारदर्शी, व्यवस्थित और यात्रियों के अनुकूल बनाने के उद्देश्य से आगमन हॉल के बैगेज क्लेम क्षेत्र में अब बैगेज ड्रॉप एरिया का लाइव फीड उपलब्ध कराया गया है। इस व्यवस्था के तहत अंतरराष्ट्रीय उड़ानों से नेपाल पहुंचने वाले यात्री वास्तविक समय में देख सकेंगे कि विमान से उतारे जाने के बाद उनका सामान किस तरह बैगेज बेल्ट तक पहुंच रहा है। इससे यात्रियों को अपने सामान की स्थिति पर नजर रखने और उसे मिलने में लगने वाले संभावित समय का अनुमान लगाने में मदद मिलेगी। अब तक यात्रियों के पास यह जानने का कोई तरीका नहीं था कि विमान से उतारा गया सामान बैगेज क्लेम क्षेत्र तक पहुंचने में कितना समय लेगा। इसके कारण कई यात्रियों को इंतजार के दौरान असमंजस का सामना करना पड़ता था। सामान प्रबंधन की प्रक्रिया की जानकारी नहीं होने से भी उन्हें असुविधा होती थी। नई व्यवस्था के तहत यात्री आगमन हॉल में मौजूद रहकर ही बैगेज ड्रॉप क्षेत्र की गतिविधियां देख सकेंगे। इससे सामान के इंतजार की प्रक्रिया पहले की तुलना में आसान और अधिक व्यवस्थित होने की उम्मीद है। हवाई अड्डा प्रशासन को उम्मीद है कि इस पहल से त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर यात्रियों को मिलने वाली सेवाओं का अनुभव बेहतर होगा और हवाई अड्डा अधिक यात्री-अनुकूल बनेगा। इसे यात्री सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ाने, सेवा वितरण में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल से हवाई अड्डे को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित करने की व्यापक पहल का हिस्सा माना जा रहा है।

इजराइल में नई सरकार के गठन का रास्ता साफ, आइसेनकोट पर सबकी नजर

यरुशलम (इजराइल),एजेंसी। इजराइल में गुरुवार देरशाम नई सरकार के गठन का रास्ता साफ हो गया। 11 सांसदों वाली अरब पार्टियों के गठबंधन ज्वाइंट लिस्ट के नेताओं ने राष्ट्रपति इसाक हर्जोग से मुलाकात की। इसके बाद राष्ट्रपति को मध्यमार्गी गठबंधन के नेता और पूर्व सेना प्रमुख 66 वर्षीय गादी आइसेनकोट के समर्थन का पत्र सौंप दिया। आइसेनकोट यशार पार्टी के नेता हैं। उन्होंने पिछले साल पार्टी बनाई और इस साल चुनाव मैदान में कूदे। द यरुशलम पोस्ट और द टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले सप्ताह हुए नेसेट (संसद) के चुनाव के बाद उन्हें विपक्षी गुटों और अरब राजनीतिक दलों ज्वाइंट लिस्ट और रा'अम का का समर्थन मिलने तस्वीर बदल गई। इनके समर्थन से आइसेनकोट 120 सदस्यों वाली नेसेट में सरकार बनाने के लिए आवश्यक बहुमत के आंकड़े (61 सीट) को पार कर गए। अरब पार्टी रा'अम के आठ सांसद हैं। चुनाव में आइसेनकोट के नेतृत्व वाले गठबंधन के 48 उम्मीद जीते हैं।

देश में सबसे ज्यादा समय 19 वर्ष तक सत्ता में रहे बेंजामिन नेतन्याहू नई सरकार के गठन के लिए आवश्यक बहुमत नहीं जुटा सके। 27 अक्टूबर को हुए चुनाव में उनके गठबंधन को 53 सीटें मिलीं। गुरुवार को नेतन्याहू के नेतृत्व वाले दक्षिणपंथी गठबंधन में शामिल सात सांसदों वाली पार्टी यूनाइटेड टोरा जूडिज्म (यूटीजेड) ने अलग होने की घोषणा कर दी। इसके बाद समीकरण बदल गए। नेतन्याहू गुट के पास केवल 46 सांसद बचे। यूटीजेड ने फिलहाल नेसेट में अलग बैठने का फैसला किया है। आइसेनकोट ने कहा कि वह



इजराइल को यहूदी राष्ट्र मानते हुए लोकतांत्रिक व्यवस्था से देश को चलाएंगे। हमास को आतंकी संगठन मानते हुए उसकी सैन्य शक्ति को खत्म किया जाएगा। सेना में भर्ती के लिए नियम बदले जाएंगे। देश के गठन के समय नागरिक अधिकारों के लिए तय की गई आचार संहिता का पालन किया जाएगा। राष्ट्रपति को आइसेनकोट के समर्थन में पत्र सौंपने वाली ज्वाइंट लिस्ट में तीन अरब पार्टियां- हदाश, ताल और बलद हैं हैं। रा'अम ने अलग होकर चुनाव लड़ा।

राष्ट्रपति हर्जोग ने कहा कि नेसेट के चुने गए 120 सदस्यों में से 67 ने आइजेनकोट के नाम की सिफारिश की है। वह रविवार को उन्हें सरकार बनाने की जिम्मेदारी सौंपेंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की लिकुड पार्टी ने एकता की अपील की। उन्होंने विरोधियों को विनाशकारी गुट करार दिया। चैनल-12 की रिपोर्ट के अनुसार, 10 नवंबर को शपथ ग्रहण कार्यक्रम किया जाएगा। शपथ ग्रहण के बाद नेसेट के नए अध्यक्ष का चुनाव होगा। नेसेट के अध्यक्ष अमीर ओहाना ने कहा है कि कम से कम 61 सांसद औपचारिक रूप से अनुरोध करते हैं तो वह अपने उत्तराधिकारी को चुनने के लिए बहस का समय तय करेंगे। ओहाना लिकुड पार्टी से हैं। अरब पार्टी रा'अम ने आइसेनकोट का समर्थन किया और कहा कि वह रक्षा मामलों में दखल नहीं देगी। हर्जोग के साथ मुलाकात में इस पार्टी के नेता मंसूर अब्बास ने हमास को स्पष्ट रूप से आतंकवादी संगठन मानने से परहेज किया। हालांकि, उन्होंने आतंकवाद और राजनीतिक हिंसा की बार-बार निंदा की और यह भी कहा कि हमास के हथियार छीन लिए जाने चाहिए और उसे सत्ता से हटा दिया जाना चाहिए। आइसेनकोट ने अपनी संभावित सरकार में शामिल होने की इच्छा रखने वाली पार्टियों के सामने यह शर्त रखी है कि उन्हें हमास को एक आतंकवादी संगठन के रूप में मान्यता देनी होगी। अब्बास ने उम्मीद जताई कि आइसेनकोट अच्छी सरकार बनाएंगे। प्रधानमंत्री नेतन्याहू का सत्ता से जाना तय माना जा रहा है। उन्हें देश में सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री बने रहने के लिए जाना जाएगा। उन्होंने पहला कार्यकाल (3 साल) 18 जून 1996 से 6 जुलाई 1999 को पूरा किया। उनका दूसरा कार्यकाल (12 साल) 31 मार्च 2009 से 13 जून 2021 तक रहा। उनका तीसरा कार्यकाल चल रहा है। उन्होंने 29 दिसंबर 2022 को प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभाला।

काठमांडू में बढ़ा वायु प्रदूषण, कई इलाकों में हवा की गुणवत्ता 'अस्वास्थ्यकर' स्तर पर पहुंची

काठमांडू। नेपाल में शुष्क मौसम की शुरुआत के साथ ही काठमांडू घाटी में वायु प्रदूषण बढ़ने लगा है। आज घाटी के कई इलाकों में हवा की गुणवत्ता अस्वास्थ्यकर स्तर पर पहुंच गई। स्विट्जरलैंड स्थित वायु गुणवत्ता निगरानी संस्था आईक्यूएआईआर के अनुसार, शुक्रवार सुबह घाटी के कई इलाकों में प्रदूषण का स्तर अस्वास्थ्यकर बना रहा। गुरुवार को भी स्थिति ऐसी ही थी। पूर्वानुमान के मुताबिक, रविवार तक हवा की गुणवत्ता इसी स्तर पर रहने की आशंका है।

आईक्यूएआईआर के अनुसार, आज सुबह काठमांडू घाटी का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 111 दर्ज किया गया। गुरुवार को काठमांडू के बानेश्वर इलाके में एक्यूआई का स्तर 153 तक पहुंच गया था। शुक्रवार सुबह 9 बजकर 15 मिनट तक इसी इलाके में यह घटकर 127 पर आ गया। काठमांडू महानगरपालिका के वायु गुणवत्ता निगरानी डैशबोर्ड के अनुसार, स्वयंभू, बालाजू, टेकु, डल्लू, थापाथली, क्षेत्रपाटी, जडीबुटी, असन, कमलादी, शांतिनगर, चाबहिल, लैनचौर और हाँडीगांव समेत कई इलाकों में हवा की गुणवत्ता अस्वास्थ्यकर पाई गई। महानगरपालिका ने लोगों से वायु प्रदूषण बढ़ाने वाली गतिविधियों से दूर रहने की अपील की है। एयर क्वालिटी इंडेक्स के वर्गीकरण के अनुसार, 101 से 150 के बीच एक्यूआई होने पर हवा संवेदनशील समूहों के लिए अस्वास्थ्यकर मानी जाती है। इसमें विशेष रूप से सांस संबंधी बीमारियों से पीड़ित लोग, बुजुर्ग, बच्चे और पहले से किसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे लोग शामिल हैं। वहीं, यह स्तर 151 से 200 के बीच पहुंचने पर हवा सभी लोगों के स्वास्थ्य के लिए अस्वास्थ्यकर मानी जाती है।

पीएम 2.5 का मतलब 2.5 माइक्रोमीटर से कम व्यास वाले सूक्ष्म कणों से है। इसे वायु प्रदूषण के सबसे खतरनाक तत्वों में से एक माना जाता है। ये कण नाक और गले की प्राकृतिक सुरक्षा को पार करते हुए फेफड़ों के भीतर तक पहुंच सकते हैं और रक्तप्रवाह में भी प्रवेश कर सकते हैं। डॉक्टरों के अनुसार, ऐसे कणों के संपर्क में आने से कैंसर समेत कई गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, हवा में पीएम 2.5 की वार्षिक औसत सांद्रता 5 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर से अधिक नहीं होनी चाहिए।

सीओपी31 से पहले यूनिसेफ की नेपाल सरकार से अपील, जलवायु नीतियों में बच्चों के अधिकारों और जरूरतों को मिले प्राथमिकता

काठमांडू। संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (कॉन्फ्रेंस ऑफ द पार्टीज-31/सीओपी31) से पहले यूनिसेफ नेपाल ने सरकार से जलवायु संबंधी नीतियों, अनुकूलन योजनाओं, आपदा जोखिम न्यूनीकरण रणनीतियों और जलवायु वित्तपोषण की व्यवस्था में बच्चों की जरूरतों और अधिकारों को प्राथमिकता देने की अपील की है। यूनिसेफ ने सरकारों, विकास साझेदारों और जलवायु वित्तीय संस्थानों से बच्चों की जरूरतों के अनुरूप जलवायु अनुकूलन तथा जलवायु परिवर्तन से होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए निवेश बढ़ाने का आग्रह किया है।

इसमें स्वास्थ्य सेवाओं, पोषण, स्वच्छ पेयजल एवं स्वच्छता, शिक्षा, बाल संरक्षण और सामाजिक सुरक्षा को जलवायु के प्रभावों के प्रति मजबूत बनाने पर जोर दिया गया है। साथ ही, इन सेवाओं तक पहुंच सुनिश्चित करते समय बच्चों की उम्र, लिंग और दिव्यांगता से जुड़ी जरूरतों को ध्यान में रखने की बात कही गई है। यूनिसेफ ने राष्ट्रीय और स्थानीय सरकारों से बच्चों पर केंद्रित जलवायु जोखिम संबंधी आंकड़ों और साक्ष्यों के आधार पर योजनाएं तैयार करने तथा सबसे अधिक प्रभावित और संवेदनशील समुदायों को प्राथमिकता देने का आग्रह किया है। वहीं, निजी क्षेत्र से जलवायु अनुकूल बुनियादी ढांचे, स्वच्छ ऊर्जा समाधानों और बच्चों के कल्याण की रक्षा करने वाले नए नवाचारों में सहयोग करने की अपील की गई है।

संस्था ने सभी संबंधित पक्षों से स्थानीय, राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर जलवायु संबंधी निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में बच्चों और युवाओं की सार्थक भागीदारी सुनिश्चित करने को भी कहा है। यूनिसेफ की रिपोर्ट में बच्चों और युवाओं की आवाज सुनने के महत्व को भी रेखांकित किया गया है। इसमें कहा गया है कि बच्चे और युवा पहले से ही स्थानीय स्तर पर जलवायु कार्रवाई का नेतृत्व कर रहे हैं और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग कर रहे हैं। यूनिसेफ नेपाल की क्लाइमेट एक्शन यूथ एडवोकेट जयन्ती बम ने कहा, 'जलवायु परिवर्तन बच्चों के लिए भविष्य की समस्या नहीं है, बल्कि यह आज ही हमारे जीवन को प्रभावित कर रहा है।

नेपाल के पर्वतीय क्षेत्रों में इलाज और आपातकालीन बचाव व्यवस्था होगी मजबूत

काठमांडू। नेपाल के स्वास्थ्य मंत्रालय ने 'उच्च पहाड़ी तथा हिमालयी क्षेत्रों में ऊंचाई संबंधी बीमारी (हाई अल्टिट्यूड माउंटेन सिकनेस) की रोकथाम, पहचान, उपचार और प्रबंधन को व्यवस्थित एवं प्रभावी बनाने के लिए प्रबंधन संबंधी मानक-2026' को मंजूरी दी है। इस मानक का मुख्य उद्देश्य अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों की यात्रा करने वाले पर्यटकों, ट्रेकर्स, पर्वतारोहियों और स्थानीय निवासियों में होने वाली इस बीमारी की समय पर पहचान और उचित उपचार सुनिश्चित करना है।



इसके तहत विशेष रूप से उच्च पहाड़ी और हिमालयी क्षेत्रों में स्थित स्वास्थ्य संस्थानों की उपचार क्षमता बढ़ाने, जरूरी दवाओं एवं चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा आपातकालीन बचाव और मरीजों को दूसरे अस्पतालों में रेफर करने की व्यवस्था को व्यवस्थित करने के लिए दिशा-निर्देश दिए गए हैं। समुद्र तल से 2,500 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई पर पहुंचने पर वायुमंडलीय दबाव कम हो जाता है, जिससे शरीर को मिलने वाली ऑक्सीजन की मात्रा घटने लगती है। ऐसी स्थिति में जब शरीर नए वातावरण के अनुकूल खुद को ढाल नहीं पाता, तो ऊंचाई संबंधी बीमारी हो सकती है। शुरुआत में सामान्य लक्षणों के रूप में दिखाई देने वाली यह समस्या समय पर पहचान और उपचार नहीं मिलने पर गंभीर रूप ले सकती है। इससे फेफड़ों में पानी भरने (हाई अल्टिट्यूड पल्मोनरी एडेमा) और मस्तिष्क में सूजन (हाई अल्टिट्यूड सेरेब्रल एडेमा) जैसी जानलेवा स्थितियां पैदा हो सकती हैं। नए मानक में इस बीमारी की रोकथाम के लिए धीरे-धीरे ऊंचाई बढ़ाने, शरीर को नए वातावरण के अनुकूल बनाने के लिए पर्याप्त समय देने, पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ पीने और लक्षण दिखाई देने पर आगे ऊंचाई की ओर नहीं बढ़ने जैसे उपायों को प्राथमिकता दी गई है। इसके अलावा बीमारी से प्रभावित मरीजों को जरूरत के अनुसार तत्काल कम ऊंचाई वाले स्थान पर ले जाने, ऑक्सीजन और प्रेशर बैग का इस्तेमाल करने तथा मरीज की स्थिति के अनुसार उपचार करने की व्यवस्था भी शामिल की गई है। मानक के अनुसार उच्च पहाड़ी और हिमालयी क्षेत्रों के स्वास्थ्य संस्थानों में ऑक्सीजन सिलेंडर, ऑक्सीजन कंसंट्रेटर, पल्स ऑक्सीमीटर, हाइपरबेरिक चैंबर (गामो बैग), आपातकालीन उपचार के उपकरण और जरूरी दवाएं उपलब्ध करानी होंगी। इसमें बीमारी की पहचान, उपचार और प्रबंधन के लिए आवश्यक दवाओं एवं चिकित्सा उपकरणों की सूची भी शामिल की गई है। नए मानक में संघीय, प्रांतीय और स्थानीय सरकारों की जिम्मेदारियां भी निर्धारित की गई हैं। इसके तहत संघीय सरकार नीति, मानक, स्वास्थ्य जनशक्ति, बजट प्रबंधन और निगरानी की जिम्मेदारी संभालेगी। प्रांतीय सरकार स्वास्थ्यकर्मियों की क्षमता विकास और तकनीकी सहयोग सुनिश्चित करेगी। स्थानीय सरकारों को स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच, आवश्यक दवाओं एवं चिकित्सा सामग्री की उपलब्धता और मरीजों को जरूरत के अनुसार दूसरे स्वास्थ्य संस्थानों में रेफर करने की व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी।

फ्रांस में सरकार के खिलाफ देशव्यापी हड़ताल में 16 लाख लोग सड़कों पर उतरे

पेरिस (फ्रांस),एजेंसी। फ्रांस में आज राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की सरकार के खिलाफ लाखों लोग सड़कों पर उतरे हैं। बढ़ती महंगाई, कम वेतन, शिक्षा बजट में कटौती और सार्वजनिक सेवाओं की बदहाली के विरोध में आहूत देशव्यापी हड़ताल में छात्र और शिक्षक भी शामिल हैं। सरकार के अनुसार करीब 6 लाख लोग आंदोलन में शामिल हैं, जबकि श्रमिक संगठनों ने लगभग 16 लाख कर्मचारी, छात्र और शिक्षकों के सड़कों पर उतरने का दावा किया है। सीएनएन की रिपोर्ट में फ्रांस के बिगड़े सूरत-ए-हाल का विस्तार से जिक्र करके कहा गया है कि राजधानी पेरिस में हालात बिगड़े हुए हैं। कल रात को 'नेशन स्क्वायर' पर प्रदर्शनकारियों ने मशाल जुलूस निकाला और लाल फ्लेयर्स जलाए। इसके बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसक झड़पें हुईं। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे। ल्यों शहर में कारें फूंकी गईं और बोर्डो में भी सुरक्षाबलों को प्रदर्शनकारियों पर काबू पाने के लिए आंसू गैस का इस्तेमाल करना पड़ा।

समूचे फ्रांस में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए 70 हजार से अधिक पुलिस जवानों को तैनात किया गया है। पुलिस को स्थिति पर नियंत्रण के लिए बख्तरबंद गाड़ियों के अलावा ड्रोन और हेलीकॉप्टर मुहैया कराए गए हैं। अब तक देश में 448 से अधिक प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार



किया जा चुका है। हिंसा में जनों पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। आंदोलनकारियों की मुख्य मांगों में वेतन बढ़ोतरी शामिल है। अभी न्यूनतम वेतन 12.31 यूरो (भारतीय मुद्रा में 1,293.90) प्रति घंटा है। मांग की गई है कि इसमें वृद्धि की जाए। दूसरी मांग है- सभी कर्मचारियों के नेट वेतन में कम से कम 100 यूरो (भारतीय मुद्रा में 10,511.00) की प्रति माह की बढ़ोतरी की जाए। महत्वपूर्ण यह है कि फ्रांस में नेट वेतन वह वास्तविक राशि होती है, जो सभी सामाजिक योगदान और आयकर कटने के बाद कर्मचारी के बैंक खाते में आती है। टैक्स प्रणाली में सुधार की भी सरकार से मांग की गई है। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि ईंधन की आसमान छूती कीमतों (ईरान युद्ध और वैश्विक संकट के चलते डीजल की कीमतें 2.37 यूरो (भारतीय मुद्रा 249.11) प्रति लीटर के रिकॉर्ड स्तर पर हैं। इस कारण टैक्स का बोझ कम किया जाए। साथ ही स्कूलों, विश्वविद्यालयों और अस्पतालों के लिए सार्वजनिक बजट में की जा रही कटौती को फौरन बंद किया जाए। हालात बिगड़ने पर पेरिस के प्रसिद्ध एफिल टावर और लौवर संग्रहालय के कई हिस्सों को बंद कर दिया गया है। देश के करीब एक तिहाई हाई स्कूल या तो पूरी तरह बंद हैं या आंशिक रूप से प्रभावित हैं। छात्रों ने कई जगहों पर रास्तों को ब्लॉक कर दिया है। सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था बुरी तरह चरमरा गई है। प्रदर्शनकारियों के आह्वान पर तेल रिफाइनरियों में काम रोक दिया गया है और परमाणु ऊर्जा संयंत्रों में रुकावट के कारण फ्रांस को बिजली आयात करनी पड़ रही है। येलो वेस्ट्स समन्वय समूह ने स्थानीय स्तर पर नाकेबंदी की अपील की है। 7 नवंबर को पेरिस के 'प्लेस डी ला कॉनकॉर्ड' पर बड़े प्रदर्शन का आह्वान किया गया है। बढ़ते दबाव को देखते हुए फ्रांस के प्रधानमंत्री सेबस्तियन लेकोर्नू ने आगामी सोमवार को श्रमिक यूनियनों और नियोक्ताओं की एक आपातकालीन आहूत की है। सरकारी अनुमानों के अनुसार गुरुवार को पूरे फ्रांस में लगभग 5,75,000 प्रदर्शनकारियों ने हिस्सा लिया। 17 अक्टूबर को छोटे स्तर पर शुरू यह हड़ताल विकराल रूप ले चुकी है। अधिकांश कर्मचारी हड़ताल में शामिल हैं। इस वजह से स्कूलों, विश्वविद्यालयों, रेलवे और कुछ हद तक अस्पतालों में भी कर्मचारियों की भारी कमी है। यह एक ऐसा आंदोलन बन गया है, जिसमें ट्रेड यूनियन और येलो वेस्ट शामिल हो गए हैं।

बाढ़ आपदा के बाद पुनर्निर्माण के लिए 4-5 अरब डॉलर जुटाएगी नेपाल सरकार, भारत-चीन और विश्व बैंक से चल रही बातचीत

काठमांडू,एजेंसी। नेपाल सरकार ने भोटेकोशी-त्रिशूली आपदा के बाद पुनर्निर्माण और पुनर्वास के लिए जरूरी 4 से 5 अरब डॉलर की राशि जुटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। वित्त मंत्री स्वर्णिम वाग्ले ने शुक्रवार को सिंहदरबार में हिमालय में जलवायु परिवर्तन के प्रभाव, जलवायु न्याय और भोटेकोशी-त्रिशूली आपदा से संबंधित संसदीय विशेष समिति की बैठक में कहा कि सरकार भारत, चीन, विश्व बैंक और एशियाई विकास बैंक के साथ बातचीत कर रही है। अगले तीन से पांच वर्षों में आवश्यक वित्तीय संसाधन जुटाने का लक्ष्य रखा गया है।

सरकार को उम्मीद है कि कुल आवश्यक राशि का करीब 80 प्रतिशत इन चार स्रोतों से जुटाया जा सकेगा। शेष 20 प्रतिशत राशि अन्य विकास साझेदारों और दानदाता एजेंसियों से प्राप्त करने की योजना है। वित्त मंत्री के अनुसार पुनर्निर्माण और विकास परियोजनाओं के लिए भारत के साथ विशेष वित्तीय सहायता पैकेज को लेकर बातचीत चल रही है। उन्हें उम्मीद है कि प्रधानमंत्री की आगामी भारत यात्रा के दौरान इस संबंध में कुछ समझौते हो सकते हैं। वाग्ले ने बताया कि चीन के साथ बातचीत में आपदा के बाद पुनर्निर्माण, आधुनिक बुनियादी ढांचे के विकास और वैकल्पिक व्यापारिक नाकों के विस्तार जैसे मुद्दे शामिल हैं। इसमें रसुवागढ़ी, तातोपानी और कोरला सीमा नाकों को जोड़ने वाले बुनियादी ढांचे के विकास पर भी चर्चा हो रही है। इसके तहत रेलवे, सुरंग, वायडक्ट (ऊंचे पुलनुमा मार्ग) और आधुनिक सीमा शुल्क सुविधाओं के निर्माण की योजना है। उन्होंने कहा कि नेपाल चीन से जुड़ने वाली अपनी पुरानी सड़कों को केवल सामान्य मरम्मत तक सीमित नहीं रखना चाहता, बल्कि आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल से उनका उन्नयन करना चाहता है। वाग्ले ने बताया कि पुनर्निर्माण के लिए जरूरी वित्तीय संसाधनों के प्रबंधन को लेकर विश्व बैंक और एशियाई विकास बैंक के साथ भी गहन बातचीत हो रही है। उन्होंने कहा कि 39 वर्षों में पहली बार नेपाल के किसी वित्त मंत्री ने सीधे विश्व बैंक के अध्यक्ष से मुलाकात की है। इस मुलाकात से उच्चस्तरीय सहयोग के लिए एक नया आधार तैयार हुआ है। वित्त मंत्री के मुताबिक विश्व बैंक की विभिन्न संस्थाओं और रियायती वित्तपोषण व्यवस्थाओं के माध्यम से जरूरत के अनुसार करीब एक अरब डॉलर तक की वित्तीय प्रतिबद्धता हासिल करने का आश्वासन मिला है। उन्होंने कहा कि एशियाई विकास बैंक से भी इसी तरह के सहयोग की उम्मीद है।वाग्ले ने कहा कि वैश्विक स्तर पर अनुदान सहायता में कमी आ रही है। ऐसे में रियायती ऋण का इस्तेमाल भी बेहद सावधानी और समझदारी से करना होगा। उन्होंने कहा कि नेपाल पहले अपनी विकास परियोजनाओं के लिए अनुदान सहायता पर काफी निर्भर रहता था, लेकिन अब इस तरह की सहायता लगातार घट रही है।

एक नजर

दुर्गा पूजा पास घोटाला : जेल में बंद पूर्व मंत्री इंद्रनील सेन के घर पुलिस की छापेमारी

कोलकाता,एजेंसी। दुर्गा पूजा पास घोटाला मामले में जेल में बंद राज्य के पूर्व मंत्री इंद्रनील सेन की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। शुक्रवार को उनके कसबा स्थित आवास पर पुलिस ने सघन तलाशी अभियान चलाया। मौके पर पुलिस की दो गाड़ियां पहुंचीं और इस छापेमारी में पुलिस के साथ खोजी कुत्ते भी शामिल थे। गौरतलब है कि इससे पहले लालबाज़ार (कोलकाता पुलिस मुख्यालय) ने पूर्व मंत्री की पत्नी और बेटी को भी पूछताछ के लिए तलब किया था, जिसके बाद उन्होंने पुलिस के समक्ष अपनी हाजिरी दर्ज कराई थी। इसी कड़ी में अब यह छापेमारी की गई है। इस हाई-प्रोफाइल मामले में पूर्व मंत्री की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने शिकंजा कसते हुए 'मास आर्ट' संस्था के सचिव ध्रुबज्योति बसु उर्फ शुभ को भी गिरफ्तार कर लिया है। उसे पिछले बुधवार शाम कोलकाता के टियरिट्टी बाजार इलाके से दबोचा गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, वीआईपी पास की अवैध बिक्री की योजना बनाने से लेकर घोटाले की काली कमाई को छिपाने तक, इस पूरे सिंडिकेट में ध्रुबज्योति की बेहद अहम भूमिका रही है। पुलिस की जांच में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। वर्ष 2021 में जब कोलकाता की दुर्गा पूजा को यूनेस्को की विश्व धरोहर का दर्जा मिला, उसके तुरंत बाद 'मास आर्ट सोसाइटी' का गठन किया गया था। आरोप है कि इसी संस्था को ढाल बनाकर पूजा के वीआईपी पास और प्रीव्यू शो के टिकट बेचने की पूरी साजिश रची गई। जांच में यह भी पता चला है कि इस संस्था के मुख्य कर्ताधर्ता ध्रुबज्योति बसु और पूर्व मंत्री इंद्रनील सेन ही थे। रसूख का फायदा उठाते हुए ध्रुबज्योति की इवेंट मैनेजमेंट कंपनी ने राज्य के सूचना एवं संस्कृति विभाग से भी टेंडर हासिल कर लिए थे। पुलिस का आरोप है कि इस गिरोह ने 2022 से 2025 तक यूनेस्को के नाम और लोगो का गैरकानूनी तरीके से इस्तेमाल किया और इसके जरिए मोटी रकम वसूलते हुए आम लोगों और प्रायोजकों को पास व टिकट बेचे। फिलहाल पुलिस इस मामले की गहराई से जांच कर रही है और वित्तीय लेन-देन के पूरे नेटवर्क को खंगालने में जुटी है।

ममता बनर्जी के साथ रहने का विधायक शमीम अहमद ने आयोग को दिया भरोसा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजनीति में तृणमूल कांग्रेस के भीतर चल रही खींचतान के बीच मोगराहाट पश्चिम के विधायक शमीम अहमद ने अपना राजनीतिक रुख स्पष्ट किया है। उन्होंने चुनाव आयोग को ई-मेल भेजकर बताया है कि वह ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस के साथ हैं। साथ ही उन्होंने आयोग से अनुरोध किया है कि यदि ऋतब्रत बनर्जी के गुट की ओर से उनके नाम पर कोई हलफनामा जमा किया जाता है तो उसे स्वीकार नहीं किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया है कि वह ममता बनर्जी के समर्थन में अपना हलफनामा दे चुके हैं। उल्लेखनीय है कि विधानसभा चुनाव के बाद शमीम अहमद ऋतब्रत बनर्जी के गुट में शामिल हो गए थे। ऋतब्रत बनर्जी को विधानसभा में विपक्ष का नेता बनाए जाने के समर्थन में जिन विधायकों ने हस्ताक्षर किए थे, उनमें शमीम अहमद का नाम भी शामिल था। हालांकि गुरुवार रात उन्हें अभिषेक बनर्जी के साथ देखा गया। इसके बाद उन्होंने रात में ही चुनाव आयोग को ई-मेल भेजकर ममता बनर्जी के प्रति अपना समर्थन स्पष्ट कर दिया। इससे पहले अगस्त महीने में आमडांगा के विधायक कासेम सिद्दीकी भी ऋतब्रत गुट छोड़कर ममता बनर्जी के समर्थक गुट में लौट आए थे। उन्होंने तृणमूल विधायक कुणाल घोष के साथ संवाददाता सम्मेलन कर कहा था कि उन्हें गलत जानकारी देकर ऋतब्रत गुट में शामिल कराया गया था और उस समय कुछ समय के लिए भ्रम की स्थिति पैदा हो गई थी।

उन्होंने दावा किया था कि वह ममता बनर्जी के साथ हैं। इसी दौरान कुणाल घोष ने कहा था कि तृणमूल कांग्रेस के अधिकांश विधायक कालीघाट स्थित ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट के साथ हैं। उन्होंने आवश्यकता पड़ने पर गुप्त मतदान के माध्यम से सदन में बहुमत परीक्षण कराने की चुनौती भी दी थी। विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की करारी हार के बाद ममता बनर्जी के गुट से कई विधायकों के ऋतब्रत बनर्जी के खेमे में जाने की खबरें सामने आई थीं। अब इसके विपरीत भी स्थिति देखने को मिल रही है। ऋतब्रत गुट छोड़कर कई विधायक फिर से ममता बनर्जी के खेमे में लौट रहे हैं। इससे पहले बशीरहाट उत्तर के विधायक तौसीफुर रहमान और बारुईपुर पूर्व के विधायक विभास सरदार भी ममता बनर्जी के गुट में वापस आ चुके हैं।

योगी सरकार में पारदर्शी भर्ती से मिली खाकी वर्दी, मुख्यमंत्री के हाथों नियुक्ति पत्र पाकर खिले चेहरे

लखनऊ,एजेंसी। उत्तर प्रदेश पुलिस बल को शुक्रवार को 4543 नए उपनिरीक्षक मिल गए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के तहत चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। मुख्यमंत्री के हाथों नियुक्ति पत्र पाकर युवाओं के चेहरे खिल उठे। इस दौरान चयनित युवाओं ने एक स्वर में भर्ती प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी और तेज बताया। उन्होंने कहा कि फॉर्म भरने के लिए निर्धारित शुल्क के अलावा किसी को एक भी रुपया नहीं देना पड़ा।

बदायूं निवासी प्रशांत कुमार का चयन उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस के पद पर हुआ है। उन्होंने कहा कि वह पिछले सात वर्षों से तैयारी कर रहे थे। इस बार उन्हें सफलता मिली है। उन्होंने कहा कि पहले की भर्तियों में धांधली की शिकायतें सामने आती थीं, लेकिन 2017 के बाद ऐसी अनियमितताओं पर पूरी तरह लगाम लगी है। इसी पद पर चयनित सुमित शर्मा ने कहा कि वर्ष 2022 से तैयारी कर रहे थे। पूरी भर्ती प्रक्रिया तेजी से और पारदर्शी तरीके से संपन्न हुई। उन्होंने भरोसा दिलाया कि ड्यूटी के दौरान किसी के साथ अन्याय नहीं होने देंगे। शिवी शर्मा ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया का अनुभव बेहद अच्छा रहा। पिछले एक साल से तैयारी कर रही थीं और अब सफलता मिली है। दीपावली से पहले नियुक्ति पत्र मिलना उनके लिए महालक्ष्मी के आशीर्वाद जैसा है। धनतेरस के दिन उनके ऊपर खुशियों की वर्षा हुई है। उन्होंने कहा कि जब भर्ती में कोई रिश्वत नहीं देनी पड़ी तो



नौकरी में भी पूरी ईमानदारी और जिम्मेदारी से काम करेंगे। गरीबों की हरसंभव मदद करना हमारी प्राथमिकता है।

बरेली निवासी उदयवीर सिंह कठेरिया सेना से सेवानिवृत्त हैं। उनका चयन भी उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस के पद पर हुआ है। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया के कारण ही उन्हें नौकरी मिली है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भर्तियां पारदर्शी तरीके से हो रही हैं और युवाओं को किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ रहा है। मुजफ्फरनगर निवासी अंशु चौधरी ने कहा कि महज एक साल के भीतर पूरी भर्ती प्रक्रिया संपन्न होना बड़ी बात है। पहले ऐसा कम ही देखने को मिलता था। अंशु चौधरी ने निष्पक्ष भर्ती के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया और कहा कि प्रशिक्षण के दौरान मिलने वाली सीख को पूरी तरह आत्मसात कर ईमानदारी से अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे। वहीं, बरेली निवासी राजा बाबू ने बताया कि फॉर्म भरने के लिए ही शुल्क देना पड़ा, इसके अलावा किसी भी स्तर पर एक रुपया खर्च नहीं करना पड़ा। बचपन से पुलिस विभाग में सेवा करने का सपना था, जो आज पूरा हो गया। उन्होंने कहा कि उनकी कोशिश होगी कि गरीब, शोषित और वंचित वर्ग को न्याय मिले।

इरफान अंसारी के बयान के विरोध में भाजपा का रांची में प्रदर्शन, राहुल गांधी का पुतला दहन किया

रांची। झारखंड सरकार के मंत्री एवं कांग्रेस नेता इरफान अंसारी के बयान के विरोध में भाजपा ने शुक्रवार को रांची में प्रदर्शन किया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने डीपीएस चौक पर राहुल गांधी का पुतला दहन किया। भाजपा ने मंत्री के उस बयान पर आपत्ति जताई है, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि 40 लाख युवा राहुल गांधी के एक इशारे का इंतजार कर रहे हैं। साथ ही चेतावनी दी थी कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समय रहते हालात नहीं संभाले तो देश की स्थिति बांग्लादेश और नेपाल से भी बदतर हो सकती है।

भाजपा ने इसे देश में अराजकता फैलाने वाला बयान बताते हुए कड़ी नाराजगी जताई। पार्टी का आरोप है कि मंत्री का बयान युवाओं को सड़क पर उतरने और सेना से टकराव की स्थिति पैदा करने का संकेत देता है। भाजपा ने केंद्र सरकार से इरफान अंसारी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग भी की है। इस दौरान भाजपा प्रदेश महामंत्री अमर कुमार बाउरी ने कहा कि इरफान अंसारी के वीडियो ने देश में अराजकता फैलाने की कितनी बड़ी साजिश चल रही है, उसे उजागर कर दिया है। 40 लाख लोगों को सड़क पर उतारने की बात करना और यह कहना कि राहुल गांधी ने उन्हें रोक रखा है, बेहद गंभीर और चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि जिस दिन राहुल गांधी इजाजत दे देंगे, उस दिन देश में क्या स्थिति होगी, इसकी कल्पना की जा सकती है। यह केवल सरकार को ही नहीं, बल्कि देश की सुरक्षा व्यवस्था और सेना को भी खुली चुनौती देने जैसा है। बाउरी ने कहा कि इरफान अंसारी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चेतावनी देते हुए भारत की स्थिति नेपाल और बांग्लादेश से भी बदतर होने की बात कही है। इस तरह के बयान देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को अस्थिर करने और जनता के बीच भय एवं भ्रम फैलाने का प्रयास हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि देश में तख्तापलट की कोई भी साजिश सफल नहीं होगी। भारत का लोकतंत्र और संविधान अत्यंत मजबूत एवं जीवंत है। विपक्ष की ऐसी किसी भी कोशिश से लोकतंत्र का बाल भी बांका नहीं हो सकता। बाउरी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और झारखंड मुक्ति मोर्चा से स्पष्ट जवाब मांगा कि क्या वे मंत्री इरफान अंसारी के इस बयान से सहमत हैं? यदि सहमत नहीं हैं तो मुख्यमंत्री तत्काल उन्हें मंत्रिमंडल से बर्खास्त करें। उन्होंने कहा कि संवैधानिक पद पर बैठे किसी मंत्री द्वारा इस प्रकार की बयानबाजी को किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने कांग्रेस की मान्यता समाप्त करने की भी मांग की है।

दीपावली पर घर लौटने लगे चेन्नईवासी, तीन दिनों में 15,659 बसें चलाने की तैयारी

चेन्नई। दीपावली के त्योहार को लेकर चेन्नई में रहने वाले लोग अपने पैतृक गांवों और शहरों की ओर रवाना होने लगे हैं। इसके चलते शहर के विभिन्न इलाकों में यातायात का दबाव बढ़ गया है। यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए तमिलनाडु राज्य परिवहन निगम ने विशेष बसों के संचालन की व्यवस्था की है। परिवहन निगम के अनुसार, पांच नवंबर को एक ही दिन में 329 बसों के माध्यम से करीब 1.40 लाख यात्रियों ने सफर किया। आमतौर पर सप्ताहांत, त्योहारों और लगातार छुट्टियों के दौरान यात्रियों की सुविधा के लिए परिवहन निगम विशेष बसें चलाता है। इसी क्रम में वर्ष 2026 के दीपावली पर्व पर चेन्नई से अपने पैतृक स्थानों की ओर जाने वाले यात्रियों के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं।

परिवहन निगम ने पांच से सात नवंबर तक चेन्नई से कुल 15,659 बसें चलाने की योजना बनाई है। इनमें 6,573 नियमित और 9,086 विशेष बसें शामिल हैं। विशेष बसों में 7,427 सरकारी तथा 1,659 निजी अनुबंधित बसें हैं। योजना के अनुसार, पांच नवंबर को 5,061 बसें चलाने का लक्ष्य रखा गया था। वहीं, छह नवंबर को 2,191 नियमित और 3,240 विशेष बसों सहित कुल 5,431 बसों का संचालन किया जा रहा है। सात नवंबर को 2,191 नियमित और 2,976 विशेष बसों सहित कुल 5,167 बसें चलाई जाएंगी। यात्रियों की सुविधा के लिए चेन्नई में पांच स्थानों से विशेष बसें चलाई जा रही हैं। इनमें किलांबक्कम स्थित कलैग्नर



शताब्दी बस टर्मिनल, कोयम्बेडु स्थित पुरच्चि थलैवर डॉ. एमजीआर बस टर्मिनस, माधवरम नया बस स्टैंड, किलांबक्कम में सीएमडीए क्लाइमेट पार्क के पास स्थित अस्थायी बस स्टैंड और मरैमलै नगर का अस्थायी बस स्टैंड शामिल हैं। पुडुचेरी, कुड्डालोर, चिदंबरम, तिरुचि, मदुरै, तूतीकोरिन, तिरुनेलवेली, सलेम और कोयंबटूर सहित अन्य स्थानों के लिए बसें किलांबक्कम से संचालित की जा रही हैं। कुंभकोणम, तंजावुर और नागपट्टिनम जाने वाली बसें मरैमलै नगर से, जबकि वंदवासी, पोलूर और तिरुवन्नामलाई जाने वाली बसें सीएमडीए के अस्थायी बस स्टैंड से चलाई जा रही हैं। इस बीच, दीपावली मनाने के बाद अपने पैतृक स्थानों से चेन्नई लौटने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए भी सरकार ने विशेष इंतजाम किए हैं। इसके तहत नौ और 10 नवंबर को कुल 11,197 बसें चलाने की योजना बनाई गई है।

दीपोत्सवः उप राष्ट्रपति के आगमन से दीप प्रज्ज्वलन तक रामनगरी में मजिस्ट्रेटों को अलग-अलग कमान

अयोध्या,एजेंसी। दीपोत्सव के प्रमुख आयोजनों को व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने स्थलों के हिसाब से जिम्मेदारियां बांट दी हैं। उप राष्ट्रपति के आगमन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रमों को देखते हुए एयरपोर्ट से श्रीरामजन्मभूमि परिसर, नया घाट, रामकथा पार्क और राम की पैड़ी तक अधिकारियों की तैनाती की है। पांच नवंबर को जारी संशोधित आदेश में आयोजन स्थलों, शोभायात्रा, अतिथि दीर्घाओं और यातायात व्यवस्था की निगरानी के लिए अलग-अलग मजिस्ट्रेट नियुक्त किए गए हैं।

आदेश पत्र के अनुसार रामकथा पार्क में मुख्य विकास अधिकारी कृष्ण कुमार सिंह संपूर्ण व्यवस्था की कमान संभालेंगे। मंच, विशिष्ट अतिथि दीर्घा, संत समाज और मीडिया गैलरी की व्यवस्थाओं के लिए अलग अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है। राम की पैड़ी पर अपर जिलाधिकारी अमित कुमार भट्ट आयोजन की निगरानी करेंगे। यहां मुख्यमंत्री के मंच, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, संत समाज की दीर्घा और अतिथियों के बैठने की व्यवस्था अलग-अलग अधिकारियों के जिम्मे रहेगी। दीप प्रज्ज्वलन से संबंधित समस्त कार्य अपर जिलाधिकारी नगर एवं मेलाधिकारी दिनेश के नेतृत्व में होंगे। विशिष्ट अतिथियों के आगमन से लेकर दर्शन-पूजन और कार्यक्रम स्थलों तक आवागमन के लिए भी अलग व्यवस्था की गई है। एयरपोर्ट पर अपर जिलाधिकारी कौशल कुमार अतिथियों के आगमन और प्रस्थान की जिम्मेदारी संभालेंगे। अपर नगर आयुक्त भारत और डिप्टी कलेक्टर गजेंद्र सिंह एयरपोर्ट से नया घाट होते हुए श्रीराम जन्मभूमि परिसर तक मार्ग व्यवस्था और शांति व्यवस्था की निगरानी करेंगे। साकेत महाविद्यालय



बंधा तिराहे से रामकथा पार्क तक निकलने वाली शोभायात्रा की जिम्मेदारी मुख्य राजस्व अधिकारी गजेंद्र कुमार को दी गई है। उनके साथ जिला पूर्ति अधिकारी बृजेश कुमार मिश्र, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी मोहन त्रिपाठी और अन्य अधिकारी यात्रा के अलग-अलग हिस्सों में व्यवस्थाएं संभालेंगे।

दीपोत्सव में श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए यातायात, पार्किंग, बैरिकेडिंग और आवागमन की व्यवस्था महत्वपूर्ण होगी। राम की पैड़ी, सरयू आरती स्थल और प्रमुख घाटों पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यवस्थाओं की निगरानी की जाएगी। नया घाट स्थित सरयू आरती स्थल की संपूर्ण व्यवस्था अपर जिलाधिकारी प्रशासन विशु राजा और उप जिला मजिस्ट्रेट पवन कुमार शर्मा संभालेंगे। वहीं, संपूर्ण यातायात व्यवस्था अपर जिलाधिकारी इंद्राकांत द्विवेदी के जिम्मे रहेगी। जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने कहा कि दीपोत्सव में श्रद्धालुओं और अतिथियों की सुविधा तथा सुरक्षा प्राथमिकता है। सभी प्रमुख आयोजन स्थलों पर जिम्मेदारियां निर्धारित की गई हैं। संबंधित विभागों को समन्वय के साथ व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि आयोजन के दौरान किसी को असुविधा न हो।

धनतेरस पर रिकॉर्ड 1.25 लाख करोड़ रुपये के कारोबार का अनुमान : कैट

नई दिल्ली,एजेंसी। इस साल धनतेरस पर देश भर से अभूतपूर्व खरीदारी की खबरें हैं। व्यापारियों के संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) का कहना है कि आज के दिन देशभर में 1.25 करोड़ रुपये से भी अधिक का सामान बिके। यह भारतीय उपभोक्ताओं के मजबूत विश्वास, बढ़ती क्रय शक्ति और देश की घरेलू खुदरा अर्थव्यवस्था में आई नई ऊर्जा का परिचायक है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री एवं चांदनी चौक के सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा कि धनतेरस ने एक बार फिर भारत के पारंपरिक बाजारों की अपार ताकत और देश के व्यापारी समुदाय की जीवंतता को साबित किया है। उन्होंने कहा कि सोने-चांदी, ऑटोमोबाइल, बर्तन, रसोई के सामान, इलेक्ट्रॉनिक्स, बिजली के उपकरण, मां लक्ष्मी एवं भगवान गणेश की मूर्तियों सहित अन्य शुभ वस्तुओं की खरीदारी ने देशभर में अभूतपूर्व व्यापारिक गतिविधियों को जन्म दिया है।

उन्होंने कहा कि धनतेरस पर इस साल बुलियन से लेकर ऑटोमोबाइल, बर्तनों से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स तक बाजारों में उमड़ी खरीदारी की अभूतपूर्व लहर; स्वदेशी उत्पादों का बाजारों में दबदबा रहा। खंडेलवाल ने कहा कि इस वर्ष धनतेरस पर देशभर में खरीदारी का अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिला है। देश में धनतेरस के अवसर पर कुल व्यापार 1.25 लाख करोड़ रुपय से अधिक रहने का अनुमान है। यह भारतीय उपभोक्ताओं के मजबूत विश्वास, बढ़ती क्रय शक्ति और देश की घरेलू खुदरा



अर्थव्यवस्था में आई नई ऊर्जा का परिचायक है। धनतेरस के धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व को रेखांकित करते हुए खंडेलवाल ने कहा कि कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी को मनाया जाने वाला यह पर्व धनत्रयोदशी के नाम से भी जाना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, समुद्र मंथन के दौरान भगवान धन्वंतरि अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे। इसी कारण धनतेरस को स्वास्थ्य, धन, समृद्धि और नए शुभारंभ का प्रतीक माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन की गई खरीदारी से तेरह गुना समृद्धि प्राप्त होती है। यही विश्वास इसे भारत के सबसे महत्वपूर्ण खरीदारी पर्वों में शामिल करता है। कैट के ज्वैलरी चैप्टर ऑल इंडिया ज्वैलर्स एंड गोल्डस्मिथ फेडरेशन (एआईजेजीएफ) के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंकज अरोड़ा के अनुसार, पिछले कई दिनों से देशभर के आभूषण बाजारों में ग्राहकों की असाधारण भीड़ देखने को मिली है। उन्होंने बताया कि देशभर में सोने और चांदी का कारोबार अकेले 66 हजार करोड़ रुपये से अधिक रहने का अनुमान है, जबकि दिल्ली के बुलियन बाजारों में 10,000 करोड़ रुपये से अधिक का व्यापार दर्ज किया गया है।

कीमती धातुओं की ऊंची कीमतों के बावजूद ग्राहकों का सोने-चांदी की खरीदारी के प्रति उत्साह बरकरार रहा। विशेष रूप से हल्के वजन के आभूषणों, पारंपरिक गहनों, चांदी के सिक्कों और शुभ निवेश के रूप में सोने-चांदी की खरीदारी को प्राथमिकता दी गई। पंकज अरोड़ा ने बताया कि आज सोने का भाव लगभग 1 लाख 44 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम रहा, जबकि धनतेरस से पहले यह लगभग 1 लाख 30 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम पर था। इसी प्रकार चांदी का भाव लगभग 1 लाख 90 हजार रुपये प्रति किलोग्राम रहा, जबकि पहले यह लगभग 1 लाख 70 हजार रुपये प्रति किलोग्राम था। इसके बावजूद ग्राहकों ने खरीदारी में उत्साह दिखाया। खंडेलवाल ने कहा कि धनतेरस की विशेषता यह है कि इसका आर्थिक प्रभाव केवल सोने-चांदी तक सीमित नहीं है। इस दिन तांबे, चांदी और स्टील के नए बर्तन खरीदना शुभ माना जाता है। वहीं, पारंपरिक मान्यताओं के अनुसार झाड़ू खरीदने को दरिद्रता और नकारात्मकता दूर करने तथा मां लक्ष्मी के आगमन का प्रतीक माना जाता है। आधुनिक समय में धनतेरस मोबाइल फोन, लैपटॉप, टैबलेट, टेलीविजन, घरेलू उपकरणों, बिजली के सामान, ऑटोमोबाइल और अन्य आधुनिक उपभोक्ता वस्तुओं की खरीदारी का भी एक बड़ा अवसर बन गया है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष त्योहारी कारोबार में आई उल्लेखनीय तेजी के पीछे जीएसटी दरों में की गई महत्वपूर्ण कटौती और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 'स्वदेशी अपनाओ' के आह्वान की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उपभोक्ताओं में भारतीय उत्पादों को प्राथमिकता देने की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ी है, जिससे देश के घरेलू निर्माताओं, छोटे व्यापारियों, स्थानीय कारीगरों, शिल्पकारों और एमएसएमई क्षेत्र को बड़ा लाभ मिला है। खंडेलवाल ने कहा कि इस बार खरीदारी का उत्साह केवल बड़े शॉपिंग मॉल और आधुनिक रिटेल प्रतिष्ठानों तक सीमित नहीं रहा।

देवी-देवताओं का उपहास उड़ाने वालों के खिलाफ मुकदमे के लिए पतंजलि में बनेगी विशेष टीम : रामदेव

पौड़ी गढ़वाल। उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल के यमकेश्वर ब्लॉक स्थित मालागांव में आयोजित तीन दिवसीय हर्बल कुंभ-जड़ी-बूटी कृषि मेला एवं श्री धन्वंतरि धाम महोत्सव का शुक्रवार को समापन हुआ। समापन समारोह में योग ऋषि स्वामी रामदेव ने सनातन धर्म और देवी-देवताओं का अपमान करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की बात कही। उन्होंने घोषणा की कि भगवान राम, कृष्ण, हनुमान सहित अन्य देवी-देवताओं का उपहास उड़ाने वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने के लिए पतंजलि में विशेष टीम गठित की जाएगी।

स्वामी रामदेव ने कहा कि आज ईश्वर और अवतारी सत्ताओं पर आक्षेप लगाने वालों के समर्थन में भी लोग खड़े हो जाते हैं। किसी को हमारे आराध्यों का अपमान करने का अधिकार किसने दिया है। देवी-देवताओं पर जूते मारने जैसी घटनाओं को उन्होंने धार्मिक और सांस्कृतिक पाप बताया। उन्होंने कहा कि किसी भी धर्म, आस्था और महापुरुष का अनादर नहीं होना चाहिए। यदि कोई मोहम्मद साहब या ईसा मसीह के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी करे तो क्या होगा, इस पर भी



विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अब सनातन का आवरण ओढ़कर बैठे लोगों को भी बेनकाब करने की आवश्यकता है। साथ ही सभी धर्मों के प्रति उदारता का संदेश देते हुए कहा कि कोई किसी का मजाक न उड़ाए। आनंदपूर्वक जीवन जिएं, सभी से प्रेम रखें। परमात्मा से प्रेम, गुरु का आश्रय और भक्ति ही सनातन का वास्तविक मार्ग है। शास्त्रों में मिलावट के मुद्दे पर भी उन्होंने कुछ संतों की चुप्पी पर सवाल उठाए। स्वामी रामदेव ने श्री धन्वंतरि धाम के निर्माण में आचार्य बालकृष्ण के पांच वर्षों के अखंड पुरुषार्थ की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह स्थान अब उनकी कर्मस्थली और तपस्थली बन चुका है। वहीं, आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि श्री धन्वंतरि धाम प्राचीनता और आधुनिकता का बेजोड़ संगम बनेगा। हर्बल आधुनिक अवधारणा है, जबकि कुंभ सनातन संस्कृति का मूल तत्व है। यहां नॉलेज पाथ, इंटरटेनमेंट पार्क, एडवेंचर स्पोर्ट्स, साइकिलिंग ट्रैक और साधना के लिए विशेष गुफाएं बनाई जा रही हैं। यह केंद्र जड़ी-बूटी, आयुर्वेद के साथ ज्ञान, संस्कृति, पर्यटन और प्रशिक्षण का भी प्रमुख केंद्र बनेगा। 4 से 6 नवंबर तक चले इस हर्बल कुंभ में 2500 से अधिक लोगों ने भाग लिया, जबकि 500 से अधिक लोग यहां रुके। आयोजन को अगले वर्ष अक्टूबर में और व्यापक स्वरूप में आयोजित करने की घोषणा की गई।

मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी, सैफुल्लाह सिद्दिकी द्वारा आरडी प्रिंटिंग एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-08, नोएडा (यूपी), से छपवा कर एन-81, बटला हाउस, जामिया नगर पुलिस स्टेशन, जामिया नगर, नई दिल्ली-110025 से प्रकाशित किया। सर्वाधिकार सुरक्षित, किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र दिल्ली होगा। (संपादक- सैफुल्लाह सिद्दिकी)